Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24 website- www.dvpnews.in रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 298 ● वर्ष : 11 ● रायपुर, सोमवार 27 मई 2024 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

आरोग्य और वैराग्य, इन दोनों को सुरक्षित रखने के लिए अहिंसा अनिवार्य है।

Nonviolence is essential to secure health and asceticism.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

संक्षिप्त समाचार

आयकर विभाग की सर्राफा व्यापारियों के ठिकानों पर रेड, 26 करोड़ कैश जब्त

नासिक (आरएनएस)। महाराष्ट्र के नासिक में आयकर विभाग ने सर्राफा व्यापारियों की दुकानों और डेवलपर्स के कार्यालयों पर छापेमारी की। लगातार 30 घंटे चली छापेमारी में टीम ने 26 करोड़ रुपये की नकदी और 90 करोड़ की बेहिसाब संपत्ति के दस्तावेज जब्त किए। मिली जानकारी के मुताबिक नासिक, नागपुर, जलगांव की टीम ने यह कार्रवाई की। 50 से 55 अधिकारियों ने सुराना ज्वैलर्स के परिसर के साथ-साथ उनके रियल एस्टेट व्यवसाय के कार्यालय पर भी छापा मारा। उनके आलीशान बंगले पर भी एक स्वतंत्र टीम ने निरीक्षण किया। शहर के विभिन्न स्थानों पर उनके कार्यालय, निजी लॉकर और बैंकों के लॉकर की भी जांच की गई।

दर्दनाक हादसा : तेज रफ्तार डंपर श्रद्धालुओं से भरी बस पलटी, 11 लोगों की मौत

लखनऊ (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश में शनिवार देर रात बड़ा हादसा हो गया। यहां सीतापुर से उत्तराखंड के पूर्णांगिरि जा रही श्रद्धालुओं से भरी बस पर शाहजहांपुर में एक तेज रफ्तार ओवरलोड डंपर अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में 11 लोगों की जान चली गई, जबकि 25 श्रद्धालु घायल हुए हैं। सभी श्रद्धालु पूर्णांगिरि दर्शन के लिए जा रहे थे। हादसे के बाद मौके पर भीड़ जुट गई। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल भेजा है।

गौवंश पर साय सरकार का बड़ा फैसला, अभ्यारण बनाने के लिए दिए निर्देश

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ की सड़कों पर खुले में घूमने वाले गोवंशों की सुरक्षा और दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए साय सरकार प्रदेश में गौवंश अभ्यारण्य योजना ले कर आ रही है। सीएम विष्णु देव साय ने अधिकारियों को इस संदर्भ में कार्ययोजना बनाने के आवश्यक निर्देश दिए हैं।

राज्य में पशुधन विकास विभाग, पंचायत, राजस्व और वन विभाग के समन्वय से गौवंश अभ्यारण्य संचालित करने की योजना है। इस योजना के क्रियान्वयन से सड़कों पर भूखे-प्यासे भटकने वाले गोवंशों को ना केवल नियमित आहार मिल सकेगा। साथ ही उनकी उचित देखभाल और चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध होगी। गौवंश अभ्यारण्य पशुधन के लिए उचित रहवासी वातावरण से परिपूर्ण होगा।

सड़क हादसों का बनते हैं कारण- उल्लेखनीय है कि सड़कों पर घूम रहे स्वामी विहीन पशुधन न केवल यातायात के लिए बाधा बन रहे हैं। आए दिन दुर्घटनाओं का कारण भी बनते हैं। भूख से बेहाल पशुधन द्वारा कूड़ा-कचरा और प्लास्टिक खाने से उनके स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। गौवंश अभ्यारण्य योजना इसे रोकने की दिशा में सकारात्मक कदम साबित होगी।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मिलकर बधाई एवं धन्यवाद दिया

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा गौवंश अभ्यारण्य बनाने की घोषणा पर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने मुख्यमंत्री से मिलकर इसके लिए बधाई एवं धन्यवाद किया। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यह बताते हुए मुझे बहुत हर्ष हो रहा है कि विष्णुदेव सरकार गौवंशो की सुरक्षा, देखभाल और सड़कों पर घूमने वाले गौवंशो की सुरक्षा के लिए गौवंश अभ्यारण बनाएगी। इससे निश्चित ही सड़कों पर भूखे-प्यासे भटकने वाले गौवंशों को नियमित आहार, देखभाल और चिकित्सकीय सुविधा मिलेगी वरन दुर्घटनाओं पर भी लगाम लगेगी।

अधिकारियों को गोवंशों अभ्यारण्य की रूप रेखा बनाने के दिए निर्देश

इसको लेकर सीएम विष्णुदेव साय ने कहा कि, ठोस कार्ययोजना के माध्यम से भ्रष्टाचार मुक्त, सेवा, सुरक्षा और संवर्धन का ध्येय वाक्य ले कर प्रदेश में स्वामी विहीन पशुधन के लिए गोवंशों अभ्यारण्य की रूप रेखा बनाने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए हैं। प्रस्तावित योजना लागू होने पर ना केवल सड़कों पर भूखे-प्यासे भटकने वाले गोवंशों को नियमित आहार, देखभाल और चिकित्सकीय सुविधा मिलेगी और दुर्घटनाओं पर भी लगाम लगेगी।

नक्सलियों ने काटा आवापल्ली-उसूर मार्ग, पीडिया मुठभेड़ को बताया फर्जी

बीजापुर (विसं)। नक्सलियों ने पीडिया मुठभेड़ को फर्जी बताते हुए आवापल्ली से उसूर जाने वाली सड़क को काटकर बैनर-पोस्टर के जरिए आज बंद का आह्वान किया है. सीपीआई दक्षिण सब जोनल ब्यूरो की ओर से फेंके गए पर्चे में बीते 10 मई को पीड़िया में हुए मुठभेड़ को फर्जी बताते हुए बंद का आह्वान किया है. साथ ही पर्चे में प्रधानमंत्री मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री शाह व विष्णुदेव सरकार को आदिवासी विरोधी बताया है.

अरविंद केजरीवाल ने कहा- विदेश से भी पंजाब में आ रही इंडस्ट्री, प्रदेश में लॉ एंड ऑर्डर बेहतर

फिरोजपुर (आरएनएस)। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर पंजाब के फिरोजपुर में आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्रेडर्स के साथ एक सभा की । इस दौरान उन्होंने दावा किया कि पहले के मुकाबले पंजाब में लॉ एंड ऑर्डर की स्थिती में काफी सुधार हुआ है।

उन्होंने कहा कि पंजाब में हमारी सरकार को बने दो साल हुए हैं। हमारी सरकार बनने के पहले यहां इंडस्ट्री और व्यापार की इतनी बुरी हालत थी कि यहां से इंडस्ट्रीज मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान जैसे दूसरे राज्यों में शिफ्ट हो रहीं थीं। लेकिन, दो साल में पंजाब से इंडस्ट्रीज का बाहर जाने का सिलसिला खत्म हुआ, अब बाहर से पंजाब में इंडस्ट्रीज के आने का सिलसिला शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान ने पिछले दो साल में देश भर में घूम-घूमकर इंडस्ट्री मालिकों से मुलाकात की।

सपा ने हमेशा साजिश के तहत पूर्वांचल को पिछड़ा बनाए रखा : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

घोसी (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को उत्तर प्रदेश के घोसी में चुनावी सभा की। प्रधानमंत्री मोदी ने चुनावी सभा में समाजवादी पार्टी और इंडिया गठबंधन पर जमकर निशाना साधा। पीएम मोदी ने कहा, सपा ने हमेशा साजिश की तहत पूर्वांचल को पिछड़ा बनाए रखा। ऐसे लोगों को पूर्वांचल बार-बार सजा देगा। जिन्होंने इस क्षेत्र के साथ विश्वासघात किया, इंडी गठबंधन के वे लोग जिन्होंने आपके घरों में आग लगाया, जिन्होंने आपकी जमीनों पर कब्जा किया, जो माफिया के लिए आंसू बहाते हैं ऐसे लोगों को अब पूर्वांचल में पैर नहीं रखने देना है।

प्रधानमंत्री ने कहा, सपा- कांग्रेस का इंडी गठबंधन सभी जातियों को आपस में लड़ा रहा है। वो चाहते हैं कि सभी जाति आपस में झगड़ा करके कमजोर हो जाए। उन्हें इससे ये फायदा होगा कि जब समाज के लोग एकजुट नहीं रहेंगे और आपस में लड़ेंगे तो आपका असली मुद्दों से ध्यान हट जाएगा।

मोदी ने कहा, यहां जो पहली बार मतदाता हैं, उन्हें सपा का 2012 का घोषणा पत्र शायद याद नहीं होगा। 2012 में सपा ने अपने घोषणा पत्र में साफ-साफ लिखा है, जैसे बाबा साहेब अंबेडकर ने दलितों को आरक्षण दिया, वैसा ही आरक्षण मुसलमानों को दिया जाएगा। ये संविधान की भावना के खिलाफ है, लेकिन इंडी वालों को इसकी कोई परवाह नहीं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि चुनाव के दौरान ये (इंडी गठबंधन) मंदिरों में जाने का दिखावा करते हैं, लेकिन 500 साल बाद हमारी सभ्यता, हमारी आस्था का इतना बड़ा पल आया, तो ये राम मंदिर को गालियां देने लगे, उसमें खोट ढूंढने लगे। ये लोग राम मंदिर बनने से बहुत नाराज हुए। ये लोग लगातार दबाव बना रहे हैं, जैसे शाहबानो का फैसला पलटा, वैसे ही राम मंदिर पर सर्वोच्च न्यायालय का फैसला पलटा जाए।

मिर्जापुर में एक सार्वजनिक बैठक के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राज्य के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, मिर्ज़ापुर लोकसभा सीट से उम्मीदवार अनुप्रिया पटेल और अन्य पार्टी नेता उपस्थित रहे।

वाराणसी से पूरे देश को मैसेज, प्रचंड बहुमत के साथ तीसरी बार मोदी सरकार : एस जयशंकर

नई दिल्ली (आरएनएस)। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर रविवार को उत्तर प्रदेश के वाराणसी पहुंचे। जहां वह सनबीम वरुणा में पूर्वांचल स्कूल वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से आयोजित शिक्षा के साथ सशक्तीकरण = बेहतर कल के लिए शिक्षण आयोजन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर शमिल हुए। सनबीम वरुणा स्कूल प्रबंधन से जुड़े लोगों ने विदेश मंत्री का शानदार तरीके से स्वागत किया। इस दौरान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बताया कि 2024 के लोकसभा चुनाव में एक बार फिर से एनडीए की सरकार बनने जा रही है। एनडीए इस बार 400 से अधिक सीटें लेकर आ रही है। उन्होंने कहा कि जी-20 के संदर्भ में एक साल पहले मैं काशी आया था। आप सब जानते हैं कि उस समय पूरे देश में जी-20 का कुछ ना कुछ कार्यक्रम हुआ था। कुल मिलकर सात शहर थे, जहां जी-20 की अलग-अलग मीटिंग हुई थी। कार्यक्रम के बाद मीडिया से बात करते हुए विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा, मुझे वाराणसी को कोई संदेश देने की जरूरत नहीं है, वाराणसी ही पूरे देश को मैसेज दे रहा है कि 4 जून को प्रचंड बहुमत के साथ तीसरी बार मोदी सरकार बनेगी।

दिल्ली में बेबी केयर सेंटर में लगी भीषण आग, 7 नवजातों की मौत; 5 अस्पताल में भर्ती

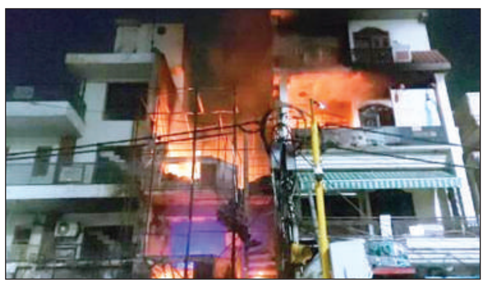

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली के विवेक विहार में शनिवार देर रात एक बेबी केयर सेंटर में आग लग गई। इस हादसे में 7 बच्चों की मौत हो गई है। जानकारी के अनुसार, दमकल विभाग को रात करीब साढ़े 11 बजे आग लगने की सूचना मिली, जिसके तुरंत बाद मौके पर दमकल विभाग की 9 गाड़ियां भेजी गई। पुलिस और दमकल विभाग ने 12 बच्चों को रेस्क्यू किया, जिनमें से 7 की मौत हो गई है।

बताया गया है कि 5 बच्चे अभी भी अस्पताल में भर्ती हैं। ईस्ट दिल्ली एडवांस्ड केयर हॉस्पिटल में बच्चों को एडमिट किया गया है। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के प्रमुख अतुल गर्ग ने कहा कि विवेक विहार में एक शिशु देखभाल केंद्र से आग लगने की सूचना मिलते ही कुल नौ दमकल गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंचीं थी। बेबी केयर सेंटर में आग लगने के बाद कम से कम 11 नवजात शिशुओं को बचाया गया। यह जानकारी अग्निशमन विभाग के एक अधिकारी ने दी। आग पर अब पूरी तरह काबू पा लिया गया है।

दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) प्रमुख अतुल गर्ग ने कहा कि अस्पताल में सात बच्चों को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि पांच नवजात शिशुओं का इलाज चल रहा है। डीसीपी ने कहा, सभी 7 शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए जीटीबी अस्पताल भेज दिया गया है। अस्पताल के मालिक नवीन किची, भैरों एन्क्लेव, पश्चिम विहार, दिल्ली के निवासी के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

पेपर फैक्टी में लगी भीषण आग, करोड़ों का माल जलकर खाक

रायपुर (आरएनएस)। मंदिर हसौद स्थित अजवा पेपर एंड बर्ड मिल फैक्ट्री में भीषण आग लग गई. सूचना पर फायर ब्रिगेड के 4 वाहन मौके पर पहुंचे हैं और आग को काबू करने का प्रयास किया गया। घटनास्थल पर एसडीएम, तहसीलदार समेत पुलिस अफसर भी मौजूद रहे।

मामले की जानकारी देते हुए कंपनी के ओनर राजेश मेघानी ने बताया कि मिल में पेपर जैसी चीज है, जो जलकर राख हो गई. घटना में कोई हताहत नहीं हुआ केवल रॉ-मैटेरियल जला है. मशीन में लॉस नहीं हुआ है. एक शेड एक पूरा जल गया है. मैटेरियल जला है. वहां से वहां हटाना पड़ेगा. अंदर ही अंदर आग से लगी थोड़ी भी हवा चली तो ऊपर तक आगे जाएगी. इसीलिए हम लोग पूरा सामान निकाल कर बाहर फेंक रहे हैं. जिला प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे हैं. लगभग 15 से 17 टन कागज जला है. सभी मिलकर करीब दो से सवा करोड़ का माल जलकर खाक हो चुका है.

SDM पुष्पेंद्र शर्मा ने बताए की लगभग 1:30 बजे के आसपास सूचना प्राप्त हुई है. फायर ब्रिगेड से जल्दी आग बुझाने का प्रयास किया गया. कागज की आग है इसलिए उसको फैलाकर बुझाने का प्रयास किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि सक्षम प्राधिकारी जांच करेंगे की किस वजह से आग लगी है.

भाजपा सरकार बनाने जा रही है और पांच साल के भीतर एक राष्ट्र, एक चुनाव लागू किया जाएगा : राजनाथ सिंह

भटिंडा (एएनआई)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को पंजाब के भटिंडा में अपनी चुनावी रैली के दौरान एक राष्ट्र, एक चुनाव की वकालत की। राजनाथ सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार बनाने जा रही है और पांच साल के भीतर एक राष्ट्र, एक चुनाव लागू किया जाएगा। उन्होंने पंजाब में आम आदमी पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि विधानसभा और आम चुनाव एक साथ होने चाहिए। सिंह ने कहा, अन्य पार्टियों ने कई वादे किए लेकिन कभी पूरा नहीं किया। पंजाब सरकार कर्ज में डूबी है और मुख्यमंत्री दिल्ली दरबार में जाने में व्यस्त हैं। उन्होंने आप प्रमुख और दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए कहा कि पंजाब के अलावा दिल्ली में भी आप की सरकार है, जहां उसके नेता शराब घोटाले में जेल गए.

नेता में नैतिकता होनी चाहिए और हर नेता में यह नैतिक साहस होना चाहिए कि अगर उन पर कोई आरोप लगे तो आरोपों से मुक्त होने तक अपने पद से इस्तीफा दे दें। शराब घोटाले में जेल जाने के बाद भी केजरीवाल सीएम बने रहे। हमने सुना है घर से काम करना, लेकिन पहली बार जेल से काम देखना, उन्होंने कहा। राजनाथ सिंह ने सीएम आवास पर स्वाति मालीवाल पर हुए कथित हमले को लेकर भी केजरीवाल पर निशाना साधा, उन्होंने कहा, हर किसी की मां, बहन और बेटी होती है. चाहे वे किसी भी पार्टी से हों. केजरीवाल चुप क्यों हैं? क्या केजरीवाल को सीएम बने रहने का अधिकार है ?अगर केजरीवाल का ये हाल है तो सीएम पंजाब का क्या हाल होगा? सिंह ने आगे कहा कि वह एक किसान के बेटे हैं और किसानों को बेहतर जानते हैं और कहा कि किसानों के लिए बहुत कुछ किया जाना बाकी है।

लोकसभा निवार्चन-2024 : डाक मतपत्रों की गणना होगी संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों के रिटर्निंग अधिकारी के मुख्यालय जिलों में

डाक मतपत्रों की गिनती के लिए मतगणना केंद्रों में की जा रही हैं आवश्यक व्यवस्थाएं

रायपुर (विश्व परिवार)। लोकसभा आम निर्वाचन-2024 के अंतर्गत मतगणना 4 जून 2024 को की जाएगी। मतगणना के दौरान ईवीएम में दर्ज वोटों के साथ ही डाक मतपत्रों की भी गणना की जाएगी। डाक मतपत्रों की गणना 11 संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों के संबंधित रिटर्निंग अधिकारी के मुख्यालय जिलों में ही सम्पन्न होगी। इसके लिए सभी संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों में अन्य संबंधित जिलों से डाक मतपत्रों का परिवहन रिटर्निंग अधिकारी के मुख्यालय जिलों में पूर्ण कर लिया गया है।

छत्तीसगढ़ की मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले ने बताया कि प्रदेश में 25 मई की स्थिति में कुल 41 हजार 877 डाक मतपत्र प्राप्त हो चुके हैं। इनमें निर्वाचन ड्यूटी में तैनात कर्मचारियों-अधिकारियों के सुविधा केन्द्रों से अंतिम रूप से प्राप्त कुल 26 हजार 936 डाक मतपत्र, होम वोटिंग के अंतर्गत 85 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के मतदाताओं से प्राप्त कुल 2 हजार 761 और दिव्यांगजनों के कुल 1 हजार 453 डाक मतपत्र तथा अनिवार्य सेवा श्रेणी के 779 डाक मतपत्र भी शामिल हैं। इनके साथ ही सेवा मतदाताओं को जारी किए गए ईटीपीबी डाक के माध्यम से प्रत्येक दिवस प्राप्त हो रहे हैं और 25 मई की स्थिति में कुल 9 हजार 948 ईटीपीबी प्राप्त हो चुके हैं। डाक विभाग के माध्यम से ईटीपीबी की प्राप्ति मतगणना दिवस 4 जून को मतगणना प्रारम्भ होने के पूर्व तक की जाएगी। इस हेतु मतगणना स्थल में डाक विभाग के प्रतिनिधि द्वारा प्रात: 8 बजे के पूर्व तक प्राप्त सभी ईटीपीबी डिलीवर किए जाएँगे। मतगणना स्थल में प्रवेश के लिए डाक विभाग के प्रतिनिधि को आईडी कार्ड/पास जारी किया जाएगा।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती कंगाले ने बताया कि डाक मतपत्रों की गणना 11 रिटर्निंग अधिकारियों के मुख्यालय जिलों में 4 जून को प्रात: 8 बजे से प्रारम्भ हो जाएगी। इसके लिए आवश्यक व्यवस्था एवं तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। डाक मतपत्रों को जिला मुख्यालयों में ट्रेज़री स्थित स्ट्रांग-रूम में पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था के साथ रखा गया है। मतगणना दिवस को इन मतपेटियों का परिवहन प्रात: 6 बजे निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों/उनके प्रतिनिधियों की उपस्थिति में सम्पूर्ण सुरक्षा के साथ काउंटिंग सेण्टर में किया जाएगा। इन 11 जिलों में डाक मतपत्रों की मतगणना 8 बजे प्रारम्भ होने के आधे घंटे बाद अर्थात साढ़े 8 बजे से ईवीएम के मतों की गणना प्रारम्भ की जाएगी। इन 11 मुख्यालय जिलों को छोड़कर शेष 22 जिलों में 8 बजे से ही ईवीएम में दर्ज मतों की गणना प्रारम्भ कर दी जाएगी।

11 संसदीय क्षेत्रों के रिटर्निंग अधिकारियों के मुख्यालय जिलों में डाक मतपत्रों की गणना के लिए पृथक से काउंटिंग हॉल तैयार किए गए हैं, जिसमें एक टेबल में अधिकतम 500 डाक मतपत्रों की गणना की जाएगी। काउंटिंग हेतु प्रत्येक टेबल के लिए एक-एक अतिरिक्त सहायक रिटर्निंग अधिकारी भी अधिसूचित किए गए हैं। डाक मतपत्रों की गणना हेतु प्रत्येक टेबल में एक एएआरओ के साथ एक मतगणना पर्यवेक्षक, दो मतगणना सहायकों एवं एक माइक्रो आब्जर्वर की भी नियुक्ति की जाएगी। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार प्राप्त डाक मतपत्रों की जानकारी प्रत्येक दिवस सभी निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों को जिला स्तर पर प्रदान की जा रही है। लोकसभा आम निर्वाचन में प्रथम चरण के मतदान अंतर्गत बस्तर लोकसभा क्षेत्र में विभिन्न श्रेणी के मतदाताओं से कुल 3 हजार 264 डाक मतपत्र प्राप्त हुए हैं। वहीं द्वितीय चरण के मतदान अंतर्गत राजनांदगांव, महासमुंद और कांकेर लोकसभा क्षेत्रों से क्रमश: 1 हजार 568, 4 हजार 242 और 6 हजार 326 डाक मतपत्र अब तक प्राप्त हुए हैं। प्रदेश में तृतीय चरण में मतदान अंतर्गत सरगुजा लोकसभा क्षेत्र से 2 हजार 440 डाक मतपत्र, रायगढ़ से 3 हजार 585, जांजगीर-चांपा से 5 हजार 682, कोरबा से 2 हजार 789, बिलासपुर से 3 हजार 607, दुर्ग से 3 हजार 525 और रायपुर लोकसभा क्षेत्र से 4 हजार 849 डाक मतपत्र प्राप्त हुए हैं।

पंजाब में एक जून को छुट्टी का ऐलान, नहीं मिलेगी लाल परी

जालंधर (आरएनएस)। पंजाब में लोकसभा चुनाव को लेकर मतदान के दिन यानि एक जून को छुट्टी का ऐलान कर दिया गया है। इस दौरान सरकारी, गैर सरकारी दफ्तरों, बैंक, संस्थानों, फैक्ट्रियों और दुकानों में सशुल्क छुट्टी रहेगी।

चुनाव आयोग की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि पंजाब राज्य में लोकसभा चुनाव में लोग मतदान कर पाए, इसके चलते यह फैसला लिया गया। इस बार निर्वाचन आयोग ने मतदान का लक्ष्य 70 पार रखा है।

नहीं मिलेगी लाल परी

शराब ठेके मतदान से पहले ही 30 मई 2024 की शाम 6:00 बजे से 1 जून 2024 की शाम 6:00 बजे और 4 जून 2024 (पूरा दिन) मतगणना वाले दिन बंद रहेंगे। यह फैसला भी आयोग की तरफ से लिया गया है। इस दौरान होटलों, रेस्टोरेंट और पबों में भी शराब परोसी नहीं जाएगी। इस दौरान किसी भी होटल, रेस्तरां, क्लब, सामुदायिक केंद्र, सीएसडी कैंटीन, दुकानों या किसी भी सार्वजनिक स्थान पर भी शराब बेची नहीं जाएगी। शराब के भंडारण पर सख्ती से अंकुश लगाया जाएगा । बिना लाइसेंस वाले परिसरों में शराब के भंडारण पर प्रतिबंध को सख्ती से लागू किया जाएगा।

प्रदीप जैन (विश्व परिवार) पत्रकार भवन झांसी के नए अध्यक्ष चुने गए

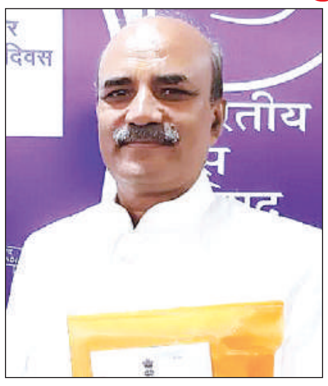

झाँसी (विश्व परिवार)। श्री गणेश शंकर विद्यार्थी पत्रकारिता उन्नयन समिति, झाँसी, जो कि 'पत्रकार भवन' की मातृ संस्था है, की साधारण सभा की बैठक आज 'पत्रकार भवन सभागार' में समिति के कार्यकारी अध्यक्ष श्री मोहन नेपाली की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में गत दिवस समिति के अध्यक्ष कीर्तिशेष श्री प्रवीण कुमार जी जैन के ब्रह्मलीन होने पर 'नये अध्यक्ष' को लेकर चर्चा हुई। जिस पर समिति के पदाधिकारियों, कार्यकारिणी सदस्यों व साधारण सभा के सदस्यों ने सर्वसम्मति के साथ सौहार्दपूर्ण वातावरण में एकमत होकर दैनिक विश्व परिवार के एडीटर एण्ड चीफ एवं प्रेस काउंसिल ऑफ इण्डिया के पूर्व सदस्य श्री प्रदीप कुमार जी जैन को 'पत्रकार भवन' समिति झांसी का 'अध्यक्ष' चुना। तदुपरान्त उपस्थित सभी पत्रकार साथियों ने उनका फूल-मालाओं के साथ स्वागत किया।

अध्यक्ष का पदभार ग्रहण करने के बाद समिति के नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री प्रदीप कुमार जी जैन ने सर्वप्रथम अपने पत्रकार साथियों के साथ सभागार में स्थापित अमर शहीद श्री गणेश शंकर विद्यार्थी जी एवं पत्रकार भवन के संस्थापक अध्यक्ष कीर्तिशेष श्री कैलाश चन्द्र जी जैन के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुये हुये कहा कि पत्रकार भवन समिति आने वाले समय में पत्रकारिता के उन्नयन सहित मीडिया से जुड़े हर तबके के लिए नि:स्वार्थ भाव से कार्य करेगी और यह कार्य सिर्फ झांसी तक सीमित नहीं होगा वरन् राष्ट्रीय स्तर पर होगा। सभी मीडिया संस्थान एवं उससे जुड़े पत्रकारों फिर चाहें वह किसी भी प्रारूप के क्यों न हों, उनके अधिकारों को सुनिश्चित करने का हर संभव प्रयास करेगी, साथ ही समिति राष्ट्रीय स्तर पर संगठन का विस्तार एवं प्रत्येक वर्ष राष्ट्रीय अधिवेशन व कॉन्फ्रेंस भी आयोजित करेगी।

बैठक में इस अवसर पर सचिव रघुवीर शर्मा, कोषाध्यक्ष सुरेश चन्द्र तिवारी, कार्यवाहक उपाध्यक्ष एड. मदनलाल बबेले, कार्यकारिणी सदस्यगण अनंजय नेपाली, फारूख खान, मनमोहन मनु, साजिया खान, ओमप्रकाश दीक्षित, बसु जैन, राहुल नायक, अरूण द्विवेदी, राजकुमार अंजुम, प्रो. उदय त्रिपाठी, सुरेन्द्र श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

बैठक का संचालन महामंत्री पंकज सक्सेना ने किया। अंत में प्रवक्ता हरीकृष्ण चतुर्वेदी सभी का आभार व्यक्त किया।

केजरीवाल ने सपरिवार किया मतदान...

दिल्ली के मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती सुनीता केजरीवाल लोकसभा चुनाव के छठवें चरण में नई दिल्ली लोकसभा सीट के लिए अपना मतदान करने पहुंचे। **फोटो- कमलनयन नारंग**

एसईसीएल एवं एक्सएलआरआई के संयुक्त तत्वावधान में श्रम कानून पर प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

निदेशक (कार्मिक) बिरंची दास ने नॉलेज अपडेशन एवं अपस्किलिंग पर दिया जोर

6 दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान एक्सएलआरआई के प्रोफेसर डॉ. प्रमोद कुमार पाढ़ी ने कार्मिक अधिकारियों को सिखाए श्रम कानून एवं कार्मिक प्रबंधन के गुर

बिलासपुर (विश्व परिवार)। एसईसीएल एवं ज़ेवियर लेबर रिलेशन्स इंस्टीट्यूट (एक्सएलआरआई) जमशेदपुर के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 25 मई 2024 को एसईसीएल के इन्दिरा विहार स्थित मैनेजमेंट डेव्लपमेंट इंस्टीट्यूट (एमडीआई) में श्रम कानून विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस 6-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में ज़ेवियर लेबर रिलेशन्स इंस्टीट्यूट (XLRI) जमशेदपुर के जाने-माने प्रोफेसर एवं श्रम कानून विशेषज्ञ डॉ प्रमोद कुमार पाढ़ी श्रम कानून विशेषकर आगामी लेबर कोड एवं मानव संसाधन प्रबंधन से जुड़े विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया।

कार्यक्रम के समापन के अवसर पर अपने उद्बोधन में निदेशक (कार्मिक) श्री बिरंची दास ने कहा कि इस 6-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम से एसईसीएल में कार्मिक संवर्ग के अधिकारियों की श्रम कानून के उनके ज्ञान को मजबूती प्रदान की है और निश्चित रूप से इसके माध्यम से एसईसीएल में एक कुशल एचआर टीम तैयार करने में सफलता मिलेगी। उन्होने नॉलेज अपडेशन एवं अपस्किलिंग पर ज़ोर देते हुए कहा कि आज के बदलते कॉर्पोरेट परिवेश में एक कुशल एचआर मैनेजर को खुद की नॉलेज को हर समय अपडेट करते रहने कि आदत डालनी होगी और अपनेआप को निरंतर अपस्किल करने के प्रयास करने होंगे। तभी हम अपने कार्यस्थल को एक बेहतर वर्कप्लेस में बदल पाएंगे। एसईसीएल में अपनी तरह के इस पहले प्रशिक्षण कार्यक्रम में ज़ेवियर लेबर रिलेशन्स इंस्टीट्यूट (XLRI) जमशेदपुर के जाने-माने प्रोफेसर एवं श्रम कानून विशेषज्ञ डॉ प्रमोद कुमार पाढ़ी एवं उनकी टीम द्वारा प्रतिभागियों को श्रम कानून एवं प्रबंधन के गुर सिखाए गए। विभिन्न केस स्टडी एवं उदाहरण के माध्यम से उन्होने प्रतिभागियों को श्रम कानून एवं प्रावधानों के उचित कार्यान्वयन के बारे में बताया। प्रतिभागियों ने अपने उद्गार में कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से श्रम कानून की बारीकियों को सीखने बहुत मदद मिली है और आने वाले समय में वे कार्यस्थल पर और अधिक आत्मविश्वास के साथ श्रम एवं आद्योगिक संबंध के क्षेत्र में अपना योगदान दे पाएंगे। डॉ पाढ़ी के पास मानव संसाधन एवं श्रम कानून के विषय को पढ़ाने का लगभग 22 सालों से अधिक का अनुभव है एवं उनकी गिनती मानव-संसाधन विषय के जाने-माने विशेषज्ञों में होती है। डॉ पाढ़ी द्वारा इस विषय पर 8 पुस्तकें लिखी गयी हैं और उनके 25 से ज़्यादा आलेख विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं।

इस वर्कशॉप में एसईसीएल मुख्यालय एवं विभिन्न संचालन क्षेत्रों से कार्मिक संवर्ग के लगभग 30 अधिकारियों ने भाग लिया एवं सफलतापूर्वक प्रशिक्षण उपरांत सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिया गया।

ओपीडी पर्ची हेतु अब लाइन लगने की जरूरत नहीं, एप से कर सकते हैं रजिस्ट्रेशन

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। जिला अस्पताल में अब मरीजों को ओपीडी पर्ची के लिए लाइन लगाने की जरूरत नहीं है। मरीज या परिजन घर बैठे ही मोबाइल एप (आभा) के माध्यम से अपना रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं या इसके लिए इस एप के क्यूआर कोड का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा एक मोबाइल एप (आभा) तैयार किया है। इसका उपयोग कर मरीज या परिजन अपना रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। खास बात यह कि इस एप में मरीज का एक आभा कार्ड बनेगा जिममें यूजर्स को एक 14 डिजिट का कार्ड मिलेगा। इसमें मरीज के हेल्थ (डायग्नोस्टिक व दवाई) की पूरी जानकारी भी होगी। इससे कहीं पर भी किसी भी डॉक्टर द्वारा मरीज की पूरी हेल्थ हिस्ट्री जानने में कोई दिक्कत नहीं होगी। स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्रों के सुदृढ़ीकरण और आयुष्मान भारत डिजिटल हेल्थ मिशन के तहत इस एप के उपयोग के लिए जोर दिया जा रहा है। इसके तहत यूजर्स को स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं का लाभ दिया जाएगा। इसके तहत कोई भी व्यक्ति आभा कार्ड बनवा सकता है. इसमें पंजीयन के लिए मरीज या परिजन को एप या जिला अस्पताल या मेडिकल कॉलेज के एप का क्यूआर कोड का इस्तेमाल करना पड़ेगा।

आसान है इस एप का उपयोग करना : जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ.राजेश अवस्थी ने बताया कि आभा एप का उपयोग कोई भी स्मार्ट मोबाइल धारक कर सकता है। एप या क्यूआर कोड के माध्यम से रजिस्टर्ड ऑप्शन में जाकर अपना मोबाइल नंबर और आधार कार्ड नंबर दर्ज कर रजिस्टर्ड करें। इसके बाद ओटीपी सत्यापन होगा और उपयोगकर्ता को अपना नाम, लिंग, जन्म तिथि, मोबाइल नंबर व ईमेल का विवरण देना होगा। इस एप से संबंधित क्यूआर कोड जिला अस्पताल में चस्पा किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

मालवाहक गाड़ियों में सवारी परिवहन करने वाली गाड़ियों पर हुई कार्यवाही, 14 गाड़ियों के काटे 17600 रुपए के चालान

कोंडागांव (विश्व परिवार)। दुर्घटना की संभावना को रोकने के लिए क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (डीटीओ) अतुल असैय्या द्वारा मालवाहक वाहनों में सवारियों के परिवहन हेतु लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसके तहत क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी एवं यातायात विभाग द्वारा शनिवार को कार्यवाही की गई। जिसके तहत मालवाहक वाहनों को रोक कर उनकी जाँच की गई। जांच में 14 मालवाहक गाड़ियों में सवारियों के परिवहन करते पाये जाने पर उनपर 17600 रुपये का चालान करने की कार्यवाही की गई। इसके साथ ही गाड़ियों के अन्य दस्तावेजों एवं वाहन के फिटनेस की जांच करते हुए गाड़ी मालिकों को समझाइश दी गयी और सभी से अपील की गई है कि वाहनों में लोगों की सुरक्षा हेतु लोगों की ओवरलोडिंग ना करें तथा केवल सवारी वाहनों में ही यात्रियों का परिवहन करें। इस संबंध में क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी ने बताया कि दुर्घटनाओं से लोगों को बचाने के लिए वाहनों की फिटनेस जांच के साथ मालवाहक वाहनों में सवारी परिवहन की जांच हेतु अभियान लगातार चलाते हुए नियमों का उल्लंघन करने वालों पर चालानी कार्यवाही की जा रही है।

आम रास्ते में खुला चैंबर छोड़ दिए गए हैं जो दुर्घटनाओं को आमंत्रण दे रहा

नवापारा राजिम (विश्व परिवार)। नगर पालिका द्वारा नगर के कई स्थानों में खुले चैंबर यूं छोड़ दिए गए हैं। यह पालिका प्रशासन की लापरवाही को उजागर करता है। नगर के श्री सत्यनारायण मंदिर के पास वार्ड क्रमांक 14 में आम रास्ते में खुला चैंबर दुर्घटना को आमंत्रण दे रहा है। वार्ड के नालियों की सफाई के लिए कि चैंबर को तोड़ा गया था उसके बाद फिर से उसे नहीं लगाया गया। चेंबर के खुले होने की वजह से कभी भी गंभीर दुर्घटना घट सकती है ? ठीक इसी तरह लटर्रा पारा सिंहवाहिनी देवी दुर्गा मंदिर के पास वार्ड नं 14 में ही चेंबर विगत दिनों से खुला छोड़ दिया गया है। नगर के सबसे व्यस्ततम मार्ग गंज रोड में कर्मा मंदिर के सामने बड़ा सा चैंबर विगत 3 महीने से खुला हुआ है जो की कभी भी गंभीर दुर्घटना को अंजाम दे सकता है। आसपास के लोग बताते हैं कि कई बार यहां पर हादसे हो चुके हैं लोग चोटिल भी हो चुके हैं। जिसकी शिकायत लोगों ने पालिका में कई बार कर चुके है। लेकिन पालिका प्रशासन के कानों में जूं तक नहीं रेंगी। लगता है पालिका प्रशासन को किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार है।

खरीफ हेतु बीज-खाद का किसान शीघ्र करें उठाव

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। कलेक्टर के एल चौहान के द्वारा आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में कृषि एवं समवर्गीय विभागों की विभागीय योजनाओं की प्रगति एवं खरीफ 2024 के प्रस्तावित कार्यक्रम के संबंध में विस्तृत समीक्षा की है। जिसमें कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मछलीपालन, खाद्य विभाग, जिला विपणन अधिकारी, उप पंजीयक सहकारी समिति, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक एवं बीज निगम के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित हुए। सभी अधिकारियों को विभागाध्यक्ष के द्वारा खरीफ 2024 हेतु दिये गये लक्ष्य के अनुरूप पूर्ति करने हेतु निर्देशित किया गया। वर्तमान में सहकारी समितियों में विपणन संघ के द्वारा खाद का एवं बीज निगम के द्वारा धान एवं अन्य फसलों के बीजों का भण्डारण सहकारी समितियों में किया जा रहा है। खरीफ वर्ष 2024 हेतु खाद मांग यूरिया 23580 मे.टन, डी.ए.पी. 11700 मे.टन, पोटाश 1500 मे.टन, सिंगल सुपर फास्फेट 5040 मे.टन एवं एन.पी.के. 2640 मे.टन कुल 44460 मे.टन के विरूद्ध वर्तमान में यूरिया 9689 मे.टन, डी.ए.पी. 6901 मे.टन, पोटाश 2228 मे.टन, सिंगल सुपर फास्फेट 1736 मे.टन तथा एन.पी. के. 1039 मे.टन कुल 20593 मेट्रिक टन खाद भण्डारित है। इसी प्रकार जिले का कुल बीज मांग 38137 क्विं. के विरूद्ध सहकारी समितियों में धान स्वर्णा 9082 क्विं., महामाया 1860 क्विं. तथा विक्रम टी.सी.आर 240 किंच. कुल 11182 क्विटल बीज भण्डारित है। कलेक्टर श्री चौहान द्वारा नोडल अधिकारी जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. बलौदाबाजार को समितियों में भण्डारित खाद एवं बीज को कृषकों को तत्काल वितरण के निर्देश दिये गये हैं। साथ ही जिला विपणन अधिकारी को सभी सहकारी समितियों में कृषकों के मांग अनुरूप खाद की आपूर्ति सुनिश्चित करनें के निर्देश दिये गये हैं। इसी प्रकार प्रक्रिया प्रभारी बीज निगम को तत्काल किसानों के मांग अनुरूप गुणवत्ता पूर्ण बीजों के भण्डारण के निर्देश दिये गये। उप संचालक कृषि जिला बलौदाबाजार-भाटापारा को निर्देशित किया गया है कि सभी मैदानी अधिकारियों की ड्यूटी खाद एवं बीज वितरण में लगायी जाए। निरीक्षकों के माध्यम से सहकारी समितियों में भण्डारित खाद एवं बीज के नमूने लिया जाकर तत्काल प्रयोगशाला को परीक्षण हेतु प्रेषित किया जावे। प्रयोगशाला में अमानक खाद एवं बीज की स्थिति में नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये हैं।कलेक्टर श्री चौहान ने जिले के अभी किसान बंधुओं से अपील की है कि आगामी खरीफ फसल हेतु खाद एवं बीज का सहकारी समितियों के माध्यम से तत्काल उठाव करें। ताकि किसान बन्धु समय पर नर्सरी एवं बुवाई का कार्य प्रारंभ कर अधिक से अधिक उत्पादन प्राप्त करें।

कांग्रेस जिन्हें निर्दोष बता रही उन पर कांग्रेस शासन काल से ही मामले दर्ज : उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा

मैं कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज से अनुरोध करता हूं कि नक्सल उन्मूलन के लिए वह आगे बढ़कर बताएं कि और क्या करना है : विजय शर्मा

रायपुर (विश्व परिवार)। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि आज बस्तर नक्सल उन्मूलन की दिशा में बहुत आगे बढ़ चुका है। बस्तर से लगातार फीडबैक आ रहे हैं। लोग चाह रहे हैं कि उन्हें नक्सलवाद पूरा समाप्त चाहिए। लोग बिना डर एवं भय के शांति से रहना चाहते हैं। इस पर सभी को राजनीतिक मतभेदों के बावजूद पूर्ण सहयोग करना चाहिए। बैज के इस कथन कि बस्तर को मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री नहीं समझे हैं। श्री शर्मा ने बस्तर की शांति के लिए बैज से आग्रह किया है कि नक्सली उन्मूलन के लिए वह ही आगे आएँ और आगे आकर बस्तर में शांति के लिए मार्ग सुझाएँ।

उन्होंने तथ्यों के साथ बताया कि कहा कि कांग्रेस मुठभेड़ में मारे गए जिन नक्सलियों को निर्दोष बता रहे हैं, उनके विरुद्ध कांग्रेस के शासनकाल में ही 302, 307, यूएपीए जैसे मामले दर्ज हैं। श्री शर्मा ने कहा कि दीपक बैज को पहले तथ्यों की परख कर लेनी चाहिए, उसके बाद बोलना चाहिए। श्री शर्मा ने जानकारी साझा करते हुए बताया कि जिन्हें कांग्रेस निर्दोष बता रही है, उन सभी के विरुद्ध साल 2022, 2021 से ही आपराधिक मामले दर्ज हैं। लकी कुंजाम पर 2022 में 302 का मामला दर्ज है, 2023 में 307 के प्रकरण था, दीपक बैज जी वहाँ के सांसद थे, उनकी ही सरकार थी। श्री शर्मा ने आगे कहा कि ओरछा छोटू के विरुद्ध 2022 में 307 का मामला दर्ज है, कांग्रेस के सरकार में मामला दर्ज हुआ था। चैतू कुंजाम पर 2021 में 307 का मामला है, 2023 में फिर 307 लगा, 2024 जनवरी में 302, इस प्रकार 7 प्रकरण उनके खिलाफ हैं। सन्नो अवलम पर 2022 में 302 सहित कुल 6 प्रकरण हैं। सुनीता कुंजाम के विरुद्ध साल 2022 में 302, साल 2023 में 307 सहित 6 प्रकरण दर्ज हैं। योगा बरसे के खिलाफ 2022 में अपहरण का प्रकरण दर्ज है। ऐसे बहुत सारे विषय हैं उन तथ्यों की जांच होनी चाहिए। श्री शर्मा ने कहा कि कांग्रेस ने अपने पिछले 5 वर्षों में न तो 257 सड़क निर्माण का कार्य किया, न 80 पुल-पुलियों का निर्माण किया, न ही कहीं पर कैम्प लगाए। आज जब भाजपा की सरकार यह सब कर रही है तो यह उनको रास नहीं आ रहा है।उन्हें सुरक्षा बलों का मनोबल नहीं गिरना चाहिए। श्री शर्मा ने कहा कि अब बस्तर में सुरक्षा बल विकास के लिए काम कर रहे हैं और इस तरह की राजनीति करना गलत बात है। श्री शर्मा ने कहा भाजपा की सरकार बनने के बाद अभी कुछ महीनो में ही सेना के वीर जवानों ने 123 से अधिक नक्सलियों को मार गिराया है। इस दौरान 407 से अधिक नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है और 404 नक्सलियों ने आत्म समर्पण भी किया है। जितने लोग गिरफ्तार हुए हैं लगभग उतने ही लोग आत्म समर्पण किए हैं।

अमलेश्वर में 2 जून तक पंडित प्रदीप मिश्रा सुनाएंगे शिवपुराण कथा

दुर्ग/रायपुर (आरएनएस)। दुर्ग। मशहूर कथावाचक सिहोर वाले पंडित प्रदीप मिश्रा इन दिनों छत्तीसगढ़ में हैं। दुर्ग के अमलेश्वर में शिवपुराण कथा का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम स्थल पर तैयारियों लगभग पूरी हो चुकी है। गर्मी को देखते हुए श्रद्धालुओं के पीने के लिए पानी कई जगहों पर शावर सिस्टम भी लगाए जा रहे है। कार्यक्रम स्थल पंडाल को अंतिम रूप दिया जा रहा है। श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य को देखते हुये डॉक्टरों की टीम भी सभा स्थल में मौजूद रहेगी। 26 मई से 2 जून तक अमलेश्वर जिला दुर्ग में पंडित प्रदीप मिश्रा का शिव महापुराण कथा आयोजन होना है। कथा स्थल थाना अमलेश्वर के सामने मुख्य मार्ग से लगा हुआ है। इसे देखते हुए दुर्ग पुलिस ने ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है।

सामान्य दिनों में इस मार्ग मे यातायात सामान्य रहता है, लेकिन शिव महापुराण कथा के दौरान लाखों की भीड़ को देखते हुये यातायात पुलिस दुर्ग द्वारा श्रद्धालुओं के सुगमता व सुरक्षित यातायात व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए दुर्ग, भिलाई, रायपुर शहर की ओर से कथा स्थल तक आने-जाने के लिए निम्नानुसार मार्ग, पार्किंग एवं डायवर्शन प्लान तैयार किया गया है।

PUBLIC NOTICE

NOTICE U/S 72 OF THE INDIAN PARTNERSHIP ACT 1932

Partner late Shri Manohar Chandji Chopda of the firm M/s Balchand Ramlal Chopda has been demised on 30.7.2021. The shares of the said partner will be transferred to Smt. Kamla Devi Chopda.

The Remaining partners will carry out the firm on same terms as earlier.

For, M/s Balchand Ramlal Chopda
PARTNER

अग्रसेन चौक में छाया अंधेरा, असामाजिक तत्वों का लगा डेरा

नवापारा राजिम (विश्व परिवार)। नगर के नेहरू गार्डन के पास स्थित सामुदायिक भवन के बाजू में अग्रसेन चौक इन दोनों अंधेरे में डूबा हुआ है। विगत दो तीन माह से चौक पर अंधेरा कायम है। अंधेरा होने की वजह से असामाजिक तत्वों का डर हमेशा बना रहता है। यह चौक सुनसान रहता है। पास में नेहरू गार्डन है जहां पर लोग आते जाते रहते हैं। आश्चर्य वाली बात यह है कि इधर से हजारों लोग प्रतिदिन गुजरते हैं वहीं किसी की भी नजर बंद पड़े लाइट की ओर नहीं गई। वार्ड वासियों ने पालिका प्रशासन से निवेदन किया है की यहां पर शीघ्र ही लाइट लगाई जाए। जिससे इधर से होकर गुजरे वाले लोगों को परेशानियों का सामना ना करना पड़े।

// आम सूचना //

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंदिर हसौद, तहसील- मंदिर हसौद, जिला- रायपुर

जारी दिनांक 24/05/2024

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक **श्री विजय कुमार सक्सेना** पिता/पति **सुरेन्द्र कुमार** निवासी **गोढ़ी** छ.ग. द्वारा आवेदित ग्राम **गोढ़ी** पटवारी हल्का नम्बर **16** राजस्व निरीक्षक मंडल- मंदिर हसौद स्थित भूमि जिसका खसरा नं. **1151/2** रकबा **0.1050 हेक्टेयर** का बटांकन न्यायालय तहसीलदार मंदिर हसौद के आदेश दिनांक **03.05.2024** के परिपालन में दिनांक **14.06.2024** को समय **01 बजे** पश्चात् मेरे/गठित दल द्वारा किया जाना नियत है।

अतः उक्त **बटांकन** में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह उक्त तिथि में **पटवारी हल्का नम्बर 16** के **गोढ़ी** में स्थित कार्यालय या राजस्व निरीक्षक कार्यालय मन्दिर हसौद में दस्तावेज सहित स्वयं अथवा वेध अभिभासक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् मेरे द्वारा किसी प्रकार की दावा/आपत्ति पर विचार किया जाना सम्भव नहीं है।

**राजस्व निरीक्षक
मंदिर हसौद**

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./11671/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2024
रायपुर, दिनांक 24-05-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 11671
वार्ड का नाम- 57 - पं. भगवतीचरण शुक्ल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **57** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR448C00067** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MO. GOUS ANWAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. MO. IBRAHIM** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **अब्दुल सलाम रिज़वी** पिता/पति, श्री/श्रीमती **अब्दुल हमीद** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, टैक्स रसीद, हिब्बानामा, परिचय पत्र व अन्य दस्तावेज**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (4)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./11677/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2024
रायपुर, दिनांक 24-05-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 11677
वार्ड का नाम- 46 - मौलाना अब्दूल रऊफ वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **46** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR440D00178** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MOHAMMED JAVED RAZA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE MOHAMMED JABIR RAZA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **सलमा सोलंकी** पिता/पति, श्री/श्रीमती **मेहबूब सोलंकी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (4)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./11676/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2024
रायपुर, दिनांक 24-05-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 11676
वार्ड का नाम- 46 - मौलाना अब्दूल रऊफ वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **46** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR440N00145** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **NANDLAL JASWANI S/O NEMAN DAS, KAMESH S/O RAVAL DAS** पिता/पति, श्री/श्रीमती **N/A** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **नंदलाल जसवानी** पिता/पति, श्री/श्रीमती **नेभन दास जसवानी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक त्याग विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (4)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./11673/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2024
रायपुर, दिनांक 24-05-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 11673
वार्ड का नाम- 46 - मौलाना अब्दूल रऊफ वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **46** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR440D00178** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MOHAMMED JAVED RAZA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE MOHAMMED JABIR RAZA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **शहनाज़ बानो** पिता/पति, श्री/श्रीमती **मोहम्मद युसूफ** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (4)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./11678/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2024
रायपुर, दिनांक 24-05-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 11678
वार्ड का नाम- 46 - मौलाना अब्दूल रऊफ वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **46** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR757A00127** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **RUKHMANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SUNDARLAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **कमला बुन्देल** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. सुंदरलाल बुन्देल** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, टैक्स रसीद, मृत्यु प्रमाण पत्र, पट्टा, सहमति पत्र, परिचय पत्र व अन्य दस्तावेज**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (4)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.), फोन नं.- 0771-4903223
Email Id: eocghbzone02@gmail.com

आम-सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि सामान्य आवास योजनांतर्गत कॉलोनी, **दोंदेखुर्द** में स्थित सीनियर **एल.आई.जी. भवन क्रमांक-623 श्रीमती सनिया यजदानी पति श्री सुहैल यजदानी** को इस कार्यालय के आबंटन आदेश क्रमांक **2922** दिनांक **30.07.2010** के माध्यम से स्ववित्तीय आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा उक्त भवन का पूर्ण मूल्य जमा कर दिनांक **13.09.2010** को लीजडीड पंजीकृत उपरांत आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया गया है।

वर्तमान में **श्रीमती सनिया यजदानी पति श्री सुहैल यजदानी** निवासी- ब्लॉक नं.- सी-309, अशोक इम्प्रेशन, मोवा, रायपुर (छ.ग.) के द्वारा आवेदन पत्र, विक्रय इकरारनामा, बैंक अनापत्ति प्रमाण पत्र तथा अन्य दस्तावेज प्रस्तुत कर आबंटी द्वारा उक्त भवन को **क्रेता श्री चन्दन पिता श्री रामनक्षत्र** निवासी- कथौडा, बलिया, जिला- कथौड (उ.प्र.) को विक्रय करने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र **(एन.ओ.सी.)** प्राप्त करने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त भवन के विक्रय के संबंध में किसी व्यक्ति, शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के **15 दिवस** के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

**सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, रायपुर (छ.ग.)**

निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशानुसार प्रक्रिया का पालन करते हुए होगी मतगणना : कलेक्टर

अनावश्यक विवाद की स्थिति निर्मित करने वालों पर होगी सख्त कार्यवाही

मतगणना की प्रक्रिया और सावधानियों की दी गई जानकारी

कोरबा(विश्व परिवार)। लोकसभा निर्वाचन 2024 के तहत कोरबा संसदीय क्षेत्र के लिए 04 जून को जिला मुख्यालय के आईटी कॉलेज में मतगणना होगी। जिले में मतगणना के लिए सभी आवश्यक तैयारियां प्रारंभ हो गई है। इसी कड़ी में यहां कलेक्टोरेट सभाकक्ष में कोरबा जिले की चार विधानसभा और गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के मरवाही विधानसभा, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के भरतपुर-सोनहत, मनेन्द्रगढ़ विधानसभा तथा कोरिया जिले के बैकुंठपुर विधानसभा के सहायक रिटर्निंग ऑफिसर, रिटर्निंग, उप जिला निर्वाचन अधिकारी और जिलों के मास्टर ट्रेनर्स को मतगणना की बारिकियों से रू-ब-रू कराने प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इस दौरान कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अजीत वसंत ने कहा कि मतगणना के दौरान निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों का पालन करते हुए पारदर्शिता से मतगणना कराना है। मतगणना प्रारंभ होने से लेकर संपूर्ण रूप से समाप्ति तक मतगणना कक्ष में गंभीरता और सावधानी बरतनी है। मतगणना स्थल पर अनावश्यक विवाद उत्पन्न करने वालों पर तत्काल कार्यवाही करते हुए मतगणना सुचारू रूप से संपन्न कराना है। उन्होंने प्रशिक्षण में शामिल सभी अधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए प्रशिक्षण को गंभीरता से लेने तथा अपनी शंकाओं को मास्टर ट्रेनर्स के माध्यम से समाधान करने निर्देशित किया। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ श्री संबित मिश्रा भी उपस्थित थे। प्रशिक्षण में नेशनल लेबल मास्टर ट्रेनर श्री पुलक भट्टाचार्य और श्री श्रीकांत वर्मा, जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर डॉ.एम.एम.जोशी और प्रोग्रामर श्री शीतल अग्रवाल ने मतगणना के दौरान इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन, वीवीपैट से वोटो की गिनती, सारणीकरण व उसकी डाटा एन्ट्री, मतगणना के लिए प्रशासनिक व सुरक्षा व्यवस्था, गणनाकर्मी और गणना अभिकर्ता की नियुक्ति, डाक मतपत्रों की गणना, प्रमुख वैधानिक प्रावधान, मतगणना केन्द्रों में आधारभूत संरचना की व्यवस्था, परिणामों की घोषणा और अनुगामी कार्यवाही तथा मतगणना पूरी होने के बाद ईवीएम और निर्वाचन सामग्रियों को सील करने के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान की। मास्टर ट्रेनर्स ने बताया कि मतगणना केन्द्र में मतगणना कार्य में नियुक्त गणना सुपरवाईजर एवं गणना सहायक, आयोग द्वारा अधिकृत व्यक्ति, निर्वाचन ड्यूटी में लगाए गए सरकारी अधिकारी-कर्मचारी, अभ्यर्थी, उनके मतदान अभिकर्ता एवं गणना अभिकर्ता जारी प्रवेश पत्र के साथ ही प्रवेश कर सकेंगे।

मतगणना कार्य में संलग्न अधिकारियों को मतगणना प्रक्रिया के संबंध में दिया गया प्रशिक्षण

जिला निर्वाचन अधिकारी ने पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित मतगणना हेतु दिए आवश्यक निर्देश

महासमुंद(विश्व परिवार)। लोकसभा आम निर्वाचन-2024 अंतर्गत महासमुंद लोकसभा क्षेत्रांतर्गत द्वितीय चरण में गत 26 अप्रैल को मतदान सम्पन्न हुआ। इसके तहत प्राप्त मतों की गणना आगामी 04 जून को सम्पन्न होगी। मतगणना कार्य के लिए कलेक्टर, जिला निर्वाचन अधिकारी एवं रिटर्निंग ऑफिसर श्री प्रभात मलिक की उपस्थिति में आज महासमुंद, गरियाबंद और धमतरी जिले के सहायक रिटर्निंग अधिकारियों, उप जिला निर्वाचन अधिकारियों एवं ईव्हीएम के नोडल अधिकारियों सहित डाक मतपत्र/ईटीपीबीएस के नोडल अधिकारी व संबंधित अधिकारियों को निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय रायपुर से आए राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स के द्वारा प्रशिक्षण और हेंड्स ऑन प्रशिक्षण दिया गया। महासमुंद लोकसभा क्षेत्र के लिए आज जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा मतगणना कार्य से संबंधित विभिन्न पहलुओं और भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कलेक्टर श्री मलिक ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि मतगणना का कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य है। इस कार्य को पूरी जिम्मेदारी के साथ करें। मतगणना कार्य के संबंध में कोई परेशानी हो तो उसे मतगणना दिवस के पूर्व ही उसका समाधान कर लें, ताकि मतगणना के दिन किसी भी प्रकार की दिक्कत न हो। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि गणना एजेंटों की नियुक्ति 31 मई तक कर लें। इसके लिए सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को नियुक्ति के संबंध में आयोग के नियम व निर्देशों की जानकारी दें। उन्होंने मतगणना कार्य में लगे सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए विधानसभावार अलग-अलग आईडी जारी करने के निर्देश दिए, जिससे पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित ढंग से मतगणना कार्य संपन्न हो सके। प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रशिक्षकों द्वारा स्ट्रांग रूम खोलने से लेकर मतगणना के बाद परिणाम घोषित होने तक की संपूर्ण प्रक्रिया के बारे में पॉवर प्वाइंट प्रस्तुतिकरण दी गई।

स्कूली बच्चों के लिए शुरू हुए जिला स्तरीय समर कैंप पंख में बच्चे सीख रहे विभिन्न विधाएं

पंडित सुंदर लाल शर्मा ओपन यूनिवर्सिटी के कुलपति बच्चों से हुए रूबरू

बिलासपुर(विश्व परिवार)। जिला प्रशासन बिलासपुर द्वारा छात्रों के लिए आयोजित समर कैंप में आज पंडित सुंदरलाल शर्मा ओपन यूनिवर्सिटी के कुलपति श्री वंश गोपाल सिंह ने छात्रों से संवाद किया। जिला स्तरीय समर कैंप ' पंख ' में आज पंडित सुंदरलाल शर्मा ओपन यूनिवर्सिटी के कुलपति श्री वंश गोपाल सिंह ने बच्चों से संवाद किया और प्रेरक संदेश दिए। सिंह ने बच्चों से कहा कि जीवन के संघर्ष आपको आगे बढ़ने और आत्मविश्वास बढ़ाने में मदद करते हैं,श्री सिंह ने बच्चों से कहा कि वे अपने माता पिता और गुरुओं का सम्मान करें,दूसरों को सम्मान देकर हम अपने लिए भी सम्मान अर्जित करते हैं। समर कैंप में आज इंग्लिश स्पीकिंग कोर्स का प्रशिक्षण श्री मनोज सनाढ्य,कबाड़ से जुगाड़ मनोज वैद्य, ओरेगामी का प्रशिक्षण श्रीमती उषा चंद्रा,श्वेता तिवारी ,निशा अवस्थी मिड ब्रेन एक्टिविटी सुश्री विधि तिवारी हिंदी लेखन डॉ.रश्मि द्विवेदी, सहज योग ओनालाईप्रशिक्षक द्वारा बच्चों को प्रशिक्षित किया गया। शाम के सत्र में डॉ. रश्मि द्विवेदी काउंसर डीपीएस स्कूल बिलासपुर द्वारा बच्चों को हिन्दी लेखन के विषय में व रंगोली, पेंटिंग, स्केचिंग का प्रशिक्षण दिव्या कश्यप द्वारा व बॉलीवुड डांस प्रशिक्षण श्री अंशुमान द्वारा दिया गया। बच्चों द्वारा सांस्कृतिक संध्या में नृत्य और संगीत में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया गया। कैंप में जिला शिक्षा अधिकारी श्री टीआर साहू, सहायक संचालक पी दासरथी, श्री अनिल तिवारी, सहित विभिन्न स्कूलों के प्राचार्य और शिक्षक-शिक्षकाएं मौजूद रहे।

दादरखुर्द मैगजीन भांठा में अवैध रूप से निर्मित चार मकान को निगम ने ढहाए

कोरबा(विश्व परिवार)। कलेक्टर के निर्देश पर शहर की बेशकीमती सरकारी जमीनों पर हुए अवैध निर्माण को तोड़ने का दौर शुरु कर दिया गया है। इसी कड़ी में निगम का तोड़ूदस्ता वार्ड नंबर 31 दादरखुर्द मैगजीन भांठा में पहुंचा जहां करीब पौन एकड़ में बने चार घरों को जेसीबी से तोड़ दिया गया। जिला प्रशासन को मिली शिकायत के बाद कलेक्टर ने पिछले दिनों अतिक्रमण को हटाने के निर्देश दिए थे, जिसके बाद निगम के अमले ने यह कार्रवाई की। इससे पहले भी निगम की टीम ने इसी क्षेत्र में तीन अवैध निर्माण को तोड़ने की कार्रवाई की थी। निगम के अधिकारियों ने बताया कि बेजा कब्जाधारियों को अतिक्रमण हटाने का नोटिस दिया था लेकिन उनके द्वारा ध्यान नहीं दिया गया जिसके बाद यह कार्रवाई की गई। नगर निगम तोड़ूदस्ता प्रभारी योगेश राठौर ने बताया कि उच्च अधिकारियों के निर्देश पर दादर स्थित मैगजीन भाटा में सरकारी जमीन पर कुछ लोगों ने अवैध कब्जा कर रखा था, जहां बाउंड्रीवाल और मकान निर्माण करने के बाद फरार हो गए जिनकी पतासाजी काफी की गई अवैध कब्जाधारी सामने नहीं आए।नोटिस चस्पा कर उन्हें समय दिया गया था, कल ढहाने की कार्रवाई की गई। स्थानीय लोगों की माने तो जमीन दलाल सरकारी जमीनों पर कब्जा कर प्लाट बना कर बेच रहे हैं।

कोरबा पुलिस ने मालवाहक गाड़ियों में सवारी बैठाने पर लगाया चार्ज

कुल 24 मालवाहक वाहनों पर सवारी बैठाने पर कटा चालानी कार्यवाही कुल 55200/- समन शुल्क जमा

कोरबा(विश्व परिवार)। पुलिस अधीक्षक कोरबा श्री सिद्धार्थ तिवारी के निर्देश पर विशेष अभियान चलाकर थाना/चौकी के मुख्य मार्ग, चौक चौराहों पर पेट्रोलिंग किया गया। इसी कड़ी में थाना चौकी एवं यातायात के द्वारा ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त से सख्त कार्यवाही करने का निर्देश दिया गया जिस पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय श्री यूबीएस चौहान एवं नेहा वर्मा के पर्यवक्षण में जिले के सभी राजपत्रित अधिकारी थाना/चौकी एवं यातायात के द्वारा मालवाहक गाड़ियों में व्यक्तियों को बैठाकर परिवहन करने वालों पर सख्त कार्यवाही किया गया है। दिनांक 24.05.24 को कोरबा पुलिस के द्वारा कुल 24 मालवाहक गाड़ियों पर सवारी बैठाने पर चालानी कार्यवाही की गई और कुल 55200/- समन शुल्क वसूला गया। पुलिस के द्वारा ओवर स्पीड वाहन चलाने वाले, तीन सवारी एवं अन्य प्रकरणों में 63 चालानी कार्यवाही में कुल 24300/- समन शुल्क जमा साथ ही साथ पुलिस के द्वारा 185 की कार्यवाही भी किया गया। कोरबा पुलिस के अधिकारी एवं कर्मचारियों के द्वारा पेट्रोलिंग किया गया, पेट्रोलिंग के दौरान मुख्य चौक चौराहा एवं भीडभाड वाले इलाकों एवं बाजार में जाकर पैट्रोलिंग किया गया गलत तरीके से वाहन चलाने वाले एवं ओवर स्पीड वाहन चलने वाले पर पुलिस के द्वारा कार्यवाही किया गया। लगातार हो रहे एक्सीडेंट में कमी लाने के लिए यह विशेष अभियान को चलाया गया, अभियान के तहत वाहनों को चेक किया गया और उन्हें समझाया गया कि ओवर स्पीड वाहन ना चलाएं, ना ही शराब पीकर वाहन चलाऐ और ना ही अपने करीबियों को नशे की हालत में वाहन चलाने दे और मालवाहक वाहन में माल के अलावा किसी अन्य चीज का परिवहन ना करें।

कोल्डड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर किया बालात्कार

विडियो बनाकर किया ब्लैकमेल

कोरबा(विश्व परिवार)। एक युवती को कोल्ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर पिलाने तथा उसके साथ दुष्कर्म करने और उसे ब्लैकमेल करने का मामला सामने आया है। मामले में पीड़िता की शिकायत पर कटघोरा थाना पुलिस ने आरोपी युवक को जशपुर से गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार 24/05/2024 को बांकीमोंगरा निवासी पीड़िता ने कटघोरा थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराया कि एक दोस्त के साथ उसके घर पर आये युवक राहुल शर्मा से उसका परिचय हुआ था जिसके बाद दोनों की दोस्तीी हो गई। और एक दिन कटघोरा में राहुल शर्मा से मुलाकात के दौरान राहुल ने पीड़िता को कोल्ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर पिला दिया,जिससे उसे चक्कर आने लगा। जिसपर राहुल शर्मा ने मुझे घर छोड़ने की बात कहकर अपनी मोटर सायकल में ढेलवाडीह के जंगल मे ले गया और जबरदस्ती कर उसके साथ बलात्कार किया। राहुल शर्मा ने पीड़िता का अश्लील वीडियो व फ.ोटो अपने मोबाइल में बना लिया। जिसके बाद राहुल शर्मा द्वारा वीडियो व फ़ोटो को सोशल मीडिया में वायरल करने की धमकी देकर 2021 से 2024 तक रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, विसाखापट्टनम ले जाकर बलात्कार किया तथा पीड़िता से लगभग 3 लाख 75 हज़ार भी ले चुका है। इस दौरान पीड़िता के माता पिता के द्वारा बांकीमोंगरा में उसकी शादी तय कर दी गई। जिसके बाद राहुल शर्मा जो कि बांकीमोंगरा का ही निवासी के द्वारा लड़के को बुलाकर उसको लड़की का वीडियो व फ़ेटो दिखाकर शादी तुड़वा दिया और पीड़िता एवं उसके माता-पिता को जान से मारने की धमकी भी दी गई। पीड़िता की शिकायत पर कटघोरा पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए तत्काल पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी को इसकी जानकारी दी। जिसके बाद पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोरबा यूबीएस चौहान, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कटघोरा नेहा वर्मा व एसडीओपी पंकज ठाकुर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कटघोरा धर्म नारायण तिवारी ने टीम गठित कर आरोपी राहुल शर्मा की पतासाजी शुरू की और मुखबिर की सूचना पर आरोपी राहुल शर्मा की गिरफ्तारी ग्राम सुलेसा, थाना बगीचा जिला जशपुर से की गई।

बारूद फैक्ट्री में बॉयलर ब्लास्ट होने पर नौ की मौत

बेमेतरा(विश्व परिवार)। बेमेतरा जिला के भिभौंरी तहसील में ग्राम बोरसी में स्थित बारूद फैक्ट्री में भीषण हादसा हुआ हादसा सुबह 8:00 बजे हुआ जिसमें बारूद फैक्ट्री में लगा बॉयलर में ब्लास्ट हो गया और अभी तक 9/10 लोगों के मरने की खबर है, आसपास के कई मकानों में दरारें आ गयी है। अभी कितने आदमी की जान गई है यह पता नहीं लग पा रहा है, 20/25 लोगों के चार मंजिली इमारत के मलबे में दबे होने की बात बतायी जा रही है। एसपी कलेक्टर मौके पर पहुँच गया है राहत कार्य शुरू कर दिया गया है। घटना की जानकारी मिलने पर आसपास की ग्रामीण इलाकों में फैक्ट्री में ब्लॉस्ट होने की आवाज सुनकर लोगों में दहशत का माहौल देखा गया। विस्फोट इतना भयंकर था कि घटना स्थल पर कार्य कर मजदूरों का शरीरों के चिथड़े उड़ गए। सूचना मिलने पर पुलिस प्रशासन के आला अधिकारी घटना स्थल पर पहुंचे। जिला कलेक्टर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व द्वारा फैक्ट्री में ब्लॉस्ट होने की घटना पर फैक्ट्री मालिक संजय चौधरी के खिलाफ आईपीसी की संज्ञेय धाराओं में अपराध पंजीबद्ध करने का आदेश संबंधित क्षेत्र के थाना प्रभारी को तत्काल दिया गया।

संक्षिप्त समाचार

एनटीपीसी कोरबा के परियोजना प्रमुख का पद संभाला खन्ना ने

कोरबा(विश्व परिवार)। एनटीपीसी कोरबा के महाप्रबंधक राजीव खन्ना ने परियोजना प्रमुख के रूप में कोरबा सुपर थर्मल पावर स्टेशन का कार्यभार संभाला। खन्ना (मुख्य महाप्रबंधक) ने वर्ष 1988 में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से बीएससी इंजीनियरिंग (इलेक्ट्रिकल एवं टेलीकम्यूनिकेशन) की डिग्री प्राप्त करने के बाद, उसी साल में एनटीपीसी के साथ एक्जीक्यूटिव ट्रेनी के रूप में अपनी यात्रा शुरू की। उन्हें एनटीपीसी के साथ कार्य करने का 36 वर्षों से अधिक का अनुभव है। अपने सेवाकाल के दौरान उन्होंने दादरी- एनसीपीपी, सीसी-ईओसी, खरगोन, कनिहा, रायपुर, एन्नोर और बरौनी जैसी अन्य एनटीपीसी संयंत्रों में अपनी सेवाएं दी हैं। उन्होंने एनटीपीसी के कारपोरेट सेंटर और शेयर्ड सर्विस ग्रुप में भी काम किया है। उनके पास ईंधन प्रबंधन, प्रचालन, अनुरक्षण, सीएंडआई आदि बिजली संयंत्र के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने का अनुभव है। उन्होंने मैनेजमेंट की डिग्री भी प्राप्त किया है। खन्ना ने अपने व्यापक ज्ञान और अनुभव से कंपनी में योगदान दिया है। अब एनटीपीसी कोरबा के परियोजना प्रमुख के रूप में, उनका लक्ष्य कंपनी के आंतरिक और बाहरी हितधारकों की आशाओं और आकांक्षाओं को पूरे करने का उपलक्ष है। वर्तमान परियोजना प्रमुख सरित माहेश्वरी का चीफ एक्जीक्यूटिव आफिसर (सीईओ) के पद पर पदोन्नत होने के बाद ग्रीन प्रोजेक्ट नोएडा (दिल्ली) हो गया है।

युवती से छेड़छाड़ कर किया फोटो वायरल, बैंक मैनेजर समेत तीन गिरफ्तार

कोरबा(विश्व परिवार)। निहारिका क्षेत्र में संचालित एक निजी बैंक में काम करने वाली युवती के साथ छेड़छाड़ व फोटो वायरल करने का मामला सामने आया है। पीडिता का शिकायत पर पुलिस ने बैंक के दो ब्रांच मैनेजर समेत तीन को गिरफ्तार किया है। सिविल लाइन थाना रामपुर अंतर्गत यह घटना हुई। बताया जा रहा कि बैंक में काम करने वाली सहकर्मी ने बैंक मैनेजर सनी सिंह, इसी बैंक के दर्री ब्रांच के मैनेजर उमाकांत शर्मा व अमन विश्वकर्मा के विरूद्ध मामला दर्ज कराया। इस पर पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया।

कलेक्टर ने ली छात्रावास अधीक्षकों की बैठक

जांजगीर-चांपा(विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री आकाश छिकारा ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में छात्रावास अधीक्षकों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में कलेक्टर ने जिले में संचालित छात्रावास आश्रमों में सत्र प्रारंभ होने के पूर्व तैयारी करते हुए साफ- सफाई, स्टाफ पंजी का नियमानुसार संधारण करने , छात्र-छात्राओं के उपयोग हेतु प्रदत्त सामग्री को अनिवार्य रूप से विद्यार्थियों को दिया जाना सुनिश्चित करने सख्त निर्देश दिए । कलेक्टर ने अधीक्षक/अधीक्षिका को एक पालक की भूमिका में रहकर विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करते हुए छात्रावास संचालित करने के निर्देश दिए । उन्होंने सभी छात्रावास में मरम्मत कार्यों को चिन्हांकित कर जानकारी शीघ्र देने कहा।कलेक्टर ने छात्रावास अधीक्षकों को नियमित मानिटरिंग और छात्रावास का बेहतर तरीके से संचालन करने कहा । उन्होंने किसी प्रकार की अनियमितता या लापरवाही पाये जाने पर दण्डात्मक कार्यवाही करने के शख्त निर्देश दिए ।बैठक में अपर कलेक्टर एवं प्रभारी सहायक आयुक्त श्रीमती लवीना पांडेय , समस्त मंडल निरीक्षक व जिले के सभी अधीक्षक/अधीक्षिका उपस्थित रहे।

नाबालिक लड़की को भगाकर ले गया था युवक, पुलिस ने बिहार से किया बरामद

कोरबा(विश्व परिवार)। पिछले दिनो कोतवाली थाना क्षेत्र से एक नाबालिग लड़की के गायब होने तथा परिजनों द्वारा अज्ञात युवक के द्वारा भगाकर ले जाने के मामले में पुलिस ने लापता लड़की को ढूंढ निकाला तथा परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस ने लड़की को बिहार से बरामद किया है। मिली जानकारी के अनुसार वैष्णव मंदिर के पीछे सीतामणी कोरबा निवासी एक महिला ने कोतवाली थाने में रिर्पोट दर्ज कराया कि उसकी नाबालिग लड़की उम्र 17 वर्ष को कोई अज्ञात व्यक्ति बहला फुसला कर भगा कर ले गया है। प्रार्थीया की रिपोर्ट पर पुलिस ने धारा 363 भादवि पंजीबद्ध कर विवेचना कार्यवाही में लिया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक कोरबा सिद्धार्थ तिवारी के निर्देश अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यूबीएस चौहान, तथा डीएसपी प्रतीभा मरकाम, थाना प्रभारी एमबी पटले के मार्ग निर्देशन में नाबालिग लड़की की खोजबीन की जा र ही थी। इस दौरान पुलिस को पता चला कि लड़की को युवक बिहार ले गया है। जिस पर बिहार जाकर कोरबा पुलिस द्वारा अपहृत बालिका को बरामद किया गया।

संपादकीय

केपी.1 और केपी.2 से घबराहट का माहौल....

भारत में कोविड-19 के उपस्वरूप केपी.2 से 290 और केपी.1 से 34 लोगों के संक्रमित होने की पुष्टि होने के साथ ही आम जन में घबराहट का माहौल है। कोविड-19 के ये दोनों उपस्वरूप सिंगापुर में संक्रमण के मामले बढ़ने के लिए जिम्मेदार हैं, और इस संक्रमण से दुनिया भर के देश चिंतित हो गए हैं। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत काम करने वाली 'इंडियन सार्स-सीओवी-2 कंसोर्टियम ऑन जीनोमिक्स (आईएनएससीओजी) द्वारा संकलित आंकड़ों के मुताबिक, नये मामले सात राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से सामने आए हैं। हालांकि महामारी विशेषज्ञों ने कहा है कि घबराने या चिंतित होने की जरूरत नहीं है क्योंकि 'इस विषाणु के स्वरूप में तेजी से बदलाव होते रहेंगे और यह सार्स-सीओवी2 जैसे विषाणुओं का नैसर्गिक गुण है।' इन उपस्वरूपों से होने वाला संक्रमण उतना गंभीर श्रेणी का नहीं होगा कि अस्पताल में भर्ती होने की नौबत आ जाए या संक्रमित व्यक्ति गंभीर रूप से बीमार पड़ जाए। बहरहाल, कोविड-19 ने जिस तरह भारत में जनजीवन और कारोबार को पटरी से उतारा था, और काफी संख्या में लोगों को जान से हाथ धोना पड़ा है, उससे कोविड-19 के संक्रमण के दोबारा दस्तक देने भर से लोगों में सिहरन होने लगती है। कोविड-19 के संक्रमणकाल में देश का स्वास्थ्य ढांचा बुरी तरह नाकाम साबित हुआ था। लोग हलकान हो गए थे। अर्थव्यवस्था पटरी से उतरी तो काफी समय बाद सामान्य रफ्तार पकड़ सकी। प्रवासी कामगार पैदल ही अपने घर-गांव जाने के लिए सड़कों पर निकल पड़े थे। उन्हें रोकने के प्रयास किए गए तो कई जगह पुलिस के भी हाथ-पांव फूल गए थे, उन्हें अपने घर-गांव लौटने से रोकने में। दरअसल, मौत का इस कदर खौफ छा गया था कि लोग यह कहते सुने गए थे कि मरना ही है, तो अपने घर पर मरेंगे। स्वास्थ्य क्षेत्र में कार्यरत लोग भी दो हिस्सों में बंटे नजर आए। एक हिस्से में ऐसे सेवाभावी डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ था, जिन्होंने जान की परवाह न करते हुए संक्रमितों का उपचार किया तो दूसरा हिस्सा ऐसे लोग थे जिन्होंने उपचार के नाम पर लोगों को खुले हाथ लूटने का काम किया।

साइबर संसार में संवेदनहीन समाज

पवन दुग्गल

साइबर दुनिया में किसी को हद से अधिक कलंकित करके खुदकुशी के लिए मजबूर कर देना ट्रोलिंग का एक भयावह रूप है। दुर्भाग्य से तमिलनाडु की घटना इसी श्रेणी की है, जो हर संवेदनशील इंसान को झकझोर रही है। कोई मां जान-बूझकर अपने बच्चे का बुरा नहीं करती, लेकिन लोगों के ताने ने उस मां को इतना तोड़ दिया कि उसने खुद अपनी जान ले ली। इस ट्रोलिंग की शुरुआत अप्रैल के आखिरी हफ्ते में आए उस वीडियो से हुई, जिसमें पहली मंजिल पर लटके एक छोटे बच्चे को बचाने की सफल कोशिश होती दिख रही थी। बताया गया था कि चौथी मंजिल पर खड़ी मां के हाथों से वह बच्चा छिटककर नीचे गिर गया था। इस वीडियो के सामने आने के बाद से ही मां को सोशल मीडिया में लापरवाह बताया जाने लगा। अब खबर यह है कि लांछनों से तंग आकर उसने आत्महत्या कर ली। अब तक हम यही सोचते थे कि ट्रोलिंग पश्चिमी देशों में ही होती है और अगर अपने यहां होती भी है, तो नामचीन शख्सियतों की। मगर अब तो यह आम जनजीवन का हिस्सा बनती जा रही है। इसका कारण यही है कि भारत में 'द ग्रेट इंडियन वोमिटिंग रिवॉल्यूशन' (भारतीयों का वमन-क्रांति) चल रही है। अब लोग अपने विचार, डाटा, सोच और नजरिये की बिना यह सोचे इंटरनेट पर उल्टियां कर रहे हैं कि इसके कानूनी स्वरूप क्या होंगे? ट्रोलिंग भी एक तरह की उल्टी ही है, जिसमें सामने वाले व्यक्ति को बिना सोचे-समझे अपशब्द कहे जाते हैं। ऐसा करते हुए यह भी नहीं सोचा जाता कि व्यक्ति-विशेष के जीवन पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा? अब ट्रोलिंग इसलिए भी बढ़ गई है, क्योंकि लोगों को पता है कि वे अनीतिपूर्ण हमले करने के बावजूद कानूनी गिरफ्त से बच सकते हैं। ट्रोलिंग रोकने के लिए अब तक अपने यहां कोई तयशुदा कानून नहीं बन सका है। देश में सन् 2000 का

सूचना प्रौद्योगिकी कानून (आईटी ऐक्ट) जरूर है, लेकिन वह न तो 'ट्रोलिंग' शब्द को परिभाषित करता है और न इस संदर्भ में कोई कानूनी समाधान देता है। दुखद यह है कि भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) में भी इसका कोई जिक्र नहीं है। हां, 'स्टॉकिंग' यानी लड़कियां अथवा महिलाओं का गलत इरादे से पीछा करने जैसे अपराधों का जिक्र आईपीसी में जरूर है और कुछ परिस्थितियों में स्टॉकिंग को ट्रोलिंग भी कह सकते हैं, लेकिन ट्रोलिंग की ज्यादातर घटनाएं स्टॉकिंग नहीं कही जा सकतीं। ट्रोलिंग में ट्रोलर्स दरअसल लक्षित व्यक्ति को गाली देते हैं, उसे नीचा दिखाते हैं, उस पर लांछन लगाते हैं और अपने दैनिक जीवन में रम जाते हैं, जबकि स्टॉकिंग का चरित्र इससे अलग होता है। सूचना प्रौद्योगिकी कानून की सहायता से यदि ट्रोलिंग रोकने की कोशिश करें, तो धारा 67 कुछ हद तक हमारी मदद कर सकती है, क्योंकि जब किसी व्यक्ति को ट्रोल किया जाता है, तो इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से कुछ ऐसे शब्द या कंटेंट प्रसारित किए जाते हैं, जिनको पढ़ने, सुनने या देखने के बाद लक्षित व्यक्ति पर नकारात्मक असर पड़ता है। मगर यह धारा मूलतः इलेक्ट्रॉनिक रूप से अश्लील सामग्रियों के प्रकाशन और प्रासरण से जुड़ी है, इसलिए ज्यादातर मामलों में पुलिस ट्रोलिंग में इसके इस्तेमाल से बचती है। ट्रोलिंग से यदि मानहानि होती है, तो आईपीसी की धारा 499 और 500 का इस्तेमाल किया जा सकता है, लेकिन ये धाराएं भी इसलिए कारगर नहीं हो पातीं, क्योंकि ट्रोलिंग एक तरह से टिप्पणी है और मानहानि न होने पर ये धाराएं निष्प्रभावी हो जाती हैं। हालांकि, फर्जी अकाउंट से यदि ट्रोलिंग की जा रही है, तो जालसाजी और पहचान छिपाने के खिलाफ आईटी ऐक्ट की धारा 66-सी के तहत कार्रवाई हो सकती है और अगर ट्रोलिंग से गुमराह करने की कोशिश की गई है, तो धारा 66-डी लगाई जा सकती है। इसी तरह, ट्रोलिंग में यदि झूठ लिखा जा रहा हो और लोगों को भ्रमित करने की मंशा दिखती हो, तो आईपीसी की धारा-468 और 469 के तहत कार्रवाई की जा सकती है, जिनमें सजा और जुर्माना, दोनों के प्रावधान हैं। और, अगर ट्रोलिंग के साथ स्टॉकिंग हो, तो कुछ हद तक आईपीसी-354 के तहत कार्रवाई हो सकती है। मगर ये भी ट्रोलिंग से निपटने के परोक्ष तरीके हैं, कोई प्रत्यक्ष उपाय नहीं। हालांकि, इसका यह अर्थ भी नहीं कि बतौर नागरिक हमारे पास कोई रास्ता नहीं है। आत्महत्या करने के बजाय हमें ट्रोलिंग की शिकायत साइबर क्राइम की वेबसाइट पर करनी चाहिए। इसके लिए 1930 हेल्पलाइन नंबर से भी मदद ली जा सकती है। जब तक कोई समर्पित कानून न बने, तब तक ट्रोलर्स से सीधे मुकाबला करने से भी हमें बचना चाहिए। अगर आप इसके भुक्तभोगी बनते हैं, तो पहले अपने परिजनों को विश्वास में लें। इसकी शिकायत सोशल मंच प्रदान करने वाली कंपनी से भी की जा सकती है। आईटी रूल्स 2021 के तहत सेवा देने वाली कंपनी से ट्रोलर्स के सोशल अकाउंट की शिकायत की जा सकती है, जिसमें अधिकतम 15 दिनों में कार्रवाई सुनिश्चित की गई है। अगर अश्लील शब्दों के साथ ट्रोल किया गया है, तो 24 घंटे के अंदर शिकायत के निवारण का प्रावधान आईटी कानून में है। कुछ लोग तर्क देते हैं कि अपने देश में कानून बनाने का रास्ता काफी लंबा है, लेकिन ट्रोलिंग के मामले में हमें एक सुविधा हासिल है। दरअसल, सूचना प्रौद्योगिकी कानून की धारा-87 केंद्र सरकार को इस कानून के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए तमाम प्रावधान अपनाने का अधिकार देती है। इसका उपयोग किया जा सकता है। फिर, हमें दूसरे देश का मुंह नहीं ताकना चाहिए, क्योंकि भारत की जमीनी हकीकत अन्य राष्ट्रों से अलग है। चेन्नई मामले में ही मां को कोसा गया, जबकि पश्चिमी देशों में मां और बच्चे का संबंध अपने यहां से अलग होता है। चूंकि हमारी संस्कृति, हमारे मूल्य व परिवेश विदेश से अलग हैं, इसलिए ट्रोलिंग को लेकर हमारा कानून भी अलग होना चाहिए। ज्यादातर मामलों में ट्रोलर्स वीपीएन, यानी वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क का इस्तेमाल करते हैं, जिससे वे अपनी पहचान छिपा लेते हैं, इसलिए इनको पकड़ने के लिए हमें खास उपाय अपनाने होंगे। यहां पुलिस अधिकारियों को भी संवेदनशीलता दिखानी होगी। उनको भुक्तभोगियों का दर्द महसूस करना होगा। हालांकि, आम लोगों को भी साइबर सुरक्षा को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाना चाहिए।

विशेष लेख

सुरक्षित भविष्य की कल्पना

डॉ. हंसा मीना

पश्चिमी राजस्थान में घटित जमीन में धंसाव की हालिया दो घटनाओं ने समूचे देश का ध्यान आकर्षित किया है। सोलह अप्रैल को राजस्थान के बीकानेर जिले की लूणकरणसर तहसील के सहजरासर गांव में एक खेत का लगभग डेढ़ बीघा हिस्सा जमीन में अचानक धंस गया। इस घटना के कारणों के विषय में कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं, जैसे भूगर्भीय प्लेटों में हलचल का होना एवं इस क्षेत्र में व्याप्त विशाल जल राशि के दोहन से उत्पन्न हुए वैक्यूम का लगातार कम होना। किंतु भारतीय भू सर्वेक्षण विभाग के वैज्ञानिक जिस संभावित कारण को सर्वाधिक मान रहे हैं वह है-थार के मरु स्थल के नीचे प्रवाहित सरस्वती नदी के जल के सूखने से उत्पन्न हुए वैक्यूम का लगातार कम होना। इसी तरह की घटना सात मई को बाड़मेर के नागाणा क्षेत्र में घटित हुई है। यहां तेल के कई कुएंहैं, जिनसे क्रूड ऑयल का उत्पादन हो रहा है। इस क्षेत्र में मंगला टर्मिनल के वेल पेड 3 से 7 के बीच में करीब डेढ़ से दो किलोमीटर लंबी जमीन में दरार आई है। यहां भी जमीन से भारी मात्रा में तेल के दोहन से उत्पन्न हुए रिक्त स्थान के कारण इस घटना का होना माना जा रहा है। वर्ष 2000 के बाद इस तरह की घटनाएं बढ़ी हैं। पूर्व में कोलायत में ऐसे ही जमीन का धंसाव हुआ है। इस तरह की घटनाएं भविष्य में किसी बड़ी भूगर्भीय हलचल के होने की ओर इशारा कर रही हैं, जो चिंता का विषय है। ऐतिहासिक तथ्य है कि सरस्वती नदी राजस्थान में थार के मरु स्थल से होकर बहती थी जो कालांतर में लुप्त हो गई। इसके पश्चात जीआईएस डाटाबेस के आधार पर इसको पुनर्जीवित करने के अभियान की शुरुआत 'प्रोजेक्ट सरस्वती' के तहत हुई। सैटेलाइट इमेज दिखाती है कि सरस्वती नदी की घाटी हरियाणा में कुरुक्षेत्र, कैथल, फतेहाबाद और सिरसा में समाहित है, जबकि राजस्थान में यह नदी श्री गंगानगर, हनुमानगढ़ और थार के मरु स्थल से होते हुए खम्बात की खाड़ी तक जाती है। बीकानेर और बाड़मेर में हुई घटनाएं सरस्वती नदी घाटी की दिशा में ही घटित हुई हैं। साल 1998 में मिशन सरस्वती योजना के तहत इस क्षेत्र में कई बोरवेल खोदे गए थे जिनसे स्वतः ही पानी निकलता है। भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर ने इनसे निकलने वाले पानी को तीन हजार से चार हजार साल पुराना होने का दावा किया है। इस क्षेत्र में जमीन के नीचे मीठे पानी की लगभग 40-50 मीटर मोटी परत है। जमीन के नीचे बहती नदी जब सूखने लगती है तो जहां-जहां पानी गहरा होता है उन स्थानों पर तालाबनुमा और झीलनुमा जलीय स्रोत रह जाते हैं। इस क्षेत्र के आस पास सौ से दो सौ किलोमीटर की परिधि के क्षेत्र में किसानों द्वारा पानी दोहन हो रहा है, जिससे पाताल में लगातार वैक्यूम बन रहा है। जिन स्थानों पर यह स्थिति बन रही है उन रिक्त स्थानों पर जमीन बैठने लगती है। बीकानेर में जमीन धंसने से हुआ लगभग 82 फुट गहरा गड्ढा इसी के परिणामस्वरूप बनता प्रतीत हो रहा है जो लगातार गहरा होता जा रहा है। बाड़मेर में जिस स्थान पर जमीन में दरार आई है वहां ऑयल एंड गैस प्लांट है। इस घटना के कारणों के संबंध में विशेषज्ञों द्वारा प्रथम दृष्ट्या यह आशंका जताई जा रही है कि तेल निकालने के लिए होने वाली ड्रिलिंग के चलते लगभग दो किलोमीटर जमीन में दरार आई है, जबकि कयास यह भी लगाए जा रहे हैं कि यहां कई तेल के कुएं हैं, जिनसे दशकों से क्रूड ऑयल का दोहन हो रहा है, इससे आस पास के क्षेत्र में लगातार वैक्यूम बन रहा है। इस कारण से भी दरार का बनना माना जा रहा है। अतः यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगी की भूमि धंसाव एक मानव प्रेरित घटना है। विभर में भूमि धंसाव के सभी मामलों में लगभग 70 प्रतिशत मानवीय गतिविधियों के कारण होते हैं, जिसमें भूजल निष्कर्षण 60 प्रतिशत है। उपरोक्त घटनाओं ने भविष्य के लिए अत्यंत चिंताजनक स्थिति उत्पन्न कर दी अतःइन स्थितियों से निपटने के लिए हमें अनुकूल समाधान निकालने होंगे जो इस प्रकार हो सकते हैं-भूजल निष्कर्षण कम करना, जल संरक्षण को बढ़ावा देना और भूजल पुनर्भरण को लागू करना इत्यादि। भूजल पुनर्भरण में कृत्रिम पुनर्भरण जैसी विभिन्न तकनीकों के माध्यम से भूजल संसाधनों को फिर से भरना शामिल है। इस प्रक्रिया का उपयोग जलभृतों में पानी की मात्रा बढ़ाने, भूजल की गुणवत्ता में सुधार करने और अत्यधिक भूजल दोहन के कारण होने वाली भूमि धंसाव को रोकने के लिए किया जाता है। यह न केवल भूमि धंसाव को रोकती है, बल्कि सिंचाई और घरेलू उपयोग के लिए पानी का एक वैकल्पिक स्रोत भी प्रदान कर सकती हैं और साथ ही भूजल की गुणवत्ता में भी सुधार कर सकती हैं।

सही और फर्जी के बीच मिटता फर्क...

हरजिंदर

यह बात 1967 की है, जब भारत अपनी चौथी लोकसभा को चुन रहा था। उस आम चुनाव में कांग्रेस ने लखनऊ से देश के सबसे बड़े शराब कारोबारी कर्नल वेद रतन मोहन को टिकट दिया था। वह देश की सबसे बड़ी शराब बनाने वाली कंपनी मोहन मीकिन के चेयरमैन थे। राजनीति और कारोबार की दुनिया के वह काफी सम्मानित शख्स थे। उन्हें उस दौर के सबसे मशहूर ब्रांड ओल्ड मॉन्क जैसी रम और गोल्डन ईगल जैसी बीयर शुरू करने का श्रेय भी दिया जाता है। कर्नल वीआर मोहन की जीत तकरीबन पक्की मानी जा रही थी। वह लगातार दो बार लखनऊ शहर के मेयर रह चुके थे और शहर की सबसे चर्चित शख्सीयतों में शुमार थे। उद्योगपति होने के कारण यह भी माना जा रहा था कि उनके पास संसाधनों की कोई कमी नहीं है। लखनऊ की लोकसभा सीट कांग्रेस की परंपरागत सीट थी और उस चुनाव में बेशक पहली बार कांग्रेस पूरे देश में थोड़ी कमजोर दिख रही थी, लेकिन लखनऊ सीट पर उस हवा का असर नहीं था।

उस चुनाव की एक और महत्वपूर्ण बात यह थी कि लखनऊ लोकसभा सीट से 1957 और 1962 में लगातार दो चुनाव हारने वाले भारतीय जनसंघ के लोकप्रिय नेता अटल बिहारी वाजपेयी इस बार वहां से चुनाव नहीं लड़ रहे थे। अपने लच्छेदार भाषणों से भारी भीड़ बटोरने वाले वाजपेयी का लखनऊ से चुनाव न लड़ना भी कांग्रेस को आश्वस्त कर रहा था। कर्नल मोहन के सामने एकमात्र मजबूत उम्मीदवार थे आनंद नारायण मुल्ला। वकील और विद्वान होने के साथ ही वह उर्दू शायर भी थे। वह निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ रहे थे और कांग्रेस की संगठनात्मक ताकत व कर्नल मोहन के निजी रुतबे के सामने कोई निर्दलीय उम्मीदवार टिक भी सकेगा, इसकी कोई उम्मीद नहीं थी। एक और चीज थी, जो आनंद नारायण मुल्ला के खिलाफ जाती थी। दरअसल, लखनऊ से लगभग 25 किलोमीटर दूर काकोरी नाम के एक कस्बे के पास 9 अगस्त, 1925 को एक ट्रेन डकैती हुई थी। हिन्दुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन के क्रांतिकारियों ने इसको अंजाम दिया था। ट्रेन में ले जाए जा रहे सरकारी खजाने को लूटने की योजना राम प्रसाद बिस्मिल व अशफाक उल्ला खां ने बनाई थी और इस योजना को अंजाम देने में चंद्रशेखर आजाद और राजेंद्र लाहिड़ी जैसे कई क्रांतिकारियों ने भाग लिया था। क्रांतिकारी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए उनके संगठन को पैसे की जरूरत थी और इसीलिए ट्रेन डकैती जैसे दुस्साहसी काम को करने का फैसला किया गया था। बाद में जब इस मामले में मुकदमा चला, तो सरकार ने अपना वकील बनाया आनंद नारायण मुल्ला के पिताजी जगत नारायण मुल्ला को। इस केस में आनंद नारायण मुल्ला अपने पिता के असिस्टेंट थे और दोनों को सरकार की ओर से अच्छी-खासी फीस मिली थी। डर यह था कि काकोरी कांड को लेकर आनंद नारायण मुल्ला को चुनाव प्रचार के दौरान कठघरे में खड़ा किया जाएगा। मगर ऐन वक्त पर हवा बदल गई। प्रचार यह हुआ कि इस बार कांग्रेस ने लखनऊ से एक शराबी को टिकट दे दिया है। फिर इस तरह की बातें भी उड़ाई गईं कि कनर्ल वीआर मोहन जब प्रचार के लिए फलां मोहल्ले पहुंचे, तो नशे में एकदम धुत थे। कांग्रेस ने अपना सारा जोर लगा दिया, सारे संसाधन झोंक दिए गए, देश भर के तमाम बड़े नेताओं के दौरे हुए, उस समय के हिसाब से पैसा भी खूब बहाया गया, लेकिन अफवाहों से जो नैरेटिव तैयार हुआ, उसका जवाब नहीं मिल सका और आनंद नारायण मुल्ला बहुत आसानी से चुनाव जीत गए। यह पहला चुनाव था, जब लखनऊ लोकसभा सीट से कांग्रेस हारी और अगले चुनाव में कांग्रेस ने फिर से इस सीट को हासिल कर लिया। लखनऊ का यह चुनाव इस बात का उदाहरण है कि जिसे हम आज 'फेक न्यूज' कहते हैं, वह कोई नई अवधारणा नहीं है। गंदी राजनीति हमेशा से ही अफवाहों और फर्जी खबरों के जरिये चुनावों का खेल बिगाड़ती रही है। विरोधियों का चरित्र हनन तब भी होता था, उन पर कीचड़ उछालने का चलन तब भी था। तब भी चुनाव लड़ने के लिए नैतिकता को दरकिनार कर दिया जाता था, लेकिन 21वीं सदी के दूसरे दशक में ये सारी स्थितियां पहले के मुकाबले बहुत आगे चली गईं। अचानक ही हम एक ऐसे मोड़ पर पहुंच गए, जहां इस गंदी राजनीति की मुलाकात 'पोस्ट ट्रुथ एरा', यानी सत्योत्तर काल और मोबाइल तकनीक द्वारा उपलब्ध कराई गई चमत्कारिक रूप से तेज प्रसारण तकनीक से हुई। इस मुलाकात ने राजनीति के स्वरूप को ही एकदम से बदल दिया। पहले अफवाहों, फेक न्यूज और चरित्र हनन की जो राजनीति स्थानीय स्तर पर छिटपुट ढंग से होती थी, अब उसे बड़े पैमाने पर समन्वित और संगठित ढंग से किया जा सकता है। अभी तक जो महज एक राजनीतिक बीमारी थी, उसने एकाएक एक महामारी का रूप ले लिया था। समाज भी जैसे इसके लिए तैयार था। हम ऐसे दौर में पहुंच चुके हैं, जहां तथ्यों से ज्यादा महत्वपूर्ण भावनाएं हो चुकी हैं। लोगों ने अपनी धारणाएं सच और यथार्थ के बजाय भावनात्मक अपील से बनानी शुरू कर दी हैं। उदारवादी लोकतांत्रिक राजनीति के मुहावरों से ऊबकर लोग विकल्प तलाशने लगे हैं। विभिन्न कारणों से लोकतंत्र की बहुत सी मूल संस्थाओं पर लोगों का भरोसा कम होने लगा है। इससे जो खालीपन बना है, उसने अनुदारवादी व पुनरोत्थानवादी ताकतों को पैर जमाने की जगह दे दी है। ये ताकतें बरसों से समाज में जिस ध्रुवीकरण के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रही थीं, अब उसकी जमीन तैयार हो चुकी है।राजनीति में लगे नेताओं ने भी इस धारणा को बनाने में अपना पूरा योगदान दिया है। जब कोई खबर उनके अनुकूल नहीं होती, तो उसे वे बड़ी आसानी से फेक कह देते हैं। भले ही ये राजनीतिज्ञ अपना बचाव कर रहे होते हैं, लेकिन इसी के साथ वे मुख्यधारा के मीडिया की लगातार घट रही साख में अपना योगदान भी दे देते हैं।

ईरानी राष्ट्रपति रईसी के इंतकाल का असर

दिनकर प्रकाश श्रीवास्तव

हेलीकॉप्टर दुर्घटना में ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी, विदेश मंत्री हुसैन अमीर-अब्दुल्लाहियन सहित नौ लोगों की मौत दुखद है। जिस तरह से दुनिया के कोने-कोने से शोक-संवेदनाएं आ रही हैं, उनसे तो यही पता चलता है कि अपने पांच दशकों के सार्वजनिक जीवन में इब्राहिम रईसी काफी प्रभावशाली रहे। यह सही है कि उनका बड़ा योगदान न्यायपालिका के क्षेत्र में रहा, खासतौर से पिछली सदी के 80 के दशक में, जब वह तेहरान के उप-अभियोजक और अभियोजक बने। मगर बाद में उन्होंने अस्तान कुद्स रजावी के मुख्य संचालक की जिम्मेदारी भी बखूबी संभाली। अस्तान कुद्स रजावी एक तरह का ट्रस्ट है, जो ईरान के पवित्र शहर मशहद स्थित इमाम रजा दरगाह का प्रबंधन करता है। यह दरगाह शिया संप्रदाय के लोगों के लिए काफी अहमियत रखती है। उल्लेखनीय है कि मशहद रईसी का जन्मस्थान भी है। रईसी ने 2017 का चुनाव भी लड़ा था, लेकिन तब वह हार गए थे। 2021 में उन्हें जीत मिली और वह ईरान के राष्ट्रपति बने। बीते कुछ वर्षों में ईरान अगर उन्नति कर सका और इराक युद्ध से उबरकर एक स्थिर देश बन सका, तो इसमें रईसी का बड़ा योगदान माना जाता है। ऐसे में, सवाल यही है कि अब आगे ईरान का क्या होगा? हालांकि, अच्छी बात यही है कि ईरान का लोकतंत्र काफी परिपक्व है और वहां व्यक्ति-विशेष के रहने या न रहने से खास प्रभाव नहीं पड़ता। वहां राष्ट्रपति का पद भले अहम है, मगर 'चेक ऐंड बैलेंस', यानी संतुलन बनाने वाली व्यवस्थाएं काफी कारगर हैं, इसलिए यह कहना सही नहीं होगा कि रईसी के न रहने से ईरान की नीतियां प्रभावित होंगी। पश्चिमी मीडिया ने भले ईरान की एक खास छवि बना दी है, लेकिन वास्तव में यह एक स्थिर मुल्क है और यहां का नेतृत्व काफी सुलझा हुआ रहा है। यह कितना जिम्मेदार देश है, इसका एहसास इससे भी होता है कि इसने जो

परमाणु समझौता किया था और जिससे अमेरिका खुद बाहर निकल आया, उसे सुरक्षा परिषद के देशों के साथ-साथ संयुक्त राष्ट्र ने भी सराहा था। रईसी के कार्यकाल में ही ईरान शंघाई सहयोग संगठन का सदस्य बना। ईरान ने क्षेत्रीय मसलों को सुलझाने में भी काफी मदद की है और अफगानिस्तान में इसने जो काम किया है, उसका नतीजा हमें पिछले दिनों देखने को मिला, जब उसके साथ चाबहार समझौता हो सका। हां, उसकी घरेलू राजनीति कुछ हद तक अस्त-व्यस्त रही, लेकिन इसकी वजह यह है कि ईरान की अर्थव्यवस्था काफी हद तक तेल पर निर्भर है। 2013-14 तक तेल के दामों में काफी वृद्धि हुई थी, जिससे तेहरान की आमदनी बनी रही, जबकि उस पर प्रतिबंध भी लगा हुआ था। मगर 2014 के बाद तेल के दाम घट गए, जिससे उसकी अर्थव्यवस्था पर असर पड़ा। रही सही कसर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2018 में पूरी कर दी, जब वह उस समझौते से बाहर निकल गए, जो बराक ओबामा के कार्यकाल में किए गए थे। इससे ईरानी अर्थव्यवस्था पर काफी असर पड़ा, फिर भी उसकी सियासत बहुत अस्थिर नहीं हुई। यही कारण है कि रईसी के जाने के बाद भी ईरान में स्थिरता बने रहने की संभावना अधिक जताई जा रही है। विशेषकर भू-राजनीति के मोर्चे पर इसलिए भी भरोसा ज्यादा होता है, क्योंकि ईरान ने अब तक काफी परिपक्वता दिखाई है। दरअसल, इसकी भू-राजनीति तीन पहलुओं में सिमटी हुई है। पहला पहलू अफगानिस्तान है, जो इसके पूर्व में स्थित है। ईरान एक शिया बहुल राष्ट्र है, जबकि तालिबान एक सुन्नी गुट। दोनों में मतभेद जरूर रहे हैं, लेकिन अफगानिस्तान के नव-निर्माण में ईरान की भूमिका किसी से छिपी नहीं है। पाकिस्तान के साथ ईरान की नोक-झोंक की वजह भी यही है। यहां तक कि हिन्दुस्तान के समान ईरान ने भी पाकिस्तानी आतंकियों को खूब झेला है। भारत में यह कई लोगों को पता नहीं होगा कि पुलवामा घटना से ठीक एक दिन पहले ईरान में भी इसी तरह फौजियों पर हमला किया गया था, जिसमें ईरानी फौज के 27 जवान शहीद हो गए थे। अभी चार महीने पहले भी जब ईरान ने पाकिस्तान के बलूचिस्तान में मिसाइल दागे थे, तब दोनों देशों के बीच तनातनी बढ़ गई थी। मतलब साफहै, अफगानिस्तान और पाकिस्तान को लेकर हमारी और ईरान की नीतियों में काफी समानता है। उसका यह रुख यूं ही बना रह सकता है। दूसरा पहलू गाजा है, जो ईरान के पश्चिम में स्थित है। फलस्तीन की समस्या 1948 से चल रही है और 1979 तक ईरान व इजरायल के संबंध बहुत अच्छे थे। इसका अर्थ है कि ईरान और इजरायल के मौजूदा तनातनी का कारण गाजा नहीं है, क्योंकि यह समस्या तो बरसों पुरानी है। गाजा मसले का हल इजरायल के नजरिये से उसके बंधकों की रिहाई और फलस्तीन के नजरिये से युद्ध विराम से निकल सकता है। इन दोनों में ईरान की शायद ही कोई भूमिका हो सकती है। यही बात तीसरे पहलू, यानी हूती समस्या के बारे में कही जा सकती है, क्योंकि हूतियों ने तब हमले शुरू किए, जब उनका सऊदी अरब से झगड़ा हुआ। जबकि, ईरान के खाड़ी देशों के साथ अच्छे रिश्ते हैं। ईरान ने सऊदी अरब के साथ अपने संबंध रईसी के कार्यकाल में काफी सुधारे हैं। इसका बड़ा असर तेल के दामों पर भी पड़ा है। रही बात अमेरिका से रिश्ते की, तो यह बहुत कुछ अमेरिका की नीतियों पर निर्भर करेगा। मगर माना यही जा रहा है कि चूंकि इस वर्ष वहां राष्ट्रपति चुनाव होने वाले हैं, इसलिए चुनावी वर्ष में शायद ही कोई नेता अमेरिकी नीतियों में बदलाव का जोखिम उठाना चाहेगा। भारत को लेकर भी ठीक इसी तरह की बात कही जा सकती है। भारत और ईरान का रिश्ता वर्षों पुराना है और दोनों देशों में नीति-नियंता काफी परिपक्व हैं। चाबहार समझौता बेशक रईसी साहब के कार्यकाल में हुआ, लेकिन इसको लेकर चर्चाएं साल 2012 से ही शुरू हो गई थीं और 2015 में हमने इस बाबत एक समझौता भी किया था। जो जुड़ाव दोनों देशों में बना है, वह इस एक हादसे की भेंट नहीं चढ़ सकता।स्पष्ट है, ईरान स्थिरता का पक्षधर रहा है।

आस्था का चैनल रत्नत्रय धर्म देव शास्त्र गुरु सात तत्व एवं 6 द्रव्य हैं उनके प्रति सच्चा श्रद्धान कर पाप कर्म दोष दूर कर सकते हैं : आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज

बांसवाड़ा (विश्व परिवार)। आचार्य श्री वर्धमान सागर जी बांसवाड़ा की कमर्शियल कॉलोनी में संघ सहित विराजित है आज की धर्म सभा में आचार्य श्री ने प्रवचन में बताया कि हमारे अरिहंत भगवान वितरागी, सर्वज्ञ और हितोपदेशी है। जिनवाणी को पढ़कर, मनन, चिंतन कर मनुष्य कुल को सार्थक करने का प्रयत्न करना चाहिए आस्था का चैनल रत्नत्रय धर्म है देव शास्त्र गुरु सात तत्व छह द्रव्य के प्रति सच्चा श्रद्धान कर पाप कर्मो का क्षय कर हमारी कमी और दोष दूर की जा सकती है। हमारे सिद्ध क्षेत्र मंदिरों का संरक्षण जरूरी है भगवान की स्तुति विनय पूर्वक व्याकरण का ध्यान कर शुद्ध बोलना चाहिए। यह प्रभावशाली हितोपदेशी धर्म देशना आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज ने कमर्शियल कॉलोनी बांसवाड़ा की धर्म सभा में प्रकट की। समाज के प्रवक्ता हिमांशु अनुसार आचार्य श्री ने बताया कि श्रोता को सावधान रहकर जिनवाणी का श्रवण का मनन चिंतन करना चाहिए भगवान की वाणी जिनवाणी कहलाती है जिनवाणी के पूजन से भगवान के प्रति अनुराग और भक्ति प्रदर्शित की जाती है। अरिहंत भगवान ने केवल ज्ञान प्राप्त कर समवशरण में दिव्य देशना से तीन गति के जीवों को देशना दी है भगवान की वाणी को सभी गति के जीव अपनी-अपनी भाषा में समझ लेते हैं। भक्ति का एक उदाहरण बताया कि एक मेंढक महावीर स्वामी के समवशरण में जा रहा था उसके मुंह में फूल पुष्प था हाथी के पैर तले दब कर मृत्यु होने के बाद उसके परिणाम भक्ति के थे, प्रभु के दर्शन के थे इसलिए वह उस समय मरकर देवगति में उत्पन्न हुआ। यह सब भक्ति का प्रभाव है। पशु भी भगवान की भक्ति पर श्रद्धा कर तीर्थंकर बन जाते हैं।आप मनुष्य भी सक्षम हो, शास्त्रों में चार प्रकार के पुरुषार्थ बताए गए हैं धर्म पुरुषार्थ, अर्थ पुरुषार्थ, काम पुरुषार्थ और मोक्ष पुरुषार्थ।इसमें धर्म पुरुषार्थ करने से अंतिम मोक्ष पुरुषार्थ करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है। श्रावक अर्थ और काम पुरुषार्थ करता है। उसे रत्नत्रय धर्म का अवलंबन लेकर धन का अर्जन संचय करना चाहिए पुण्य नहीं होने पर धन नहीं होता है इसलिए द्रव्य और धन कमाने का तरीका न्याय एवं नीति पूर्वक होना चाहिए न्याय और नीति से कमाया गया धन चिरस्थाई होता है।आचार्य श्री ने प्रवचन में चिंता व्यक्त कर बताया कि आज धर्म दूर होता जा रहा है। उच्च लौकिक शिक्षा संस्कार के साथ धर्म के साथ करना चाहिए। जीवन को विकसित करने में धर्म का बहुत महत्व है। वर्तमान में पर्यावरण के दूषित होने के चर्चा करते हुए आचार्य श्री ने बताया कि अनेक प्रकार के प्रदूषण पर्यावरण को दूषित कर रहें है चाहे ध्वनि प्रदूषण हो, प्रकाश प्रदूषण हो, वायु प्रदूषण हो, जल प्रदूषण हो, राजनीतिक प्रदूषण हो, धार्मिक प्रदूषण हो या सामाजिक प्रदूषण हो।समाज प्रदूषण के कारण बिखर रहा है संगठित नहीं है इसलिए श्रावकों को धर्म के नियम और उप नियम समझ कर धर्म को धारण करना चाहिए धार्मिक और सामाजिक पर्यावरण धर्म से नियंत्रित होता है तभी आप सुख को प्राप्त करेंगे।

-राजेश पंचोलिया

सम्यकज्ञान एवं मूकमाटी अर्थ ज्ञान शिक्षण शिविर का समापन, परीक्षा परिणाम के साथ पुरस्कार वितरण समारोह हुआ सम्पन्न

रामगंजमंडी (विश्व परिवार)। विगत 9 दिनों से रामगंजमंडी नगर में ज्ञान की गंगा बही 17 मई 2024 से शुरु हुए शिक्षण शिविर मे नगर के 300 से अधिक व्यक्तियों ने मूक माटी महाकाव्य, स्वयंभू स्त्रोत्र, छहढाला, भक्तामर स्त्रोत एवं बाल वर्ग में बच्चों ने बाल बोध 1 बाल बोध 2 के द्वारा नैतिक शिक्षा के साथ धार्मिक अध्यन किया। इसी क्रम में बच्चों को आर्ट एंड क्राफ्ट भी सिखाया गया।

शिविर का निर्देशन नगर के गौरव प्रशांत जैन आचार्य, आकाश जैन आचार्य ने किया श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर से आए विनोद जैन आचार्य, हेमंत जैन आचार्य, ने सभी को ज्ञान अर्जन कराया। अध्ययन कराने के उपरांत 24 मई को विभिन्न वर्गों की परीक्षा हुई। 25 मई को समापन समारोह आयोजित किया गया एवं परिणाम घोषित किया गया जिसमें मूकमाटी महाकाव्य की परीक्षा में प्रथम श्रीमती वंदना बाबरिया, द्वितीय श्रीमती विवेका जैन दुगेरिया, तृतीय श्रीमती मनीष गर्ग रही, इसी के साथ भक्तामर स्तोत्र की हुई परीक्षा में प्रथम नियति जैन, द्वितीय हर्षिता जैन, तृतीय गविक जैन, छहढाला में प्रथम रक्षित जैन, द्वितीय आरव जैन, तृतीय सुहानी जैन रही, बालबोध भाग 1 में प्रथम मोली जैन, द्वितीय मीठी जैन, तृतीय विधि जैन, बालबोध भाग 2 में प्रथम निक्षय जैन, द्वितीय भवि जैन जयपुर निवासी तृतीय आरवी जैन रही। इन सभी को समापन समारोह की बेला में शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में पुरस्कृत किया गया इसी के साथ सभी बच्चों को भी पुरस्कृत किया गया साथ ही इस शिविर को सफल बनाने में अमूल्य योगदान देने वालों को भी माला पगड़ी पहनाकर अभिनंदन किया गया। इसी के साथ शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर अध्यक्ष दिलीप विनायका, उपाध्यक्ष चेतन बागड़िया, एवं शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर महामंत्री राजकुमार गंगवाल, महावीर दिगंबर जैन मंदिर महामंत्री पदम सुरलाया, अजीत कुमार सेठी आदि के द्वारा पधारे हुए विद्वान विनोद जैन आचार्य, हेमंत जैन आचार्य, मनोज जैन आचार्य, रामगंज मंडी नगर के गौरव प्रशांत जैन आचार्य, आकाश जैन आचार्य का अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष दिलीप कुमार विनायका सभी का आभार जताया इस बेला में पधारे हुए विद्वानों ने भी रामगंज मंडी नगर की भक्ति की जमकर सराहना की एवं नगर गौरव विद्वान भैया लोगों की भी जमकर तारीफ की और कहा कि यह रामगंज मंडी का गौरव है इन्हें हाथ से जाने ना दें। रामगंज मंडी नगर के सिद्धार्थ जैन बाबरिया ने भी प्रशांत आचार्य की शिविर में भूमिका पर प्रकाश डाला और व्यवस्थापक समिति का आभार प्रकट किया। **-अभिषेक जैन लुहाड़िया**

संक्षिप्त समाचार

मुनि श्री सुधासागर जी महाराज ने कहा- भगवान महावीर के पंचशील सिद्धान्त में विश्व की समस्त समस्याओं का समाधान

दमोह (विश्व परिवार)। भगवान महावीर के पंचशील सिद्धान्त में संसार की समस्याओं का समाधान है।इन सिध्दांतों को साम्प्रदायिक सीमा

में न बांधकर समग्रता से पालन हो तो संसार सुख समृद्धि और शांति से सहिष्णुता पूर्वक जीवन जिया जा सकता है। निर्यापक श्रमण श्री सुधासागर महाराज ने मध्यप्रदेश के दमोह में जिज्ञासाओं समाधान करते हुए बताया कि परम् विद्वान भूतपूर्व राष्ट्रपति श्री शंकर दयाल शर्मा ने कहा था कि भगवान महादेव उपदेशों से जीवन कैसे जियें, इस कला का ज्ञान मिलता है।मेरे मत के अनुसार संसार को भगवान महावीर के संदेशों का पालन करना चाहिए।भेदभाव मिटाकर समस्त संसार शांति और सह अस्तित्व से जीवन जी सकते हैं। भगवान महावीर के सिद्धांत संपूर्ण विश्व के लिये एकमात्र समाधान हैं। इन्हें एक संप्रदाय के साथ जोड़कर नहीं देखना चाहिए। महाराज जी ने बताया कि भगवान महावीर वीतरागता के पथ पर चलते हुए मोक्षगमन किया, मगर उनके सिध्दांत उनके उपदेश जीवन जीने की कला सिखाते हैं। साधना उन्होंने अपने आत्म कल्याण के लिये की और ज्ञान देकर संसार को सद्भावना पूर्वक जीवन जीना सिखाया। जियो और जीने दो सूत्र प्राणी मात्र के स्वतंत्रता से जीवन जीने के अधिकार का आधार है। मुनिपुंगव श्री सुधासागर महाराज ने बताया कि भगवान महावीर के पंचशील सिद्धान्त समस्त प्राणियों कि हित के लिए हैं। उनके सिद्धांतों को सांप्रदायिक सीमा से बाहर आकर संसार के प्राणियों के जीने के मार्गदर्शक के रूप में देखने से समस्त जगत के लिए लाभ दायक हैं। जियो और जीने दो का संदेश प्राणियों के स्वतंत्रता पूर्वक परस्पर शांति और सह अस्तित्व का मार्ग प्रशस्त होता है। **-वेदचन्द जैन**

योगाभ्यास प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 29 मई से

अशोकनगर (विश्व परिवार)। स्वयं स्वस्थ बनो अभियान द्वारा मानोरिया परिवार के सहयोग से योगाभ्यास प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 29 मई से 07 जून तक प्रात: 5:45 से वर्धमान स्कूल गौशाला पर किया जा रहा है। संस्था के चेयरमेन सन्दीप बड़कुल एवं सोनू बंसल ने बताया कि शिविर के दौरान योग विशेषज्ञ एवं प्राकृतिक चिकित्सक डॉ.गीता जैन मुम्बई एवं प्रशिक्षण सहयोगी दीपक जानी द्वारा लगातार दस दिनों तक योग साधना कराई जाकर प्राकृतिक जीवन जीने की कला सिखाई जाएगी। ज्ञातव्य है कि स्वयं स्वस्थ बनों अभियान द्वारा सन 2002 से निरन्तर योगाभ्यास प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। डॉ. गीता जैन पूरे भारत वर्ष में योग शिविरों के माध्यम से लोगो को जागृत कर स्वस्थ रहने की कला सिखा रही है। आपके साथ प्रशिक्षण सहयोगी दीपक जानी आसन करके बताते है।आयोजन समिति के रोशन कोहली, सुभाष जैन कैंची, गोलू रतरा, विष्णु शर्मा, महेश श्रीवास्तव, मनकू अग्रवाल, ऋषभ जैन, भूपेंद्र पटेल, विनोद भारिल्ल, रितेश जैन आदि ने जन समुदाय से अपील की है।

रक्त परीक्षण शिविर का दीप प्रज्वलन के भव्य शुभारंभ

राघोगढ़ (विश्व परिवार)। श्री दिगंबर जैन समाज राघौगढ़ एवं जैन मिलन परिवार राघौगढ़ के संयुक्त तत्वाधान में रक्त परीक्षण शिविर का दो दिवसीय आयोजन दिनांक 25 एवं 26 में को विद्यासागर भवन में किया जा रहा है। इस रक्त परीक्षण शिविर में डॉक्टर लाल पैथ लैब्स ग्रुप का सहयोग रहा है।शिविर का भविष्य शुभारंभ जैन आचार्य विद्यासागर जी महाराज के चित्र के समक्ष दीव प्रचलन से हुआ। दीप प्रज्वलन भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय कुमार जैन ने किया। सभी का स्वागत जैन मिलन के अध्यक्ष जितेंद्र कुमार जैन एवं मंत्री विकास कुमार जैन ने किया शाखा मंत्री विकास कुमार जैन ने बताया दो दिवसीय शिविर में महिलाओं का हीमोग्लोबिन परीक्षण निशुल्क किया जा रहा है। पुरुषों का डायबिटीज परीक्षण कोलेस्ट्रॉल परीक्षण एवं हीमोग्लोबिन परीक्षण मात्र 10 रु. प्रत्येक में किया जा रहा है। रक्त की अन्य जांचों के लिए भी न्यूनतम शुल्क निर्धारित किया गया है।दिनांक 25 में को कुल 85 लोगों के रक्त को संग्रहित कर परीक्षण के लिए भेजा गया है। यह शिविर प्रात: 8:00 बजे से दोपहर 12:00 तक आयोजित किया गया है। जांच रिपोर्ट सभी को दोपहर बाद उनके मोबाइल पर उपलब्ध कराई जाएगी।

डॉ. लाल पैथ लैब्स ग्रुप के लोकेन्द्र सक्सैना, शिवानी श्रीवास्तव, मीनल एवं शुभम ने रक्त संग्रह कर परीक्षण हेतु भेजने सेवा में प्रदान की। इस अवसर पर जैन समाज राघोगढ़ के पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र कुमार जैन, जैन मिलन के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य सुभाष चंद्र चौधरी, पूर्व पार्षद संजीव कुमार जैन, जैन मिलन के वरिष्ठ सदस्य अनिल कुमार जैन बलियत, मुकेश कुमार जैन अन्ना, विनय कुमार जैन बिल्डिंग मटेरियल, युवा जैन मिलन के हर्ष जैन, जैन समाज ट्रस्ट कमेटी के सदस्य संतोष कुमार जैन, संजय कुमार जैन गावरी वाले, विजय कुमार रावत, अंशुल जैन, राजीव जैन नानू, अरिहंत जैन, अतीत जैन, संस्कार जैन, राजेश जैन चौधरी भोला, महिला जैन मिलन की संरक्षिका वीरांगना विजय देवी जैन, कोषाध्यक्ष वीरांगना कुशल जैन, वीरांगना अरुणा जैन, वीरांगना सविता जैन आदि उपस्थित थे। **-विजय जैन**

संस्कार शिविर में आर्यिका श्री ने कहा- बेटियां घर परिवार का गौरव

जीवन में धर्म ही आत्मशान्ति का सशक्त माध्यम : आर्यिका सृष्टिभूषण माताजी

ललितपुर (विश्व परिवार)। जीवन में धर्म ही आत्मशक्ति का सशक्त माध्यम है व्यक्ति को मंदिर, धर्म के नाम पर नहीं लडना चाहिए प्रेरक प्रसंग के माध्यम से आर्यिका माता जी ने बताया कि माता सीता को लोकोपवाद के कारण जब जंगल में छोड दिया तब उन्होंने धर्म को नहीं छोड़ा। उक्त विचार पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अटामंदिर मे जिनधर्म प्रभाविका आर्यिका सृष्टिभूषण माताजी ने श्रमण संस्कृति संस्कार शिविर में धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होने कबीर दास का दोहा बोलते हुए कहा-निंदक नियरे राखिए आंगन कुटी छवाय।बिन पानी साबुन

बिना निर्मल करे सुभाय।कहा कि निंदक हमेशा पास रखना चाहिए। उन्होंने कहा संस्कार मात्र शब्दों में न हो आचरण में झलकना चाहिए। अंदर के रागद्वेष जितने घटेंगे उतने अच्छे संस्कार होते जाऐंगे। उन्होंने कहा माता-पिता बेटी को ससुराल विदा करते समय सीख दें ससुराल में मंगल कलश बनकर रहना न कि कलह बनकर। बेटियां घर परिवार का गौरव होती हैं, जो एक नहीं बल्कि दोनों कुलों को संस्कारित करती हैं। धर्मसभा का शुभारम्भ आचार्य श्री विद्यासागर महाराज, आचार्य विद्याभूषण सन्मतिसागर महाराज के सम्मुख श्रेष्ठीजनों द्वारा दीपप्रज्जवलित कर किया। शिविर में आर्यिका विश्वयश श्री माता जी द्वारा धार्मिक शिक्षण इष्टोपदेश के माध्यम से दिया जा रहा है। इसके अतिरिक्त बालकों को धार्मिक शिक्षण विद्वानों द्वारा कक्षाओं में प्रदान किया जा रहा है।जिसके माध्यम से बच्चे संस्कारवान बनें और धर्म से जुडे ऐसा प्रयास सांगानेर शिक्षण संस्थान का तीर्थोद्धारक निर्यापक श्रमण मुनि सुधासागर महाराज के आशीर्वाद से विद्वानों का रहा है और ग्रीष्मकाल में विद्वान दूरांचलों में संस्कार शिविर लगा रहे हैं। जिसको संचालित करने में डा0 आलोक मोदी, मुकेश शास्त्री के अतिरिक्त मंदिर प्रबंधक मोदी पंकज जैन पार्षद अशोक दैलवारा, अजय जैन गंगचारी, मनोज जैन बबीना, जिनेन्द्र जैन रजपुरा, मनीष जैन, आनंद जैन भागनगर, अजित जैन गदयाना, प्रमोद जैन पाय, वीरचंद्र सराफ, अभय जैन कैलगुवा, विकास जैन सौरई, आनंद जैन पंचमनगर, संजय जैन ककडारी, राकेश जैन बछरावनी, विमल जैन पाय, शुभेंदु मोदी, जितेन्द्र जैन राजू, वीणा जैन गौना, अनूप जैन खैरा का योगदान मिल रहा है। **-पुष्पेंद्र जैन**

मनुष्य इस प्राणी जगत का सबसे भाग्यशाली व्यक्ति है फिर भी वह अपने भाग्य की सराहना नहीं करता : मुनि श्री प्रमाणसागर जी

विदिशा (विश्व परिवार)। मनुष्य इस प्राणी जगत का सबसे भाग्यशाली व्यक्ति है फिर भी वह अपने भाग्य की सराहना नहीं करता। उपरोक्त उद्गार संत शिरोमणि आचार्य गुरुदेव श्री विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनि श्री प्रमाणसागर जी महाराज ने विदिशा की ओर मंगल विहार करते हुये प्रात:कालीन गंज मंदिर राहतगढ़ में हुई विशाल धर्म सभा को सम्वोधित करते हुये व्यक्त किये। उन्होंने कहा आचार्य गुरुदेव हमेशा कहा करते थे कि जो पाता है सो भाता नहीं जो भाता है सो पाता नहीं, इसीलिए सुख साता नहीं हमें जो मिला है, वह हमें पसंद नहीं और हमें जो पसंद है वह हमें मिलता नहीं तो आखिर हम क्या करें? उन्होंने कहा कि कभी अपनी दृष्टि उन विकलांग व्यक्तियों की ओर भी कर लिया करो जो मनुष्य भव पाकर भी अपनी जिदंगी से असमर्थ है, उन्होंने सकारात्मक सोच पर बात करते हुये कहा कि अपने भाग्य की सराहना करो कि में इस संसार

का सबसे भाग्यशाली व्यक्ती हुं, स्वस्थ शरीर का मालिक हुं, अच्छी बुद्धि का मालिक हुं धन संपत्ती के साथ एक अच्छा कुल और गुरुओं का सानिध्य मिला है अपने आपका आंकलन खुद करो और अपने पुण्य की सराहना करो मुनि श्री ने कहा कि नरभव पर्याय, अच्छा शरीर, अच्छा कुल धन संपत्ति वैभव आपको आपके ही पुण्य के साथ मिला है। इस धर्म सभा में जितने भी लोग वैठे हुये है वह सभी सौभाग्यशाली और पुण्यशाली है यदि सौभाग्यशाली और पुण्यशाली नहीं होते तो यंहा पर गुरुओं की वाणी को नहीं सुन कर किसी पाप कार्य में संल्गन होते उन्होंने युवाओं को संदेश देते हुये कहा कि आज समय है उस समय का सदुपयोग कर लो पुण्य के जो संयोग आज आपके पास है कल बैसे संयोग मिल पाऐंगे अथवा नहीं यह कोई नहीं जानता। प्रवक्ता अविनाश जैन ने बताया मुनिसंघ का मंगल विहार सागर - विदिशा रोड़ पर चल रहा है आगामी 3 जून से 8 जून तक श्री धर्मनाथ दि. जैन मंदिर विदिशा के जिनविम्व पंचकल्याणक महामहोत्सव के आयोजन हेतू मुनिसंघ के आशीर्वाद उपरांत आयोजन समिति का गठन किया गया जिसका निर्देशक समाज के वरिष्ठ हृदयमोहन जैन तथा अध्यक्ष वसंत जैन को बनाया गया है महामंत्री अभय वैद्य तथा कोषाध्यक्ष गौरव जैन मणीधर को जिम्मेदारी दी गयी है।इसके साथ ही महामहोत्सव के कुशल संचालन में सकल दि. जैन समाज श्री दि.जैन शीतल विहार न्यास के वरिष्ठ सदस्यों तथा पदाधिकारीओं को शामिल किया गया है। एवं विभिन्न समितियों में योग्यतानुसार कार्य का विभाजन किया गया है सभी पदाधिकारियों के नाम गुरुदेव के समक्ष घोषित किये गये एवं सभी ने स्वेच्छा पूर्वक अपनी अपनी जिम्मेदारी लेकर आशीर्वाद लिया। **-अविनाश जैन**

आज मनुष्य के पास सबके लिए समय है किंतु स्वयं के लिए समय नहीं है : मुनि श्री वीर सागर जी महाराज

दमोह (विश्व परिवार)। आज के मनुष्य के पास सबके लिए समय है किंतु स्वयं के लिए समय नहीं है वह अपने व्यापार परिवार और बच्चों के लिए समय तो निकाल लेता है किंतु स्वयं के लिए समय नहीं निकाल पाता वह स्वयं का आत्म अवलोकन नहीं कर पाता। स्वयं के दुख तनाव आदि को नहीं समझ पाता। उसका मूल्यवान समय फालतू के कार्यों में व्यतीत होता है। मोबाइल और टीवी आदि के सीरियल और गेम्स अपना बहुमूल्य समय बर्बाद कर देता है आज के मनुष्य के पास काम कोड़ी का नहीं और फुर्सत घड़ी भर की भी नहीं है अखबार आदि से उसके जीवन में नकारात्मकता आती है सकारात्मक का अभाव होता जा रहा है मनुष्य ने अपने दिमाग को डस्टबिन की तरह बना लिया है फिजूल की बातों से वह उसे भरता रहता है दिन भर फालतू की बातों से मन में मनोरोग उत्पन्न होने लगते हैं।

अखबारों और पत्रिकाओं में चोरी डकैती मारपीट आदि घटनाएं नेगेटिव न्यूज़ उसका पतन कर देती मात्र कुछ समय की नेगेटिव फीडिंग उसके दिमाग पर लंबे समय तक इफेक्ट डालते हैअवचेतन मन में नकारात्मक बातें उसके जीवन को प्रभावित करने लगती है जिससे दिमाग में अच्छे विचार पैदा नहीं होते और मन गलत दिशा में फिसलने लगता है इसका मूल कारण प्रतिदिन बुरी घटनाएं मन में भर्ती जाते मन में कचरे के पहाड़ बनते जा रहे हैं जो कि मनुष्य के जीवन को अत्यधिक प्रभावित करते हैं हालांकि एक माचिस की तीली से जिस तरह कचरे के कितने भी पहाड़ को बहुत कम समय में समाप्त किया जा सकता है इस तरह एक अच्छे विचार से मन के कचरे को भी समाप्त किया जा सकता है मनुष्य को अंतर मुहूर्त में केवल ज्ञान हो जाता है तो अपने ध्यान अग्नि से कर्मों के पहाड़ को क्षण भर में नष्ट कर सकता है इसके लिए हमें अपने भीतर जागरूकता लानी होगी हमें अपने दिमाग में किसी को भी गलत बातों का कचरा डालने की अनुमति नहीं देनी होगी जो बचना चाहे उसे बचाया जा सकता है किंतु जो सुसाइड करना चाहे उसे नहीं बचा सकते।

उपरोक्त विचार निर्यापक मुनि श्री वीर सागर जी महाराज ने दिगंबर जैन धर्मशाला में चल रहे शिविर में प्रातः काल 6॰00 अपने जीवन जीने की कला की क्लास में अभिव्यक्त किए जैन धर्मशाला में चल रहे शिविर में बहुत बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण शिविर की विभिन्न कक्षाओं का लाभ ले रहे नगर की विभिन्न कॉलोनी के भक्तगण बहुत उत्साह पूर्वक 5॰00 बजे से कक्षाओं में पहुंच रहे 8॰00 आयोजित भक्तांबर कक्षा में निर्यापक मुनि श्री सुधा सागर जी महाराज के द्वारा बहुत ही प्रभावशाली ढंग से भक्तामर स्त्रोत का पाठ हो रहा है इसके पूर्व मुनि संघ के पद प्रक्षालन का सौभाग्य दिनेश सेठ परिवार सिविल वार्ड को प्राप्त हुआ मुनि संघ को शास्त्र भेंट करने का सौभाग्य सीमा सुनील वेजीटेरियन परिवार को प्राप्त हुआ इस अवसर पर एकलव्य विश्वविद्यालय के द्वारा द्वादश वर्षी जैन पाठ्यक्रम को विश्वविद्यालय के द्वारा मान्यता प्रदान करने एवं डिप्लोमा और सर्टिफिकेट प्रदान करने की घोषणा की गई इस प्रयास की निर्यापक मुनि श्री ने प्रशंसा करते हुए कहा कि जयंत मलैया एवं सुधा मलैया के प्रयासों से प्रारंभ हुए विश्वविद्यालय में जेनेलोलॉजी स्टडी को सम्मिलित किए जाने से बहुत प्रोत्साहन प्राप्त होगा समाज को इस तरह के धर्म प्रभावना के कार्यों को बढ़ावा देने के लिए हमेशा तत्पर रहना चाहिए।

मुनिश्री ने भक्तांबर की क्लास में अपने उद्बोधन मैं कहा कि सच्चे जेनी को कभी भूत प्रेत आदि बाधाएं परेशान नहीं कर सकती। सुनील जैन वेजीटेरियन से प्राप्त जानकारी।

-अभिषेक जैन लुहाड़िया

विदुषी डॉ. इन्दु जैन 'राष्ट्र गौरव' सम्मानित हुईं ऋषभांचल पुरस्कार से

डॉ. इन्दु ने 21 हज़ार की पुरस्कार राशि जिनधर्म प्रभावना के लिए समर्पित की

मेरठ रोड (विश्व परिवार)। गाज़ियाबाद में स्थित प्रसिद्ध जैन तीर्थ श्री ऋषभांचल स्थापना दिवस, ऋषभदेव एवं ऋषभांचल पुरस्कार समर्पण समारोह परम श्रद्धेया अभीक्ष्ण ज्ञानोपयोगी बाल ब्रह्मचारिणी माँ श्री कौशल जी के सानिध्य एवं आशीर्वाद से 26 मई 2024 को सम्पन्न हुआ।

राष्ट्रीय -अंतर्राष्ट्रीय रूप में जैनधर्म का प्रतिनिधित्व करने, जैनधर्म-दर्शन-संस्कृति, प्राकृत-अपभ्रंश, संस्कृत-हिन्दी भाषा, ब्राह्मी लिपि, शाकाहार तथा भारतीय संस्कृति के संरक्षण-संवर्धन में निरंतर अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए एवं नवीन संसद भवन के भूमि पूजन-उद्घाटन समारोह में आयोजित सर्वधर्म प्रार्थना सभा में जैनधर्म का गौरवपूर्ण प्रतिनिधित्व करने के लिए जैनदर्शन के प्रसिद्ध विद्वान प्रो. फूलचंद जैन प्रेमी की सुपुत्री एवं समाज सेवी राकेश जैन की जीवनसंगिनी, जिनधर्म रक्षक की संस्थापिका डॉ. इन्दु जैन राष्ट्र गौरव को ऋषभांचल पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति डॉ. सुधीर कुमार जैन, स्वागताध्यक्ष प्रदीप जैन, अध्यक्ष अतुल जैन, कार्याध्यक्ष जीवेन्द्र जैन, पुरस्कार प्रदाता एवं उपाध्यक्ष हेमचंद जैन, महामंत्री आर.सी.जैन एवं मुकेश जैन, विद्वान् प्रो. वीरसागर जैन, प्रतिष्ठाचार्य जय कुमार निशांत, स्वदेश कुमार जैन, राकेश जैन, पुनीत जैन, सुधीर जैन, अनिल जैन, वीजेंद्र जैन आदि ने माँ श्री कौशल जी के सानिध्य में डॉ. इन्दु जैन राष्ट्र गौरव को प्रशस्ति पत्र एवं 21 हज़ार का सम्मान प्रदान करके ऋषभांचल पुरस्कार से सम्मानित किया।

डॉ. इन्दु ने अपने वक्तव्य में जैन समाज का आभार व्यक्त किया और प्राप्त हुई 21 हज़ार में अपनी ओर से 21 हज़ार और मिलाकर 42 हज़ार रुपए जिनधर्म की प्रभावना के लिए समर्पित करने की घोषणा की। इस विशेष आयोजन में ऋषभदेव पुरस्कार लखनऊ के शैलेन्द्र जैन कोसिया जैन, आगम जैन को मातृछाया सम्मान एवं सुधीर जैन, विपिन जैन, रवि जैन, दीपक जैन, पुनीत जैन इन सभी को धर्म संवर्धन सम्मान विशेष रूप से प्रदान किया गया। कार्यक्रम के अंत में मां श्री कौशल ने अपने प्रवचन में तीर्थंकर आदिनाथ भगवान की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि पूरे विश्व को असि, मसि, कृषि, विद्या, वाणिज्य, शिल्प का ज्ञान राजा ऋषभदेव ने दिया, अपनी पुत्रियों को ब्राह्मी लिपि और अंक विद्या (गणित) सिखाकर महिला शिक्षा का प्रथम उद्घोष किया और राजा ऋषभदेव द्वारा प्रारम्भ अक्षर और अंक कला का विकास निरंतर हो रहा है।

उन्होंने कहा कि हिन्दू परम्परा के प्राचीन पुराणों, ग्रंथों में लिखा है कि ऋषभदेव के ज्येष्ठ पुत्र चक्रवर्ती सम्राट भरत के नाम से अपने देश का नाम भारत पड़ा। हम सभी को भारत की मूल श्रमण जैन संस्कृति की प्रभावना में ही अपना जीवन समर्पित करना चाहिए। वहां उपस्थित सभी गणमान्य लोगों ने सभी सम्मानित विभूतियों को बधाइयां दीं।

संक्षिप्त समाचार

मालवाहक वाहनों की सघन जांच

गरियाबंद(विश्व परिवार)। कलेक्टर जिला गरियाबंद एवं उमनि. पुलिस अधीक्षक जिला गरियाबंद के दिये गये निर्देशानुसर जिला गरियाबंद के जिला परिवहन अधिकारी रविन्द्र ठाकुर एवं यातयात पुलिस बल जिला गरियाबंद के संयुक्त टीम के द्वारा दिनांक 23-24-25 मई को तीन दिवसीय माल वाहक वाहनो पर यात्री परिवहन रोकने अभियान चलाकर सघन रूप से 49 मालवाहक वाहनो की चेकिंग किया गया ।जिसमें 15 मालवाहक वाहनो के वाहन चालको को यातायात नियमों के विरूद्ध अपने मालवाहक वाहनों पर यात्रि परिवहन करते पाये जाने पर यातायात नियमों के तहत विधिवत चालानी कार्यवाही की गयी है, व अन्य सभी वाहन चालको को यातायात नियमों का पालन करते हुए सुरक्षित रूप से वाहन चलाने तथा विशेष कर मालवाहक वाहनो के वाहन चालको को अपने मालवाहक वहनों में यात्रि परिवहन नही करने के संबंध में समझाईस दिया गया ।ज्ञात हो कि बीते दिनों राज्य में एक घटना घटित हुआ जिसमे मालवाहक वाहन में ले जा रहे यात्रियों के वाहन पलटने से कई जाने गई थी ,जिसे संज्ञान में लेते हुए जन मानस की सुरक्षा को देखते हुए संयुक्त जॉच परस्पर जारी रहेगी ।जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन व परिवहन विभाग जिला गरियाबंद के द्वारा जन मानस से यह अपील है कि किसी भी परिस्थिति में मालवाहक वाहनो में बैठ कर सफर ना करें।

दूरस्थ क्षेत्र देवभोग के गांव भी होने लगे स्वच्छ

गरियाबंद(विश्व परिवार)। जिले के दूरस्थ ब्लाक देवभोग के गांव भी स्वच्छ होने लगे है।देवभोग ब्लाक के विभिन्न गांव में शहरों की तरह ही गांव को स्वच्छ रखने का इरादा कर स्वच्छाग्रही दीदीयों ने स्वच्छता की कमान संभाल ली है। स्वच्छाग्रही महिलाएं अपने गांव में गांव की आबादी के अनुसार पंचायत द्वारा निर्धारित सप्ताह में दो दिन अथवा तीन दिन घर-घर से कचरा कलेक्शन करने निकल रही है।कचरा कलेक्शन के साथ-साथ ये समूह की महिलाएं ग्रामवासियों को गीला कचरा / किचन वेस्ट या खाद बनाने योग्य कचरे को घर स्तर पर निपटान करने हेतु गांव वालों को प्रेरित कर रही है।गांव के घरों से केवल सूखा कचरा कलेक्ट किया जायेगा,जिसे पृथक्करण शेड में ले जाकर डंप करेंगे फिर सप्ताह में एक दिन समूह की महिलाएं बैठकर उन सूखे कचरे को अलग-अलग वर्गीकृत करेगीं।पर्याप्त मात्रा में कचरा संग्रहण होने पर उसे बेचकर आय अर्जित करेगीं।देवभोग के ग्राम पंचायत डोहेल में मां अम्बे समूह,धौराकोट में जय मां काली समूह,डुमरबहाल में ममता माई समूह,मुडागांव में मां तारिणी समूह,सितलीजोर में जय मां संतोषी समूह, रोहनागुड़ा में आदि शक्ति समूह व विभिन्न पंचायतों में समूह की महिलाओं द्वारा घर-घर कचरा कलेक्शन कर स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के उददेश्यों को चरितार्थ किया जाने लगा है।जिला समन्वयक परवेज हनफी ने बताया कि इन समूहों को मानदेय के लिए 15वें वित्त के टाइड फंड से प्रतिमाह 6000 रू. का प्रावधान किया गया है, इसके अलावा गांव स्तर पर प्रति घर से 10 रू. तथा गांव के दुकानों से 50 रू.प्रतिमाह स्वच्छता शुल्क लेकर समूह को दिया जायेगा तथा माह में एक बार पर्याप्त सूखा कचरा इकट्ठा होने पर उसको कबाडी वाले को बेचकर जो भी आमदनी होगी वो सीधे समूह की महिलाओं को प्राप्त होगी,आगे शासन की सभी योजनाओं में स्वच्छाग्रही महिलाओं को प्राथमिकता दिये जाने एवं समूह की महिलाओं को फ्री हेल्थ चेकअप की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है। जिससे स्वच्छाग्रही समूह की महिलाओं का सुरक्षा बना रहें।

अवैध शिकार के दो आरोपी पकड़ाए

गरियाबंद(विश्व परिवार)। 25 मई को वन्यप्राणियों के अवैध शिकार के लिये बिछाये गये जाल एवं शिकारियों की जप्ती कार्यवाही प्रकरण में मुख्य रूप से प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी),अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) एवं उप निदेशक उ.सी.टा.रि.गरियाबंद वरूण जैन के दिशानिर्देशन में सहायक संचालक तौरंगा उ.सी.टा.रि. गरियाबंद जे.पी.दरों के मार्गदर्शन में प्राप्त जानकारी अनुसार वन परिक्षेत्र तौरंगा (बफर) के अंतर्गत आने वाले गौरगांव सर्कल,वन परिसर खरताबेड़ा,कक्ष क्रमांक 1167 क्षेत्र में वन अपराध (अवैध शिकार) के नियत से लगाये गये फंदा (जाल) को जप्त कर 2 आरोपियों रायबन पिता साउसमता,जाति गोंड़ पता-ग्राम देवबंदबेहरा,थाना उमरकोट,जिला नवरंगपुर (उड़ीसा), सदपत्ति पिता गॉन्दुसान्ता,जाति गोंड़ पता ग्राम देवबंदबेहरा,(उड़ीसा) को गिरफ्तार कर अपराध की पुष्टि करने एवं पुछताछ की विधि संगत कार्यवाही करने हेतु परिक्षेत्र कार्यालय तौरेंगा (मुकाम मैनपुर) लाया गया है। जांच कार्यवाही दौरान मौके से फरार आरोपियों का पतासाजी किया जा रहा है।अवैध शिकार में लिप्त 2 आरोपियों को दिनांक 25 मई को पकड़ा गया। विभागीय कार्यवाही करते हुये वन अपराध दर्ज कर कायम कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर रिमाण्ड पर जेल दाखिला की कार्यवाही की जायेगी।

खाद-बीज की कालाबाजारी व अधिक कीमत पर बेचने पर होगी कड़ी कार्यवाही : कलेक्टर

आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष की बैठक में खाद-बीज की भण्डारण, वितरण की समीक्षा की गई।

कोरिया(विश्व परिवार)। जिला कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में रबी फसल वर्ष 2023-24 की प्रगति की समीक्षा तथा खरीफ वर्ष 2024 कार्यक्रम निर्धारण के संबंध में जिलास्तरीय बैठक लेकर विभिन्न विषयों पर दिशा-निर्देश दिए। जिले में खरीफ वर्ष 2024 फसल सीजन में खाद-बीज की किसी भी तरह कालाबाजारी की शिकायतें मिलने या अधिक कीमत पर बेचने पर कड़ी कार्यवाही के निर्देश दिए हैं। आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष की बैठक में खाद-बीज की भण्डारण, वितरण की समीक्षा की गई। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक द्वारा दी गई जानकारी अनुसार 1 अप्रेल 2024 से अभी तक यूरिया 27,505.80 क्विंटल, इफको, 10,289.11 क्विंटल, डीएपी 14,166.50 क्विंटल, सुपर फास्फेट 1857.50 क्विंटल, पोटाश 866.50 क्विंटल, जिंक 1645.85 क्विंटल, कुल 56,321.26 क्विंटल भण्डारण है, जिसमें से 15,212.39 क्विंटल वितरण हो चुके हैं तथा 41108.87 क्विंटल शेष स्टॉक है। लंगेह ने विभागवार समीक्षा के दौरान धान के अलावा मिलेट्स के तहत कोदो- कुटकी, रागी, ज्वार, दलहन, तिलहन आदि फसलों के रकबा को बढ़ाने के निर्देश दिए तथा किसानों को प्रोत्साहित करने को कहा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि किसानों को समय पर मानक बीज, खाद, कीटनाशक दवाई आदि वितरण सुनिष्चित हो। पीएम किसान अंतर्गत ईकेवायसी, आधार सीडिंग व वन अधिकार पट्टाधारियों को योजना से जोड़ने पर जोर दिया। कलेक्टर लंगेह ने उद्यानिकी के तहत फल, सब्जियां, मसाला, फूल, औषधी व सुगंधित फसलों के बारे में जानकारी प्राप्त की। बात दें वर्ष 2023-24 में 1791 हेक्टेयर में 205772 मीट्रिक टन उद्यानिकी फसलों का उत्पादन हुआ था। कलेक्टर लंगेह ने पशुधन विकास, मत्स्य पालन, बीज निगम, सहकारी विपणन संघ आदि विभागों के समीक्षा करते हुए कहा कि किसानों को सरकार की योजनाओं का लाभ ज्यादा से ज्यादा मिले, इसके आवश्यक पहल करें तथा किसानों को किसी भी प्रकार समस्याएं आने पर शीघ्र निराकरण करें। लंगेह ने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें, बेवजह काम को लटकाने, पेंडिंग रखने या एक-दूसरे के ऊपर आरोप लगाकर काम से बचने की आदत को सुधारने की हिदायत दी। उन्होंने कहा कि सबकी जिम्मेदारी है कि किसानों को सही समय पर योजनाओं का लाभ मिले इसके स्वप्रेरणा से कार्य करें। बैठक में जिला पंचायत के सीईओ डॉ आशुतोष चतुर्वेदी सहित कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य, सहकारिता, बीज निगम के अधिकारी उपस्थित थे।

दसवीं कक्षा के परीक्षा परिणाम में कमजोर शिक्षण व्यवस्था के लिए कलेक्टर ने स्पष्टीकरण मांगा

जगदलपुर(विश्व परिवार)। कलेक्टर विजय दयाराम के. ने कहा कि शाला त्यागी बच्चों को पुन: शिक्षा और स्कूल से जोड़े। इसके लिए 10 जून से पहले प्रत्येक स्कूल-गांव में आउट ऑफ स्कूल फ्री विलेज के तहत कार्य किया जाए। स्कूल प्रारंभ होने से पहले एक भी बच्चा शाला त्यागी के रूप में नहीं होना चाहिए। इसके साथ ही कक्षा दसवीं के बच्चों को फोकस कर परीक्षा परिणाम को बेहतर करने लिए प्रत्येक माह टेस्ट लेने की कार्ययोजना पर कार्य किया जाए। कलेक्टर ने शनिवार को शिक्षा विभाग की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक श्यामाप्रसाद मुर्खजी हाल में लिया। कलेक्टर ने कक्षा 10 वीं के परीक्षा परीणाम की सातों विकासखंड के शालावार समीक्षा करते हुए बहुत कम परीक्षा परिणाम प्रदर्शित करने वाले स्कूल के प्राचार्य, संकुल समन्वयक, बीईओ को स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिए। स्पष्टीकरण का जवाब संबंधित स्कूल के प्राचार्य और शिक्षक स्वयं देने कहा गया। उन्होंने कहा कि डाउन फॉल रिजल्ट वाले स्कूलों में ब्लॉक शिक्षा अधिकारी लगातार जाकर प्रगति लाए। स्कुलों में दसवीं के रिजल्ट में प्रगति के लिए प्रत्येक माह टेस्ट लिया जाए। जिला स्तर की समिति द्वारा टेस्ट का पेपर तैयार किया जाएगा। जिसे सभी स्कूलों में लागू किया जाएगा। साथ ही प्रत्येक माह चौथे शनिवार बच्चों के रिजल्ट पर चर्चा पालक सम्मेलन में किया जाए ताकि बच्चों की प्रगति की जानकारी पालकों को हो।जिन स्कूलों में शिक्षकों की कमी या शिक्षकों के अवकाश वाले दिनों में वीडियो के माध्यम से विषयों और चेप्टरवार पढ़ाई करवाया जाएगा। एजुकेशनल वीडियो का निर्माण विशेषज्ञ शिक्षकों के द्वारा बनाया जाएगा जिसका यू ट्यूब के माध्यम से सभी को उपलब्ध करवाने का कार्य योजना बनाई जाएगी। बैठक में नामांकन (पोषक शालाओं में दर्ज संख्या, शाला में प्रवेश की संख्या, शाला त्यागी), शाला प्रवेशोत्सव के तहत शासन के निर्देश का अनुपालन,विद्यालय मरम्मत और सौंदर्यकरण, पोषण वाटिका निर्माण, मासिक टेस्ट एवं उसके अनुसार उपचारत्मक शिक्षण, नेत्र एवं स्वास्थ्य परीक्षण, खेलकूद, योग प्रशिक्षण, न्योता भोजन के संबंध में चर्चा किया गया। बैठक में समीक्षा के दौरान एक स्कूल के प्राचार्य ने कम उम्र में स्कूली बच्चे की शादी होने की जानकारी देंने उक्त संबंध में बाल संरक्षण इकाई और उच्च कार्यालय को इसकी जानकारी नहीं देने के लिए प्राचार्य और संकुल समन्वयक के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाने के निर्देश दिए। साथ ही ग्राम सचिव पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

कृषि सहकारी समिति से खाद बीज का उठाव करें किसान - कलेक्टर

सारंगढ़-बिलाईगढ़(विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री धर्मेश कुमार साहू ने जिले के किसानों को संबोधित करते हुए कहा है कि खरीफमौसम प्रारंभ हो चुका है। इसके साथ ही खेती का काम भी बढ़ने लगा है। जिले के किसान भी अपने खेतों में जुताई बुवाई का काम शुरू कर दिए हैं। अब तक के मौसम पूर्वानुमान अनुसार इस साल सामान्य वर्षा हो सकती है। ऐसे में किसान अगले पखवाड़े से बोनी में तेजी लाने लगेंगे। खेत में बुवाई के लिए सबसे पहला काम किसान को खाद-बीज की व्यवस्था करना होता है। इस कार्य को सुगमता से कृषि विभाग द्वारा समय पूर्व खाद बीज का भंडारण सभी सहकारी समितियों में करा दिया गया है। जहां से किसान अपनी आवश्यकता अनुसार ऋण पर खाद और बीज प्राप्त कर सकते हैं। यदि हमारे किसान समय पूर्व अपने खाद और बीज की व्यवस्था कर लेते हैं, तो मानसून आते ही बुवाई कार्य प्रारंभ कर सकेंगे। कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार सभी प्रकार के खाद जैसे यूरिया, डीएपी, पोटाश, सुपर फास्फेट, सभी कृषि साख समिति में उपलब्ध है लेकिन डीएपी एक ऐसी खाद है, जो भारत में नहीं बनती है। इसके लिए अन्य देशों से आयात पर निर्भर रहना पड़ता है चूंकि इस वर्ष डीएपी खाद का आयात सामान्य से कम हुआ है। ऐसी स्थिति में इस खाद की सप्लाई नहीं हो रही है लेकिन डीएपी यदि किसानों को नहीं भी मिलता है तो किसान इसके विकल्प के रुप में संचालनालय अनुसंधान सेवायें इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर द्वारा बताए गए (अनुशंसित) रासायनिक खाद फास्फेट या 12:32.16 या 2020013 का उपयोग कर सकते हैं। सभी खाद पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। सुपर फास्फेट के उपयोग से फास्फोरस तत्व के साथ ही सल्फर और कैल्शियम पोषक तत्त्व भी प्राप्त होता है।

इको टूरिज्म को बढ़ावा देने गंगरेल में इको टूरिज्म गिफ्ट शॉप की हुई

स्व सहायता समूह की महिलाये कर रही शाप का संचालन

धमतरी(विश्व परिवार)। जिले का पर्यटन स्थल रविशंकर सागर जलाशय पर बने गंगरेल बांध को स्वच्छ, सुंदर और पर्यटकों के लिए आकर्षक बनाने के साथ ही जिले में जल संरक्षण के लिए कलेक्टर सुश्री नम्रता गांधी द्वारा प्रयास किया जा रहा है। इसके तहत बीते दिनों गंगरेल बांध और उसके आस पास अधिकारियों, स्थानीय लोगों द्वारा सफाई की गई। वहीं कलेक्टर की पहल पर जिले में जल संरक्षण के लिए जल जगार उत्सव भी लगातार गांवों में मनाया जा रहा है। इन्हीं सब कार्यक्रमों की कड़ी में कलेक्टर के कार्यों से प्रेरित होकर इको टूरिज्म को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ग्राम गंगरेल की सहेली स्व सहायता समूह की महिलाओं द्वारा गंगरेल इको टूरिज्म गिफ्ट शॉप संचालित किया जा रहा है। बीते दिन कलेक्टर सुश्री गांधी सहित सी ई ओ ज़िला पंचायत सुश्री रोमा श्रीवास्तव, एस डी एम धमतरी डॉ विभोर अग्रवाल ने गंगरेल पहुंच गिफ्ट शॉप में टी शर्ट सहित विभिन्न सामग्रियो की खरीददारी कर इसकी शुरुआत की। उन्होंने कहा कि इस शॉप में सभी कपड़े और अन्य इको फ्रेंडली वस्तुएं हैं, जिससे पर्यटन स्थल में प्रदूषण से बचा जा सकता है। इसके अलावा यहां आने वाले पर्यटकों के जरिए दूर दराज तक जिले के इको टूरिज्म की जानकारी पहुंच सकेगी। साथ ही यहां कुछ सामग्री ऐसी भी हैं जो समूह द्वारा निर्मित किया जा रहा है, इससे महिलाओं को कमाई का जरिया और बाजार मिल गया।

शिक्षा विभाग की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक

जगदलपुर(विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. ने कहा कि शाला त्यागी बच्चों को पुन: शिक्षा और स्कूल से जोड़े, इसके लिए 10 जून से पहले प्रत्येक स्कूल-गांव में आउट ऑफ स्कूल फ्री विलेज के तहत कार्य किया जाए। स्कूल प्रारंभ होने से पहले एक भी बच्चा शाला त्यागी के रूप में नहीं होना चाहिए। इसके साथ ही कक्षा दसवीं के बच्चों को फोकस कर परीक्षा परिणाम को बेहतर करने लिए प्रत्येक माह टेस्ट लेने की कार्ययोजना पर कार्य किया जाए। कलेक्टर ने शनिवार को शिक्षा विभाग की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक श्यामाप्रसाद मुर्खजी हाल में लिया। कलेक्टर ने कक्षा 10 वीं के परीक्षा परीणाम की सातों विकासखंड के शालावार समीक्षा करते हुए बहुत कम परीक्षा परिणाम प्रदर्शित करने वाले स्कूल के प्राचार्य, संकुल समन्वयक, बीईओ को स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिए। स्पष्टीकरण का जवाब संबंधित स्कूल के प्राचार्य और शिक्षक स्वम देने कहा गया। उन्होंने कहा कि डाउन फॉल रिजल्ट वाले स्कूलों में ब्लॉक शिक्षा अधिकारी लगातार जाकर प्रगति लाए। स्कुलों में दसवीं के रिजल्ट में प्रगति के लिए प्रत्येक माह टेस्ट लिया जाए। जिला स्तर की समिति द्वारा टेस्ट का पेपर तैयार किया जाएगा, जिसे सभी स्कूलों में लागू किया जाएगा। साथ ही प्रत्येक माह चौथे शनिवार बच्चों के रिजल्ट पर चर्चा पालक सम्मेलन में किया जाए ताकि बच्चों की प्रगति की जानकारी पालकों को हो।जिन स्कूलों में शिक्षकों की कमी या शिक्षकों के अवकाश वाले दिनों में वीडियो के माध्यम से विषयों और चेप्टरवार पढ़ाई करवाया जाएगा। एजुकेशनल वीडियो का निर्माण विशेषज्ञ शिक्षकों के द्वारा बनाया जाएगा जिसका यू ट्यूब के माध्यम से सभी को उपलब्ध करवाने का कार्य योजना बनाई जाएगी। बैठक में नामांकन (पोषक शालाओं में दर्ज संख्या, शाला में प्रवेश की संख्या, शाला त्यागी), शाला प्रवेशोत्सव के तहत शासन के निर्देश का अनुपालन,विद्यालय मरम्मत और सौंदर्यकरण, पोषण वाटिका निर्माण, मासिक टेस्ट एवं उसके अनुसार उपचारत्मक शिक्षण, नेत्र एवं स्वास्थ्य परीक्षण, खेलकूद, योग प्रशिक्षण, न्योता भोजन के संबंध में चर्चा किया गया।

स्कूलों में किसी भी तरह से बच्चों में भेदभाव न हो : कलेक्टर

कोरिया(विश्व परिवार)। जिला पंचायत के मंथन कक्ष में शुक्रवार को जिला कलेक्टर विनय कुमार लंगेह की अध्यक्षता में शिक्षा का अधिकार (आर.टी.ई.) के तहत नि:शुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के संबंध में जिला स्तरीय नोडल प्राचार्य आरटीई एवं प्रधानपाठक, प्रबंधक अशासकीय विद्यालय की समीक्षा बैठक की गई। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने बैठक में उपस्थित नोडल प्राचार्यों, निजी स्कूलों के संचालकों, प्रबंधकों तथा प्राचार्यो से शिक्षा का अधिकार के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि आर.टी.ई. 12 (1) (सी) के अंतर्गत सभी गैर अनुदान प्राप्त और गैर अल्पसंख्यक निजी स्कूलों के प्रारंभिक कक्षाओं में 25 प्रतिशत सीटें दुर्बल और असुविधाग्रस्त परिवार के बच्चों के लिए आरक्षित होते हैं। अधिनियम के तहत तीन वर्ष से साढ़े छह वर्ष तक के बच्चे किसी भी निजी स्कूल के प्रारंभिक कक्षा में प्रवेश ले सकते हैं। इस योजना का लाभ जरूरतमंद और पात्र विद्यार्थियों को कक्षा नर्सरी से कक्षा बारहवीं तक नि:शुल्क शिक्षा दिए जाते हैं। इसका मुख्य उद्देश्य समाज में सभी वर्ग के लोगों के मध्य सामाजिक समावेशन अर्थात सामाजिक समानता लाना, सभी समूहों को मूल्यवान और महत्वपूर्ण महसूस कराना है ताकि विभिन्न प्रकार से किए जाने वाले भेदभाव को हटाया जा सके। कलेक्टर ने निजी स्कूलों के संचालकों, प्रबंधकों, प्राचार्यों तथा नोडल प्राचार्यों से कहा कि एक सप्ताह के भीतर ड्राप आउट के बारे में समुचित जानकारी उपलब्ध कराएं। उन्होंने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी तरह से बच्चों के साथ भेदभाव नहीं की जाए। लंगेह ने जिले के सभी निजी स्कूलों के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए नोडल प्राचार्यों से कहा कि जो बच्चे ड्राप आउट हुए हैं, उसका कारण क्या है? वे विद्यार्थी क्या कर रहे हैं? वे कहां पढ़ाई कर रहे हैं? बीच में स्कूल छोड़ने का क्या कारण है? बच्चे किस वजह से स्कूल छोड़े हैं, इस संबंध में उनके माता-पिता या अभिभावक से जानकारी प्राप्त करें, वहीं उसका समुचित निराकरण करते हुए विद्यार्थियों को स्कूल जाने के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। लंगेह ने कहा कि हम सबकी जिम्मेदारी है कि हर बच्चों को शिक्षा का अधिकार के तहत शिक्षा मिले, स्कूलों में पढ़ाई करने जाए। बैठक में उपस्थित सभी प्रबंधकों व प्राचार्यों से कहा कि स्वप्रेरित होकर कार्य करना सुनिश्चित करने के साथ ही ड्राप आउट रोकने के लिए विशेष पहल करें। उन्होंने सभी नोडल प्राचार्यों को निर्देश दिए कि आगामी बैठक में विगत पांच वर्षों की ड्राप आउट के बारे में समुचित जानकारी प्रदान करें तथा संबंधित वेबसाइट में समुचित जानकारी अपलोड करें। उन्होंने बैठक में उपस्थित संचालकों तथा प्राचार्यों से कहा कि स्कूल में प्रवेश लेने के बाद ड्रॉप आउट न हो इस बात की विशेष ध्यान रखें। लंगेह ने कहा कि आर.टी.ई. के प्रावधानों को गंभीरता से अध्ययन करें साथ ही सभी निजी स्कूल आर.टी.ई. के प्रावधानों को बेहतर क्रियान्वयन करें। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी ने निजी स्कूलों के संचालकों, प्राचार्यों तथा आर.टी.ई. के तहत बनाए गए नोडल प्राचार्यों से कहा कि शिक्षा का अधिकार (आर.टी.ई.) के प्रावधानों के बारे में समुचित जानकारी होना बहुत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आरटीई के प्रावधान, उद्देश्य को जमीनी स्तर पर खरा उतरने के लिए समन्वित प्रयास की जरूरत है। कोई बच्चे शिक्षा से वंचित न हो, तभी शिक्षा का अधिकार अधिनियम फलीभूत होगा। उन्होंने कहा कि नोडल प्राचार्यों की विशेष जिम्मेदारी है।

व्यापार समाचार

टाटा के अधिग्रहण के बाद एयर इंडिया ने पहली वेतन वृद्धि की घोषणा की

नई दिल्ली(एजेंसी)। एयर इंडिया ने 2022 में टाटा समूह द्वारा अधिग्रहण के बाद पहली बार 31 दिसंबर, 2023 से पहले एयरलाइन में शामिल होने वाले अपने कर्मचारियों के लिए वेतन वृद्धि की घोषणा की। एयरलाइन में ग्राउंड स्टाफ, केबिन क्रू और पायलट सहित लगभग 18,000 कर्मचारी हैं। एयर इंडिया के बयान में कहा गया, वित्तवर्ष 2023-2024 के दौरान विहान के टेक-ऑफ चरण के एक भाग के रूप में एयर इंडिया ने विकास और परिवर्तन के लिए मजबूत नींव रखते हुए महत्वपूर्ण मील के पत्थर हासिल किएज् अपनी यात्रा को सक्षम करने के लिए हमने अपने मानव संसाधन अभ्यास में पिछले साल दो महत्वपूर्ण बदलाव किए। मुख्य मानव संसाधन अधिकारी (सीएचआरओ), रवींद्र कुमार जी.पी. ने एक पत्र में कहा है, हमने एक समकालीन वार्षिक प्रदर्शन मूल्यांकन प्रक्रिया, राइज लॉन्च की और कर्मचारियों के लिए एक सरलीकृत, बाजार-प्रतिस्पर्धी और उत्पादकता-उन्मुख मुआवजा संरचना में बदलाव किया। पिछले वित्तीय वर्ष के लिए हमारी मूल्यांकन प्रक्रिया और मुआवजा योजना पूरी हो चुकी है। हमें 1 अप्रैल, 2024 से वार्षिक वेतन वृद्धि और कंपनी और व्यक्तिगत प्रदर्शन के आधार पर वित्तवर्ष 2023-24 के लिए प्रदर्शन बोनस की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। पायलटों को प्रति माह 5,000 रुपये से 15,000 रुपये तक वेतन वृद्धि और जूनियर फर्स्ट अधिकारियों से लेकर वरिष्ठ कमांडरों के लिए 42,000 रुपये से 1.8 लाख रुपये प्रति वर्ष तक का बोनस मिलेगा। इसके अलावा, उन पायलटों को मुआवजा प्रदान किया जाएगा, जिन्हें अपने ग्राउंड और सिम्युलेटर प्रशिक्षण में अत्यधिक देरी का सामना करना पड़ा है।

जान्हवी कपूर ने पूरी म्यूजिक टीम के साथ मुंबई में मिस्टर एंड मिसेज माही का एल्बम लॉन्च किया

मुंबई: शुक्रवार को, साल की सबसे बहुप्रतीक्षित रिलीज में से एक, मिस्टर एंड मिसेज माही के कलाकार और पूरी म्यूजिक टीम मुंबई में एक विशेष अनुभव पर फिल्म का एल्बम लॉन्च करने के लिए एक साथ आई। दुनिया के अग्रणी ऑडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफ़ॉर्म स्श्चश्ह्लद्बद्घ4 और सोनी म्यूज़िक इंडिया ने जान्हवी कपूर के साथ-साथ निर्देशक शरण शर्मा और फ़िल्म के साउंडट्रैक के पीछे के संगीतकारों तनिष्क बागची, विशाल मिश्रा, जुबिन नौटियाल, जानी और उनकी टीम, कौसर मुनीर, नीति मोहन, कविता सेठ, लक्ष्य कपूर, अचिंत, मोहम्मद फ़ैज़, ध्रुव ढल्ला को एक साथ लाया, जहाँ दोपहर में परफ़ॉर्मेंस और बातचीत हुई, जिसके बाद 7 गानों वाला एल्बम रिलीज़ किया गया। फ़िल्म के दो गाने, 'देखा तेनु' और 'अगर हो तुम' रिलीज़ हो चुके हैं और दुनिया भर के श्रोताओं के बीच पहले से ही धूम मचा रहे हैं। फ़िल्म के ट्रेलर के साथ-साथ इन संगीतमय सफलताओं ने पूरे एल्बम रिलीज़ के लिए उत्साह को और बढ़ा दिया। इस कार्यक्रम में, कलाकारों ने एक अंतरंग सेट अप में एल्बम के गाने गाए और फ़िल्म के संगीत को बनाने के बारे में किस्से साझा किए, जिससे यह एक अनोखी, संगीतमय दोपहर बन गई। सफल बॉलीवुड साउंडस्केप के सभी तत्वों से युक्त यह एल्बम अपने समृद्ध संगीत के माध्यम से दर्शकों से गहराई से जुड़ता है। जान्हवी कपूर ने कलाकारों और निर्देशक के साथ खुलकर बातचीत की और संगीत का आनंद लिया। फ़िल्म के संगीत के बारे में जान्हवी कपूर कहती हैं, मैं इस एल्बम के रिलीज़ होने से बेहद रोमांचित हूँ। यह मेरे लिए एक खास जगह रखता है, क्योंकि हर गाना बेहद सुकून देने वाला और मधुर है। ये ऐसे गाने हैं जिन्हें दर्शक आसानी से याद रख सकते हैं और उनका आनंद ले सकते हैं। 'देखा तेनु' और 'अगर हो तुम' के लिए हमें जिस तरह की ज़बरदस्त प्रतिक्रिया मिली है, मुझे यकीन है कि पूरे एल्बम को भी वैसा ही प्यार मिलेगा। हमारे पास ऐसे अद्भुत गायक, संगीतकार और गीतकार हैं और मैं इससे ज़्यादा कुछ नहीं माँग सकता था। मैं अपने एल्बम के लिए दर्शकों की प्रतिक्रिया का बेसब्री से इंतज़ार कर रहा हूँ। निर्देशक शरण शर्मा ने कहा, मुझे लगता है कि फिल्म का हर ाना बहुत प्रासंगिक है और वास्तव में कहानी को पूरक बनाता है, जिससे समग्र अनुभव में वृद्धि होती है।

कलर्स का 'लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट': अंकिता लोखंडे कहती हैं, विक्की और मैं खाना पकाने के विशेषज्ञ नहीं हैं, लेकिन हम जानते हैं कि दर्शकों का मनोरंजन कैसे करना है

कलर्स एक अनोखा कुलिनरी-कॉमेडी क्रॉसओवर लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट×स39; पेश करने के लिए पूरी तरह तैयार है, जो नॉन-स्टॉप मनोरंजन का महोत्सव लेकर आता है। बारह लोकप्रिय एंटरटेनर एक शानदार कुकिंग शोडाउन के लिए एक अव्यवस्थित किचन में कदम रख रहे हैं जो वाकई बेहद मज़ेदार होगा। रेसिपी को बिगाड़ने से लेकर जोक्स सुनाने तक, वे हंसी का तूफान लाने के लिए तैयार हैं। इस किचन में कृष्णा अभिषेक - कश्मीरा शाह, विक्की जैन - अंकिता लोखंडे, राहुल वैद्य - अली गोनी, रीम समीर शेख जन्नत जुबैर, करण कुंद्रा - अर्जुन बिजलानी, और सुदेश लेहरी - निया शर्मा जैसे सितारे शेफकी भूमिका निभाएंगे। कॉमेडी क्वीन भारती सिंह अपने ह्यूमर का तड़का लगा रही हैं, सेलिब्रिटी शेफकोच हरपाल सिंह सोखी इन नौसिखिए शेफ्स की मदद कर रहे हैं, और उनके व्यंजनों की रेटिंग कर रहे हैं। लाफ्टर शेफ्स के बीच, अंकिता लोखंडे ने इस हंसी के दंगल में कदम रखने का अपना अनुभव साझा किया। कलर्स के अनूठे कुलिनरी और कॉमेडी क्रॉसओवर में हिस्सा लेना उनको लिए बहुत बड़ी बात है। खाना पकाना कभी भी उनका पसंदीदा विषय नहीं रहा है, इसलिए दर्शकों का मनोरंजन करने के साथ-साथ पूरी तरह से कुछ नया करने के विचार ने उन्हें उत्साहित कर दिया जिसने उन्हें इस शो में भाग लेने के लिए आकर्षित किया, जिसमें कुकिंग और कॉमेडी का मिश्रण है । बिग बॉस के घर से बाहर आने के बाद, कलर्स के साथ काम करके उन्हें इतना मज़ा आया था कि मैं इस जोश को बरकरार रखने के लिए उत्सुक थी। कलर्स साथ का यह सफर बहुत मज़ेदार रहा है, और उन्हें बस इतना पता था कि यह अनुभव सरप्राइज़ और सीखने के पलों से भरपूर होगा। चूंकि विक्की और वो दोनों ही अच्छे से खाना बनाना नहीं जानते, इसलिए उन्हें लगता है कि हर कोई बड़ा प्रतिस्पर्धी होगा। विक्की और वो खाना पकाने के विशेषज्ञ नहीं हैं, लेकिन वे जानते हैं कि दर्शकों का मनोरंजन कैसे करना है।

हम टी20 विश्व कप में भी उलटफेर करेंगे: अली ख़ान

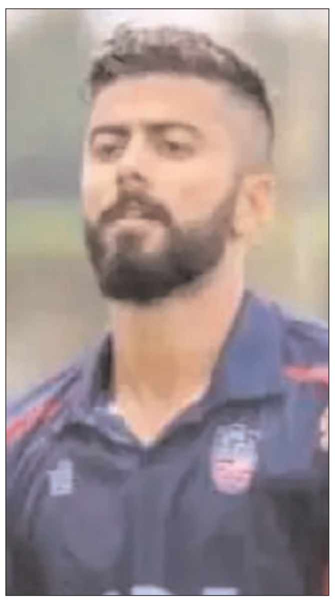

ह्यूस्टन(अमेरिका)(एजेंसी)। बांग्लादेश के ख़िलाफ़ संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा टी20 श्रृंखला में 2-0 की अपराजेय बढ़त बनाने के बाद तेज़ गेंदबाज़ अली ख़ान ने कहा है कि यह सीरीज़ जीत महज़ एक संयोग नहीं है और उनकी टीम आगामी टी20 विश्व कप में भी कई उलटफेर करने के लिए तैयार है। ख़ान ने मैच के बाद कहा, हम भूखे हैं और हमारे रास्ते में आने वाली हर चुनौती से निपटने के लिए तैयार हैं। यह समय अभी हमें ज़रूरत के हिसाब से बदलाव और सामंजस्य बैठाने का है। टीम काफ़ी संतुलित लग रही है और खिलाड़ियों के भीतर भी जीत की भूख है। मैं इस बात को लेकर आश्वस्त हूं कि इस बार अमेरिका ज़रूर कुछ उलटफेर करेगा। हम अमेरिका को विश्व क्रिकेट के मानचित्र पर अंकित करना चाहते हैं। जब आप किसी बड़ी टीम के ख़िलाफ़ जीत दर्ज करते हैं तो लोग कई बार इसे संयोग करार दे देते हैं लेकिन एक ही सीरीज़ में बार बार पटखनी देना संयोग नहीं है। अगर हमें अवसर मिले तो हम भी अपना टैलेंट और स्किल दिखा सकते हैं। अली ख़ान इस श्रृंखला में चोट के बाद वापसी कर रहे थे और उन्होंने दूसरे टी20 में तीन विकेट लिए, जिसके चलते उन्हें प्लेयर ऑफ़ द मैच भी चुना गया। नई गेंद से स्पैल करने के बाद वह 18वें ओवर में गेंदबाज़ी के लिए आए। तब बांग्लादेश को तीन ओवर में जीत के लिए सिर्फ़ 21 रन चाहिए था और अनुभवी शाकिब अल हसन भी क्रीज़ पर मौजूद थे। ख़ान ने पहली ही गेंद पर शाकिब को पवेलियन चलता कर दिया और उसी ओवर में उन्होंने तंज़िम हसन का भी शिकार कर लिया। 145 के लक्ष्य का पीछा कर रही बांग्लादेश इन झटकों से उबर ही नहीं पाई और ख़ान ने अंतिम ओवर में बांग्लादेश की पारी का अंतिम विकेट लेकर विपक्षी टीम को 138 के स्कोर पर समेट दिया। ख़ान ने शाकिब का विकेट लेने की रणनीति साझा करते हुए कहा, कप्तान (मोनांक पटेल) ने मुझे तैयार रहने के लिए कहा था। मुझे पता था कि परिस्थिति के हिसाब से मुझे 17वां और 19वां या 18वां और 20वां ओवर करना पड़ सकता है। मैं जब गेंदबाज़ी के लिए आया तब हमें ब्रेकथ्रू मिला ही था, ऐसे में बांग्लादेश पर दबाव बन चुका था। विकेट धीमी थी और विपक्षी टीम यह अपेक्षा कर रही थी कि मैं तेज़ गेंद डालूंगा। इसीलिए उन्होंने ज़ोर से बल्ला घुमाने की रणनीति अपनाई और इसके चलते गेंद ने शाकिब के बल्ले का बाहरी किनारा ले लिया। मेरी रणनीति यही थी कि मैं उन्हें हवा के विपरीत शॉट खेलने पर मजबूर करूं। हवा शाकिब के ऑफ़ साइड की ओर बह रही थी इसलिए मैंने गेंद को शाकिब से उसी दिशा में दूर रखा और मुझे उनका विकेट मिल गया। पहले मैच में ख़ान ने एक विकेट तो लिया था लेकिन उन्होंने 49 रन भी लुटाए थे। हालांकि उन्होंने कहा कि उन्हें अपनी लय प्राप्त करने के लिए थोड़ा समय चाहिए था। मैं चोट के बाद वापसी कर रहा था। मैं परिस्थिति के हिसाब से खुद को ढालने की कोशिश कर रहा था।

सैमसंग 'गैलेक्सी अनपैक्ड' इवेंट पेरिस में होगा : रिपोर्ट

सोल(एजेंसी)। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स की ओर से 'गैलेक्सी अनपैक्ड' के समर एडिशन का आयोजन जुलाई में पेरिस में किया जा सकता है। इंडस्ट्री से जुड़े लोगों ने जानकारी दी। बता दें, इस वर्ष 26 जुलाई से 11 अगस्त तक फ्रांस की राजधानी पेरिस में ही ओलंपिक खेलों का आयोजन होगा। सूत्रों ने बताया कि 'गैलेक्सी अनपैक्ड' इवेंट ओलंपिक खेल शुरू होने से करीब दो हफ्ते पहले 10 जुलाई को शुरू होगा। इसमें 'गैलेक्सी जेड फोल्ड 6' और 'गैलेक्सी जेड फ्लिप 6' स्मार्टफोन और वियरेबल गैलेक्सी रिंग का भी अनावरण किया जा सकता है। कोरियाई समाचार एजेंसी योनहाप की रिपोर्ट में बताया गया कि यह दूसरी बार है जब दुनिया के सबसे बड़ी स्मार्टफोन कंपनी की ओर से नए फोल्डेबल फोन को पेश किया जाएगा। इससे पहले सोल में हुए गैलेक्सी अनपैक्ड इवेंट में पहली बार कंपनी ने फोल्डेबल फोन पेश किए थे। कंपनी की ओर से 'गैलेक्सी अनपैक्ड' इवेंट साल में दो बार आयोजित किया जाता है। आमतौर पर ये जनवरी और अगस्त में होता है। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक कमेटी की आधिकारिक पार्टनर है। ओलंपिक खेलों के चलते कंपनी की ओर से फ्रांस की राजधानी पेरिस को 'गैलेक्सी अनपैक्ड' इवेंट के समर एडिशन के लिए चुना गया है। इस बार उम्मीद की जा रही है कि गैलेक्सी सीरीज के स्मार्टफोन में ऑन-डिवाइस एआई दी जा सकती है, जैसे गैलेक्सी एस24 मॉडल में दी गई है, जिसे जनवरी में पेश किया गया था। इसके अलावा गैलेक्सी रिंग भी पेश की जा सकती है, जो कि एक हेल्थकेयर डिवाइस होगा। इसे कंपनी ने पहली बार फरवरी 2024 में स्पेन में मोबाइल वर्ल्ड कांग्रेस में प्रदर्शित किया गया था।

फ्लिपकार्ट में हिस्सेदारी खरीदेगा गूगल , कर सकता है 2,900 करोड़ रुपए का निवेश

नई दिल्ली(एजेंसी)। गूगल ने ताजा फंडिंग दौर में ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट में हिस्सेदारी खरीदने के लिए करीब 35 करोड़ डॉलर (करीब 2,900 करोड़ रुपये) के निवेश का प्रस्ताव रखा है। वॉलमार्ट समूह की कंपनी ने यह जानकारी दी। जानकारी के मुताबिक, फ्लिपकार्ट फंडराइजिंग के मौजूदा दौर में एक अरब डॉलर जुटा रही है और उसे अपनी मूल कंपनी एवं अमेरिकी रिटेल दिग्गज वॉलमार्ट से 60 करोड़ डॉलर का कमिटमेंट मिला है। फ्लिपकार्ट ने एक बयान में कहा, वॉलमार्ट की अगुवाई में होने वाले नए फंडिग दौर के तहत फ्लिपकार्ट ने गूगल को अल्पांश निवेशक के तौर पर अपने साथ जोड़ने की घोषणा की। यह कदम

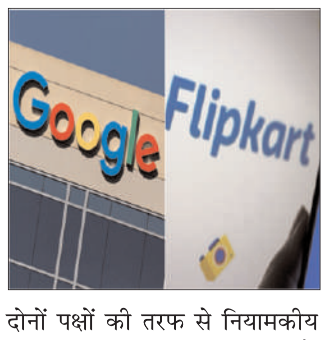

दोनों पक्षों की तरफ से नियामकीय एवं अन्य प्रक्रियागत अनुमोदनों के अधीन होगा। फ्लिपकार्ट ने कहा, गूगल के प्रस्तावित निवेश और उसके क्लाउड सहयोग से फ्लिपकार्ट को अपने कारोबार का विस्तार करने और देश भर में ग्राहकों को सर्विस देने के लिए अपने डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के आधुनिकीकरण को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। हालांकि, फ्लिपकार्ट ने गूगल की तरफ से निवेश की जाने वाली प्रस्तावित राशि का कोई ब्योरा नहीं दिया। लेकिन माना जा रहा है कि यह आंकड़ा 35 करोड़ डॉलर का हो सकता है। एक सूत्र ने कहा कि फ्लिपकार्ट का मूल्यांकन लगभग 35 अरब अमेरिकी डॉलर होने के आधार पर मौजूदा फंडिंग दौर में लेनदेन की उम्मीद है। अमेरिका स्थित वॉलमार्ट द्वारा किए गए इक्विटी लेनदेन के आधार पर 31 जनवरी, 2024 तक फ्लिपकार्ट का मूल्यांकन 35 बिलियन अमेरिकी डॉलर था। वॉलमार्ट ने वित्त वर्ष 2023-24 में 3.5 अरब डॉलर का भुगतान कर फ्लिपकार्ट में अपनी हिस्सेदारी 10 प्रतिशत बढ़ाकर लगभग 85 प्रतिशत कर दी थी।

मजबूत भुगतान सेवाओं के लिए यूपीआई , कार्ड प्रोसेसिंग व ईएमआई पर ध्यान केंद्रित करेगा पेटीएम

नई दिल्ली(एजेंसी)। भुगतान व वित्तीय सेवा कंपनी पेटीएम ने कहा कि वह अपने भुगतान सेवा व्यवसाय को और मजबूत करने के लिए कार्ड प्रोसेसिंग और ईएमआई भुगतान के साथ-साथ यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) पर ध्यान केंद्रित करेगा। उसे उम्मीद है कि इससे कंपनी के हालात में फिर से सुधार होगा और वह देश में भुगतान सेवा में अपनी अग्रणी स्थिति को बनाए रखेगी। कंपनी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि पहले कुल सकल व्यापारिक मूल्य (जीएमवी) में 70 प्रतिशत का योगदान देने वाला यूपीआई, अब लगभग 80-85 प्रतिशत योगदान दे रहा है। कंपनी ने बिजनेस मॉडल में यूपीआई की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। वित्तीय वर्ष 24 की चौथी तिमाही और

वित्तीय वर्ष 24 के नतीजे जारी करने के बाद बुधवार को अर्निंग कॉल के दौरान, पेटीएम ने अपने मर्चेंट जीएमवी की रिकवरी पर भी जोर दिया। वित्तीय वर्ष 24 में, पेटीएम का जीएमवी पिछले साल के मुकाबले 39 प्रतिशत बढ़कर 18.3 लाख करोड़ रुपये हो गया। पेटीएम के राजस्व प्रवाह में यूपीआई प्रोत्साहन और रुपे क्रेडिट कार्ड लेनदेन, ओवरड्राफ्ट और ईएमआई एकत्रीकरण से उच्च भुगतान प्रसंस्करण मार्जिन शामिल हैं। जबकि यूपीआई मर्चेंट भुगतान मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) उत्पन्न नहीं करता है। पेटीएम को सरकार से सबवेंशन भुगतान से लाभ मिलता है। पेटीएम को वित्तीय वर्ष 24 की चौथी तिमाही में 288 करोड़ रुपये की यूपीआई प्रोत्साहन राशि प्राप्त हुई। वित्तीय वर्ष 23 की चौथी तिमाही में कंपनी को 182 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि मिली थी। भुगतान सेवाओं से पेटीएम का राजस्व 26 प्रतिशत बढ़कर 6,235 करोड़ रुपये हो गया। इसके अतिरिक्त, शुद्ध भुगतान मार्जिन 50 प्रतिशत बढ़कर 2,955 करोड़ रुपये हो गया। अपने वित्तीय परिणामों की घोषणा के दौरान, कंपनी ने यह भी कहा कि अप्रैल से कुछ उत्पादों को छोड़कर भुगतान जीएमवी में सकारात्मक वृद्धि की प्रवृत्ति देखी जा रही है। पेटीएम साउंडबॉक्स अब यूपीआई पर रुपे क्रेडिट कार्ड की सुविधा भी देता है। यह छोटे व्यापारियों को 2,000 रुपये से कम के लेनदेन के लिए शून्य मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) की पेशकश करता है।

मांसपेशी की चोट के कारण ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक नहीं खेलेंगे नीरज चोपड़ा

नयी दिल्ली(एजेंसी)। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता भालाफेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा दो सप्ताह पहले अभ्यास के दौरान मांसपेशी में लगी चोट के कारण चेक गणराज्य में 28 मई को होने वाली ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक 2024 एथलेटिक्स मीट में भाग नहीं ले सकेंगे। चोपड़ा ने इस सत्र में दो स्पर्धाओं दोहा डायमंड लीग और फेडरेशन कप में भाग लिया है। वह अतिथि के तौर पर इस टूर्नामेंट में पहुंचेंगे। आयोजकों ने एक बयान में कहा ,'' चोपड़ा को दो सप्ताह पहले अभ्यास के दौरान मांसपेशी में चोट लगी थी जिसकी वजह से वह ओस्ट्रावा में नहीं खेल सकेंगे लेकिन अतिथि के तौर पर यहां आयेंगे।'' मौजूदा ओलंपिक और विश्व चैम्पियन चोपड़ा ने दोहा डायमंड लीग में रजत पदक जीता और भुवनेश्वर में फेडरेशन कप में स्वर्ण पदक हासिल किया था। आयोजकों ने कहा कि उन्हें चोपड़ा का मैसेज मिला था जिसमें उन्होंने स्पर्धा से नाम वापिस लेने की जानकारी दी। चोपड़ा की जगह जर्मनी के जूलियन वेबर इसमें खेलेंगे।

आईसीआरए ने लागत दक्षता और वॉल्यूम ग्रोथ के आधार पर वेदांता को ए1+ शॉर्ट टर्म रेटिंग दी

नईदिल्ली। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी आईसीआरए लिमिटेड ने परिचालन और वित्तीय मोर्चे पर कई सकारात्मक पहलुओं का हवाला देते हुए वेदांता लिमिटेड (वीडीएल) को आईसीआरए एए- की दीर्घकालिक रेटिंग और आईसीआरए ए1+ की अल्पकालिक रेटिंग दी है। आईसीआरए ने अपने रेटिंग तर्क में कहा, ''निर्दिष्ट रेटिंग वेदांता के विविध प्रोडक्ट पोर्टफोलियो और घरेलू एल्यूमीनियम और जस्ता व्यवसायों में बेहतर बाजार हिस्सेदारी से प्रेरित है। साथ ही, बड़े पैमाने पर परिचालन के कारण मजबूत बिजनेस रिस्क प्रोफ़ाइल को देखते हुए निर्दिष्ट रेटिंग प्रदान की गई है।'' एल्युमीनियम कारोबार में मजबूती को देखते हुए, आईसीआरए ने कहा है कि वेदांता अपनी एल्यूमिना रिफाइनरियों की क्षमता बढ़ाने की प्रक्रिया में है। अगले 2-3 तिमाहियों में कैप्टिव कोयला/बॉक्साइट ब्लॉकों की अपेक्षित शुरुआत के साथ, इससे लागत में बढ़ोतरी होगी। आईसीआरए ने कहा, दक्षता और कच्चे माल की कीमतों में अस्थिरता को देखते हुए मुनाफे को आंशिक रूप से हेज करने की संभावना है। इन ब्लॉकों के परिचालन के बाद चक्रीय मंदी के दौरान झटके झेलने के लिए वेदांता लिमिटेड बेहतर स्थिति में होगा। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी ने उत्पादन लागत में सुधार और धातु की कीमतों में सीमित उतार-चढ़ाव के कारण वेदांता के ऑपरेटिंग मार्जिन में स्थिरता को भी नोट किया है। आईसीआरए ने कहा, ''वित्त वर्ष 2025 में, बैकवर्ड-इंटीग्रेशन परियोजनाओं द्वारा संचालित होने और लागत संरचना में अपेक्षित सुधार, से समग्र परिचालन लाभ को और समर्थन मिलने की संभावना है। मुख्य रूप से एल्युमीनियम व्यवसाय में ऐसा होने की संभावनाएं हैं।'' इसमें कहा गया है कि एल्युमीनियम, जिंक इंटरनेशनल और आयरन ओर सेगमेंट में बिक्री की मात्रा में सुधार होने की उम्मीद है। वेदांता के पास एक विविध मेटल पोर्टफोलियो है जिसमें विभिन्न मेटल, तेल और गैस और बिजली आईपीपी परियोजनाएं शामिल हैं। अन्य बातों के अलावा, आईसीआरए को उम्मीद है कि घरेलू जस्ता और तेल और गैस क्षेत्रों में लागत-कुशल संचालन के साथ-साथ वेदांता के बड़े पैमाने पर परिचालन से खनन क्षेत्र की इस प्रमुख कंपनी की ऑपरेटिंग प्रोफ़ाइल और मजबूत होगी।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के पार पहुंचा

नईदिल्ली। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर भारतीय सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 23 मई, 2024 को 5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर (416.57 ट्रिलियन रुपये) को पार कर गया। उसी दिन, निफ्टी 50 इंडेक्स 22,993.60 के सर्वकालिक उच्च स्तर को छू गया। निफ्टी 500 इंडेक्स ने भी सर्वकालिक उच्च स्तर को छुआ। आज 21,505.25 का उच्च स्तर दर्शाता है कि इक्विटी बाजार में वृद्धि केवल बड़े, पूंजीकृत शेयरों तक ही सीमित नहीं है। भारतीय सूचीबद्ध कंपनियों के बाजार पूंजीकरण को 2 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर (जुलाई 2017) से 3 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर (मई 2021) तक पहुंचने में लगभग 46 महीने लगे, 3 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से 4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर (दिसंबर 2023) तक पहुंचने में लगभग 30 महीने लगे और अब नवीनतम अमेरिकी डॉलर 1 ट्रिलियन जोड़ने में केवल 6 महीने लगे। बाजार पूंजीकरण के हिसाब से शीर्ष 5 कंपनियां रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज लिमिटेड, एचडीएफसी बैंक लिमिटेड, आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड और भारती एयरटेल लिमिटेड हैं। पिछले 10 वर्षों में, निफ्टी 50 इंडेक्स ने 13.4 प्रतिशत रिटर्न (टोटल प्राइस इंडेक्स सीएजीआर) दिया है। इसी अवधि के दौरान, घरेलू म्यूचुअल फंडों का एसेट अंडर मैनेजमेंट (इक्विटी और ऋण) अप्रैल 2014 के अंत में 9.45 ट्रिलियन रुपये से 506 प्रतिशत बढ़कर अप्रैल 2024 के अंत में 57.26 ट्रिलियन रुपये हो गया। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की प्रबंधन के तहत संपत्ति (इक्विटी और ऋण) अप्रैल 2014 के अंत में 16.1 ट्रिलियन रुपये से 345 प्रतिशत बढ़कर अप्रैल 2024 के अंत में 71.6 ट्रिलियन रुपये हो गई। बाज़ार पूंजीकरण में वृद्धि केवल शीर्ष कंपनियों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि सभी शेयरों में देखी गई है। निफ्टी 100 इंडेक्स के घटक अब बाजार पूंजी का 61 फीसदी हिस्सा हैं, जबकि अप्रैल 2014 तक कुल बाजार पूंजी का 74.9 प्रतिशत था। प्राथमिक बाजार में लघु और मध्यम उद्यम सहित कॉरपोरेट्स द्वारा संसाधन जुटाना उत्साहजनक रहा है और इसने धन जुटाने के पारंपरिक तरीकों के अलावा प्रभावी वैकल्पिक तंत्र प्रदान किया है।

हिन्दी में सर्वाधिक अंक वाले विद्यार्थी होंगे सम्मानित

रायपुर (विसं)। राजधानी रायपुर में संचालित विभिन्न स्कूलों के दसवीं कक्षा के उन विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा, जिन्होंने इस वर्ष बोर्ड की परीक्षा में हिन्दी विषय में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए हैं। उन्हें नारायणी साहित्यिक संस्थान एवं चरामेति फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में स्वर्गीय श्रीमती टी. कृष्णवेणी की स्मृति में 'हिन्दी श्रेष्ठ सम्मान ' से नवाज़ा जाएगा। संस्था के राजेंद्र ओझा ने आज यहाँ बताया कि रायपुर स्थित समस्त उच्चतर माध्यमिक शालाओं के दसवीं के ऐसे छात्र को 'हिन्दी श्रेष्ठ सम्मान' से सम्मानित किया।

''आरंभ जैन'' यूथ मीट एवं करियर काउंसलिंग के एक दिवसीय भव्य नि:शुल्क शिविर में बच्चे एवं युवा हुए शामिल

दुनिया में सबसे ज्यादा कॉम्पीटीशन हिंदुस्तान में है और आगे बढ़ने के लिए विकल्प सिर्फ शिक्षा की सीढ़ी है : सुनील जैन (आई.ए.एस)

वस्तु का स्वभाव ही धर्म है एवं धर्म के माध्यम से हम सुख की प्राप्ति कर सकते हैं : ब्रहमचारी सुनील भैया जी

रायपुर (विश्व परिवार)। परम पूज्य संत शिरोमणि समाधिस्थ आचार्य गुरुवर श्री विद्यासागर जी महाराज के महान उपकारों को स्मरण करते हुए वर्तमान आचार्य पूज्य गुरुदेव 108 श्री समय सागर जी महाराज के मंगल आशीर्वाद से युवाओं में जीवनोपयोगी संस्कारों का बीजारोपण करने एवं कैरियर संबंधी संभावनाओं को उजागर करने श्री दिगंबर जैन समाज पंचायत सेवा समिति, शंकर नगर, रायपुर के तत्वावधान में आरंभ जैन यूथ मीट एवं करियर काउंसलिंग अभी तक का सब से बड़ा एक दिवसीय ग्रीष्म कालीन शिविर का आयोजन दिनांक 25 मई शनिवार 2024 रात्रि 07:00 बजे वृंदावन हॉल, सिविल लाइन्स, रायपुर में किया गया।

कार्यक्रम का आरंभ संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर जी महाराज जी की छाया चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर हुआ, दीप प्रज्जुलन श्री दिगंबर जैन मंदिर शंकर नगर समिति के सदस्य, महिला मंडल एवं आमंत्रित अतिथियों द्वारा किया गया, तत्पश्चात मंगलाचरण गीत छोटे बच्चो ने प्रस्तुत किया मंगलाचरण माही जैन (छात्रा प्रतिभास्थली चंद्रगिरी डोंगरगढ़)

एवं एकांश बाकलीवाल द्वारा मोटिवेशन गीत 'तू लाख बार गिरेगा जिंदगी के मैदान में तू है वो कश्ती जो ना हार माने तूफ़ा में' गाकर एक संदेश प्रस्तुत किया।

मंदिर समिति के सभी सदस्यों व महिला मंडल द्वारा उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत स्मृति चिन्ह देकर किया गया। कार्यक्रम के मार्गदर्शक ब्रह्मचारी सुनील भईया (डीजेएम बीएसएनएल) के साथ मुख्य अतिथि श्री सुनील कुमार जैन जी 'अजमेरा' (आई.ए.एस.) विशेष सचिव ऊर्जा विभाग, खनिज विभाग प्रबंध संचालक एवं जल जीवन प्रबंध संचालक छत्तीसगढ़ शासन, विशिष्ट अतिथि श्री अनिल जैन जी पूर्व सदस्य, अल्पसंख्यक आयोग, छत्तीसगढ़ के साथ शिक्षाविद एवं मोटिवेशनल स्पीकर विजय चोपड़ा, करियर काउंसलर एवं साइकोलॉजिस्ट शिवाली श्रीवास्तव विशेष रूप से उपस्थित थे।

कार्यक्रम में मंच पर उपस्थित आमंत्रित अतिथियों में **मुख्य अतिथि श्री सुनील कुमार जैन जी अजमेरा** (आई.ए.एस.) ने अपने वक्तव्य में बताया की दुनिया में सबसे ज्यादा कंपटीशन हिंदुस्तान में है और आगे बढ़ने के लिए विकल्प सिर्फ शिक्षा की सीढ़ी है, आज आगे बढ़ने के लिए जिस व्यक्ति के पास व्यापारिक बैकग्राउंड, राजसी परिवार से संबंध नहीं है, पैसे का आभाव है, उसके लिए शिक्षा ही प्रमुख साधन होती है जिसके आधार पर वह आगे बढ़ सकता है। शिक्षा का मतलब केवल नौकरी पा जाना ही नही होती। पूरी दुनिया में शिक्षा के लिए सब से ज्यादा प्रतिस्पर्धा केवल भारत में ही है। शिक्षा का उद्देश्य अपने आप को सीमित करने का नही होना चाहिए। समय और परिस्थिति के हिसाब को सभी को बदलना आवश्यक है। स्कूल के समय में जो लोग हम से सभी चीजों में आगे थे आज वो कुछ नहीं है और जो कुछ नहीं थे वो बहुत कुछ बन गए है। नंबर कम आना या ज्यादा आना किसी की योग्यता की पहचान नहीं है। हर किसी को अपनी क्षमता का आकलन जरूर करना चाहिए और उसी के अनुसार कार्य करना चाहिए ताकि वह अपने जीवन में सफल हो सके।

वस्तु का स्वभाव ही धर्म है एवं धर्म की माध्यम से हम सुख की प्राप्ति कर सकते हैं- बाल ब्रहमचारी सुनील भैया जी : आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य बाल ब्रह्मचारी सुनील भईया ने अपने वक्तव्य की शुरुआत सर्वप्रथम पांचवे तीर्थंकर भगवान सुमतिनाथ स्वामी का स्मरण कर सभी को सुमति की प्राप्ति हो ऐसी भावना भाते हुए धर्म और कर्म के बीच में कैसे सामंजस्य बिठाया जाये इस पर सभी का ध्यान केंद्रित करते हुए उन्होंने बताया कि धर्म क्या है? वस्तु का स्वभाव ही धर्म है, जैसे एक डॉक्टर का धर्म मरीज को ठीक करना है, पानी का धर्म शीतलता करना है, ऐसे ही हर एक जीव का धर्म सुखी होना, सुख पाना है, हर व्यक्ति सुख पाना चाहता है और वह सुख उसे धर्म के माध्यम से प्राप्त हो सकता है।

उन्होंने विभिन्न उदहारण के माध्यम से धर्म के मर्म को समझाया, उन्होंने बताया कि यदि हम एक पुस्तक पढ़ते हैं तो उसे कम से कम तीन बार पढ़ना चाहिए क्योंकि पुस्तक पढ़ने में हर बार कोई ना कोई नई चीज निकलती है उसे ही हम कहते हैं अनेकांतवाद और यही जैन धर्म का सिद्धांत भी है। भैया जी ने विद्यार्थियों मुझे गए प्रश्नों का भी मार्मिक उत्तर देकर उन्हें संतुष्ट किया।

धर्म की छाव में ही रहकर अपना कैरियर बनाना होगा- अनिल जैन : अनिल जैन पूर्व सदस्य अल्प संख्यक आयोग ने अपने वक्तव्य में बताया की आज के प्रतिस्पर्धा के युग में 2 कदम चलने के लिए 4 कदम आगे चलने की तैयारी करना होगा।निरंतर नए विषय आ रहे है करियर काउंसलर को भी नई नई चीजे सीखना होगा। सर्वप्रथम शुरुवात घर से करनी होगी।माता पिता की बात माननी पड़ेगी। बच्चो बडो सभी के लिए उनके उम्र के हिसाब से बात करनी होगी।आज जैन धर्म के मर्म को अपने जीवन में शामिल करना होगा। धर्म की छाव में रहकर अपना करियर बनाना होगा। सफलता के लिए अपनी रुचि देखना होगा और लक्ष्य निर्धारण करना होगा। उसके साथ अपना आत्म विश्वास को मजबूत बनाना पड़ेगा।हर गलती से सिख लेकर नए सिरे से आगे बढ़ना होगा। उम्र के पड़ाव में गलतियां होगी। नकारात्मकता से बचना होगा। बात चित की कला भी आनी चाहिए।समय प्रबंधन जीवन का महत्वपूर्ण पहलू है उसका विशेष ध्यान रखना होगा।सफल असफल होने वाले दोनो बच्चो को 24 घंटे मिलते है सभी को जीवन के सभी पहलुओं को ध्यान में रखना होगा। मस्तिष्क के साथ साथ शरीर को भी स्वस्थ रखना भी आवश्यक है। व्यावहारिक शिक्षा को भी शामिल करना अत्यंत आवश्यक है। ईश्वर में आस्था मानव जीवन को उद्देश्य प्रदान करती है।

उपस्थित **विजय चोपड़ा** करियर काउंसलिंग विशेषज्ञ एवं मोटिवेशन स्पीकर ने बताया कि करियर काउंसलिंग विषय हर व्यक्ति के लिए है। इंट्रेस्ट, स्कोप, फ्रैंड फैमिली पेरेंट्स, के अलावा अपनी पर्सनैलिटी के आधार में करियर चुनना है। करियर के लिए आप की रुचि किस चीज में यह सबसे महत्त्वपूर्ण बात है। इन सब के अलावा फाइनेंस का भी ध्यान रखना होगा। करियर चुनने के पहले हर स्टूडेंट को परीक्षा के दौर से गुजरना होगा। परीक्षा को हौव्वा न बनने दे उस पर हावी हो जाइए। लक्ष्य का निर्धारण करने के बाद दिन रात एक करना होगा। असफलता में ही सफलता छुपी है। ठोकर खाने के बाद ही आदमी सीखता है। असफलता से घबराने की जरूरत नहीं है। बच्चो के माता पिता को स्मार्ट पेरेंटिंग करना होगा। अपनी इच्छाओं को बच्चो पर न थोपे। अपनी असफलता बच्चो में नही देखे अपने बच्चो की तुलना दूसरे बच्चे से न करे। बच्चो में सहनशीलता धैर्य की कमी निरंतर होते जा रही है। परिजनों के साथ धार्मिक स्थल अवश्य जाए और समाज के प्रमुखों वरिष्ठ जन से निरंतर मिले।

कैरियर काउंसलर एवं साइकोलॉजिस्ट **श्रीमती शिवाली श्रीवास्तव** ने उपस्थित सभी स्टूडेंट्स का कैरियर को लेकर मार्गदर्शन किया उन्होंने बताया कि हम कैसे किसी गोल को अचीव कर सकते हैं एवं हमें किन सावधानियां को ध्यान में रखकर अपने टारगेट सेट करना चाहिए, उन्होंने विद्यार्थियों द्वारा पूछे गए केरियर से संबंधित सवालों का सटीक निराकरण करते हुए उनकी शंकाओं का समाधान किया सभी स्टूडेंट्स के लिए उनका सेशन बहुत ही इंटरएक्टिव रहा। श्रीमती श्रीवास्तव ने उनके द्वारा प्रारंभ किए गए सेंट्रल इंडिया के पहले मेंटल हेल्थ स्टार्टअप की जानकारी भी प्रदाय की गई जिसका नाम BetterSpace के नाम से जाना जाता है।

कार्यक्रम में लगभग 100 बच्चो एवं उनके अभिभावकगण उपस्थित रहे उन्होंने आयोजन की बहुत प्रशंसा की और भविष्य में भी ऐसे आयोजनों के किए जाने की मांग भी की ताकि विद्यार्थियों को समय से पर उचित मार्गदर्शन मिलता रहे जिससे वे अपने जीवन को सफल बना सकें।

कार्यक्रम को सफल बनाने विशेष रुप से श्री मनीष जैन, श्री अजय जैन रेलवे, श्री विजय कस्तूरे, श्री अमित जैन गोईल, श्री संतोष जैन- श्रीमती माया जैन, श्री सुधांशु जैन, श्री विपुल जैन, श्री अभिताप जैन, श्री अमित जैन राजनांदगांव, श्री देवेंद्र जैन (सीए), प्रतीक जैन(सी एस), स्नेह जैन, सुजीत जैन, स्वतंत्र जैन, प्रसंग जैन, विनय जैन, सोनल मनीष जैन आदि का सहयोग रहा। मंच का संचालन विजय जैन कस्तूरे द्वारा किया गया। सभी का आभार ज्ञापित श्री दिगंबर जैन मंदिर शंकर नगर समिति अध्यक्ष श्री मनीष जैन द्वारा किया गया।

जुए की लत या किसी भी वस्तु या मादक पदार्थ की लत एक मानसिक रोग

शोध यह बताते है कि कोई भी व्यवहार या मादक पदार्थ पहली बार इस्तेमाल करने पर मानसिक खुशी देता है क्योंकि पहली बार इस्तेमाल करने पर यह हमारे शरीर में डोपामिन का स्त्राव बढ़ाता है जो हमें अच्छा महसूस कराता है, खुशी देता है और जब कभी हम दुबारा तनाव महसूस करते हैं पुन: उसी व्यवहार या पदार्थ को उपयोग करने को प्रेरित करता है और इसी तरह यह एक प्रक्रिया बन जाती है और व्यक्ति लत (एडिक्शन) की गिरफ्त में फंस जाता है।

छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले एक लाचार बुजुर्ग माता-माता पिता द्वारा जुआ-सट्टा की लत में डूबे अपने पुत्र की हत्या की घटना समाने आई। ख़बर एक हृदय विदारक घटना है, ऐसी ख़बर पढ़कर मन का विचलित हो जाना स्वाभाविक है। इस तरह की घटनाओं की तादात लगातर बढ़ती जा रही है। बढ़ती घटनाओं पर मनोवैज्ञानिक एवं समाज शास्त्री द्वारा लगातार चिंतक और शोध किया जा रहा है। अब समाज को भी इस तरह की बढ़ती घटनाओं पर विचार और चिंतन की जरूरत है।

इस तरह की घटनाओं पर ज़िला चिकित्सालय कबीरधाम में राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत कार्यरत मनोरोग चिकित्सक डॉक्टर राकेश कुमार से खुल कर चर्चा हुई। उन्होंने घटना के कारकों और कारणों की बारीकी पर कई खुलासे भी किए। उन्होंने कारकों और कारणों को शोध के बाद आए परिणामों को बताया।

डॉ. राकेश कुमार कबीरधाम जिले के जिला चिकित्सालय में पदस्थ है। वे राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम में काम कर रहे है।

डॉ राकेश कुमार का कहना है कि जुए की लत या किसी भी वस्तु या मादक पदार्थ की लत एक मानसिक रोग है। इस तरह की घटनाओं को रोकने का प्रयास किया जा सकता है। वर्तमान में मानसिक रोगों पर हुए शोध ये बताते हैं कि लत एक मानसिक रोग है। लत की अवस्था तक पहुंचना एक निरंतर प्रक्रिया का परिणाम होता है। किसी भी वस्तु, व्यवहार या मादक पदार्थ की लत आरंभ में एक सामान्य प्रयोगात्मक व्यवहार जो थोड़ी बहुत खुशी या दोस्तों के साथ मनोरंजन के तौर पर शुरू होता है, लेकिन कालान्तर में यह एक विकराल समस्या बन जाती है और अंतत: इसी तरह का परिणाम सामने आता है।

मानसिक रोगों का अध्ययन ये बताते हैं कि कोई भी व्यवहार या मादक पदार्थ पहली बार इस्तेमाल करने पर मानसिक खुशी देता है क्योंकि पहली बार इस्तेमाल करने पर यह हमारे शरीर में डोपामिन का स्त्राव बढ़ाता है जो हमें अच्छा महसूस कराता है, खुशी देता है और जब कभी हम दुबारा तनाव महसूस करते हैं पुन: उसी व्यवहार या पदार्थ को उपयोग करने को प्रेरित करता है और इसी तरह यह एक प्रक्रिया बन जाती है और व्यक्ति लत (एडिक्शन) की गिरफ्त में फंस जाता है। किसी भी पदार्थ, व्यवहार या मादक पदार्थों के लत के विषय में डॉक्टर राकेश कुमार बताते हैं कि इस तरह के लत में फंसे व्यक्ति को पूर्व से ही कुछ मानसिक समस्याएं हो सकती है या उनके जीवन में तनाव के अन्य कारण भी हो सकते हैं जिनकी पहचान कर निदान किया जा सकता है और व्यक्ति को लत में पड़ने से रोका जा सकता है। विषय विशेषज्ञों के अनुसार लत में पड़ने की संभावना तब और बढ़ जाती है जब इस तरह का व्यवहार करने वाले की उम्र 22 वर्ष से कम हो। कम उम्र में व्यक्ति के मस्तिष्क का विकास हो रहा होता है और इस तरह का असामान्य व्यवहार मस्तिष्क में तथा व्यवहार में बदलाव लाता है। यह तब और भी गंभीर हो जाता है जब इस व्यवहार को रोकने या बदलने का प्रयास समय रहते न किया जाए। इस समस्या को समय रहते पहचान कर उसमें कार्य करने से व्यवहार में बदलाव किया जा सकता है। लत की समस्या एक मानसिक, पारिवारिक और सामाजिक समस्या है जो पूरे जीवन को तबाह कर सकता है। आत्महत्या और तलाक जैसे गंभीर समस्याओं का मुख्य कारण लत रूपी गंभीर मानसिक रोग है। एडिक्शन डिसऑर्डर जिसमें मोबाइल और इंटरनेट का अत्यधिक प्रयोग तथा पोर्नोग्राफी भी आता है की समस्या से आज के इस सूचना के युग में छोटे बच्चे, महिलाएं, वयस्क से लेकर वृद्ध भी अछूते नहीं हैं और लोगों का व्यक्तिगत, पारिवारिक तथा सामाजिक जीवन तबाह हो रहा है। लत की इस गंभीर समस्या को समय रहते पहचान कर इसका उपचार कराया जा सकता है। हालाकि इसका उपचार एक जटिल प्रक्रिया है फिर भी उपचार संभव है। मानसिक रोगों के पहचान एवम उपचार हेतु विशेषज्ञों की कमी तथा जागरूकता का अभाव इसमें पहली रुकावट है। अभी भी हमारे समाज में और चिकित्सा जगत में सामान्य मानसिक रोगों की पहचान कर इलाज की आवश्यकता को लेकर बहुत से मिथक और स्टिग्मा व्याप्त है जिसके कारण लोग चिकित्सकीय सहायता नहीं ले पाते। मनोरोग चिकित्सकों की कमी और जानकारी का अभाव आज इस समस्या के समाधान में मुख्य रुकावट का कारण है। ऐसी परिस्थिति से निपटने के लिए राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत वर्तमान में सभी चिकित्सकों, ग्रामीण चिकित्सा सहायकों, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों से लेकर सभी मितानिनों को मानसिक रोगों की पहचान तथा उपचार के लिए प्रशिक्षित किया जा चुका है और लगातार प्रशिक्षण कराया जा रहा है। वर्तमान में जिला चिकित्सालय कबीरधाम में पदस्थ डॉक्टर राकेश कुमार के द्वारा सभी प्रकार के मानसिक रोगों की पहचान तथा उपचार किया जा रहा है। आत्महत्या रोकथाम संबंधी सलाह मशवरा और नशामुक्ति संबंधी सलाह तथा उपचार भी प्रदान किया जाता है। ज़िला चिकित्सालय कबीरधाम में रास्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम (स्पर्श क्लिनिक कक्ष क्रमांक 21) संचालित है। किसी भी प्रकार के मानसिक रोग, लत की समस्या के पहचान एवम उपचार के लिए संपर्क किया जा सकता है।

● गुलाब डड़सेना
सहायक जनसंपर्क अधिकारी

मंडल टास्क टीम व आरपीएफ पोस्ट रायपुर द्वारा एक अंतरराजकीय गांजा तस्कर को 10 किलोग्राम मादक पदार्थ के साथ पकड़ा

रायपुर (विश्व परिवार)। मंडल टास्क टीम रायपुर व आर.पी.एफ. पोस्ट रायपुर द्वारा 01 अंतरराजकीय गांजा तस्कर को 10 ग्र्द्द.मादक पदार्थ (गांजा) कीमती 200000/ रुपया के साथ पकड़कर जीआरपी रायपुर को एनडीपीएस एक्ट के तहत् जप्ती की विधिवत् कार्यवाही कर सुपुर्द दिनांक 26.05.24 को मंडल सुरक्षा आयुक्त रे. सु. ब. रायपुर, श्री एस. के. गुप्ता के दिशा निर्देशन में मंडल टास्क टीम रायपुर एवं आरपीएफ पोस्ट रायपुर के साथ सघन चेकिंग के दौरान लोकसभा चुनाव आचार संहिता के मद्देनजर प्री इलेक्शन सीजर अभियान के तहत मुखबीर की सूचना के आधार पर रेसुब पोस्ट रायपुर प्रभारी निरीक्षक एस.के. दत्ता के नेतृत्व में मंडल टास्क टीम प्रभारी उपनिरीक्षक के.बी.गुप्ता, प्र.आ. व्ही सी बंजारे, आ.एस.के. गिरी, आ.देवेश सिंह, आर.पी.एफ. टीम द्वारा आपरेशन नारकोस के तहत मुखबिर सूचना के आधार पर रेलवे स्टेशन रायपुर के प्लेटफार्म नंबर 05, दुर्ग छोर, विकलांग शौचालय के पास मुखबिर के बताए हुलिया पहनावा एवम सामान के आधार पर 01 संदिग्ध व्यक्ति को समय 02.10 बजे घेरा बंदी कर पकड़े उसके पास रखे एक काला रंग का लगेज बैग को चेक करने पर मादक पदार्थ गांजा होना पाया गया नाम पता पूछने पर अपना नाम पता सूरज कुमार पिता नन्हीलाल उम्र. 34 वर्ष निवासी- ग्राम नौढ़िया तरहार, थाना-लालापुर जिला-प्रयागराज (उ. प्र.) का रहने वाला बताया उसके पास रखे एक काला रंग का लगेज बैग में 02 पैकेट मादक पदार्थ मिला, जिसका कुल वजन 10 किलो ग्राम मादक पदार्थ गांजा जिसका कीमती 200000/(दो लाख रुपया), उक्त आरोपी को एनडीपीएस एक्ट के तहत् विधिवत कार्यवाही कर गिरफ्तार किया गया।

लोन लेने के लिए ITR बनवायें मात्र 500/- में
शेखर गुप्ता ONLYTDS.COM
ITR GST
हमारे TAX Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
G.S.T. रिर्टन | Food Licence
इन्कम TAX फाईल | M.S.M.E. रजिस्ट्रेशन
TDS रिफंड | प्रोजेक्ट रिपोर्ट
IT नोटिस | डिजिटल सिग्नेचर
9300755544, 8878655544

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा मे. विश्व परिवार इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं.-421 सेक्टर-सी, सड़क नं.-7 उरला इंडस्ट्रीयल एरिया उरला, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354